राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 301
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शुक्रवार 13 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 दिल्ली के हरित क्षेत्र के संरक्षण के लिए केजरीवाल सरकार लगवायेगी 10 लाख पौधे, ईएफसी बैठक में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने

पेज 5 ज्ञानवापी पर फैसलाः 17 मई से पहले दोबारा सर्वे, कोर्ट कमिश्नर नहीं बदलेगा, मस्जिद समेत पूरे परिसर का सर्वेक्षण

पेज 7 कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में कश्मीर मुद्दे पर वेबिनार, भारतीय छात्रों के विरोध के बाद पीछे हटना पड़ा

दिल्ली में एमसीडी का एक्शन

मदनपुर खादर में बुलडोजर से तीन मंजिला इमारत गिराई, लोगों ने पथराव किया

एजेंसी

नई दिल्ली। एमसीडी का बुलडोजर आज दिल्ली के मदनपुर खादर में चला। यहां टीम ने अवैध रूप से बनी एक तीन मंजिला इमारत को ध्वस्त कर दिया। इससे गुस्साए लोगों ने एमसीडी की टीम पर पथराव कर दिया, इसमें कई कर्मचारी और पुलिस वाले चोटिल हुए हैं। एमसीडी की कार्रवाई का विरोध करने पहुंचे आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

दिल्ली में अतिक्रमण के खिलाफ एमसीडी का बुलडोजर चल रहा है। एमसीडी की टीम आज अमर कॉलोनी, ईस्ट कैलाश, रोहिणी इलाके में पहुंची। भारी संख्या में CRPF और पुलिस के जवान एमसीडी की टीम के साथ पहुंचे। इस बीच आप के विधायक अमानतुल्लाह खान मदनपुर खादर में बुलडोजर रोकने के लिए पहुंच गए।

जो बिल्डिंग गिराई उसका मालिक शाहीन बाग में रहता है

मदनपुर खादर में बुलडोजर को देखते ही विरोध शुरू हो गया। लोगों का कहना है कि अचानक यह कार्रवाई की जा रही है। एमसीडी की टीम ने यहां तीन मंजिला इमारत को गिरा दिया। यह बिल्डिंग एक साल पहले ही बनी थी। एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि वह इसी बिल्डिंग में रहते थे। उन्हें यह कहकर निकाल दिया गया कि चोट लग सकती है। उन्होंने कहा कि कोई नोटिस नहीं आया, अचानक आज बुलडोजर आ गया। बिल्डिंग के मालिक शाहीन बाग में रहते हैं।

एमसीडीको बदरपुर जाना था, मदनपुर खादर कैसे आए- खान

आम आदमी पार्टी के एमएसए अमानतुल्लाह ने एमसीडीकी कार्रवाई को अवैध बताया है। खान ने नारेबाजी के बीच कहा कि अगर मेरी गिरफ्तारी से लोगों के मकान बचते हों तो गिरफ्तार कर लीजिए। पुलिस ने लोगों से नारेबाजी न करने की अपील की, लेकिन अमानतुल्लाह खान की मौजूदगी में प्रदर्शन तेज हो गया। खान ने कहा कि वह अपने लोगों के साथ खड़े रहेंगे। दिल्ली पुलिस ने विधायक खान से सरेंडर करने को कहा।

अमानतुल्लाह ने कहा कि एमसीडी को बदरपुर जाना था, वहां भाजपा के विधायक हैं। उधर न जाकर एमसीडी वाले इधर आ गए। लिस्ट में कहीं भी मदनपुर खादर का जिक्र नहीं है।

इस बीच लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया, जिसमें एमसीडी के कर्मचारी और पुलिस के जवान चोटिल हो गए। पुलिस ने विधायक अमानतुल्लाह को हिरासत में ले लिया है। हंगामा बढ़ता देख पुलिस ने माइक से घोषणा की कि आप लोग हट जाइए वरना आपके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली, यूपी समेत कई राज्यों में फिर होगा गर्मी का कहर

एजेंसी

नई दिल्ली। बीते कई दिनों से दिल्ली, यूपी, हरियाणा, बिहार, राजस्थान और पंजाब समेत देश के कई राज्यों में गर्मी से जो राहत मिली थी, वह एक बार फिर से खत्म होने वाली है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक शुक्रवार से दिल्ली और आसपास के इलाके फिर से लू की चपेट में आ सकते हैं। बुधवार से ही इन राज्यों में एक बार फिर तापमान में इजाफा दर्ज किया जा रहा है। दरअसल बीते कुछ दिनों से चक्रवाती तूफान असानी और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड में हल्की बारिश के चलते तापमान थोड़ा कम हुआ था और राहत दिखी थी। अब वह राहत फिर से छिनने की चिंता बढ़ गई है। हालांकि, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश आदि कई राज्य हैं, जहां पर चक्रवाती तूफान असानी की वजह से तेज बारिश होगी। स्काईमेट

वेदर के मुताबिक गुरुवार को गुजरात व राजस्थान के कई हिस्सों, विदर्भ, मराठवाड़ा, उत्तरी मध्य महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और दक्षिण हरियाणा के अलग-अलग हिस्सों में लू की स्थिति संभव है।

भारतीय मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर पश्चिम भारत और मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में अगले पांच दिनों तक भयंकर गर्मी पड़ेगी। इस दौरान लू भी लोगों को परेशान करेगी। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी के आसार कम हैं। इसकी वजह चक्रवाती तूफान असानी ही है।

राजस्थान से लेकर दिल्ली तक होगी भीषण गर्मी

राजस्थान में तो अगले एक सप्ताह में तापमान एक बार फिर से 44 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। ऐसा ही हाल मध्य प्रदेश का रहना वाला है। यहां 15 मई तक लू चलने के आसार हैं। इसके अलावा हरियाणा, दिल्ली व पंजाब में भी 12 से 15 मई तक भयंकर गर्मी पड़ने के आसार हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिन आसमान पूरी तरफ साफ रहेगा और तेज धूप झुलसाने वाली होगी। अधिकतम तापमान 43 और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री तक रह सकता है। हालांकि पश्चिमी विक्षोभ के चलते 17 मई से कुछ राहत मिलनी शुरू हो सकती है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर हादसा, पति-पत्नी सहित 5 की मौत

डंपर में घुसी बोलेरो, 4 महिलाओं ने मौके पर दम तोड़ा; मथुरा से तीर्थयात्रा कर लौट रहे थे

एजेंसी

जेवर, ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां तेज रफ्तार बोलेरो पीछे से एक डंपर में घुस गई। हादसे में पति-पत्नी सहित 5 की मौके पर मौत हो गई। हादसा जेवर इलाके में तड़के 5 बजे के करीब हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो के आगे का हिस्सा डंपर में घुस गया। पुलिस का कहना है कि ड्राइवर को नींद आने की वजह से हादसा हुआ है। बोलेरो सवार लोग मथुरा में तीर्थ यात्रा में गए थे। वहां से ग्रेटर नोएडा की तरफ घूमने आ रहे थे। मृतक महाराष्ट्र और कर्नाटक के रहने वाले थे। यमुना एक्सप्रेस-वे से गुजर रहे लोगों ने हादसे की सूचना जेवर थाना पुलिस को दी।

मरने वालों में पति-पत्नी भी शामिल

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने कटर से गाड़ी को काटकर घायलों को बाहर निकाला। पुलिस सभी को लेकर अस्पताल पहुंची। जहां डॉक्टरों ने 5 को मृत घोषित कर दिया। वहीं 2 घायलों का इलाज ग्रेटर नोएडा के कैलाश हॉस्पिटल में चल रहा है।

हादसे में चंद्रकांत नारायण बुराड़े (68) और उनकी पत्नी स्वर्णा चंद्र कांत बुराड़े (59), मालन विश्वनाथ कुंभार (68), रंजना भरत पंवार (60) और नुवंजन मुजावर (53) की मौत हो गई, जबकि नारायण रामचंद्र कोलेकर और सुनीता राजू गस्टे घायल हो गए।

महाराष्ट से घूमने के लिए निकले थे 55 लोग

ग्रेटर नोएडा के ADCP विशाल पांडे ने बताया कि महाराष्ट्र से 55 लोग घूमने के लिए निकले थे। 48 लोग बस में सवार थे, जबकि 7 लोग बोलेरो में थे। मरने वालों में दो लोग पति-पत्नी हैं। अन्य तीन लोग भी एक ही गांव के रहने वाले हैं।

गुरुवार को सभी दिल्ली घूमने के लिए जा रहे थे। संभावना जताई जा रही है कि ड्राइवर को नींद की झपकी आई और बोलेरो डंपर में जा घुसी। डंपर को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है और आरोपी चालक की तलाश में जुट गई है।

राज्यसभा की 57 सीटों पर चुनाव : वोटिंग 10 जून को

लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी भाजपा बहुमत की ओर

नई दिल्ली। 15 राज्यों की 57 राज्यसभा सीटों के लिए 10 जून को चुनाव होंगे। चुनाव आयोग ने गुरुवार को चुनाव की तारीख का ऐलान किया। इन सभी सीटों के सांसदों का कार्यकाल जून से अगस्त के बीच पूरा हो रहा है। भाजपा की नजर राज्यसभा में भी बहुमत हासिल करने पर है। 245 सीटों में से भाजपा के पास 101 सीटें हैं। चुनाव के बाद इनकी संख्या और बढ़ेगी।

दूसरी ओर, कांग्रेस के पास 29 सीटें हैं। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश से दो सीटें कम होंगी, हालांकि इनकी भरपाई राजस्थान और छत्तीसगढ़ कर सकती है। इस बार पंजाब उसके हाथ से पूरी तरह निकल जाएगा। कुल मिलाकर भाजपा की ताकत बढ़ने का सीधा असर जुलाई में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव पर भी पड़ेगा।

2014 में राज्यसभा में भाजपा की सीटें 55

राज्यसभा में कुल 245 सदस्य हैं और बहुमत का आंकड़ा 123 होता है। भाजपा धीरे-धीरे बहुमत की ओर बढ़ रही है। 2014 में राज्यसभा में भाजपा की सीटें 55 थीं और तब से लगातार बढ़ रही हैं, क्योंकि पार्टी ने कई राज्यों में सत्ता हासिल की है। 1988 में कांग्रेस के पास 108 सदस्य थे। फिर 1990 में हुए द्विवार्षिक चुनावों के बाद संख्या गिरकर 99, 2012-13 के बीच 72 पहुंच गई और अभी तक कांग्रेस के सदस्यों की संख्या में गिरावट जारी है।

उत्तर प्रदेश से बढ़ेगी ताकत

इन चुनावों में सबसे उत्तर प्रदेश की सबसे 11 सीटों पर वोटिंग होगी। जिनमें भाजपा को 7 सीटें मिल सकती हैं। बाकी बची 4 सीटों पर समाजवादी पार्टी दावा कर सकती है।

बहुजन समाज पार्टी के सतीश चंद्र मिश्रा के रिटायर होने के बाद भाजपा के पास राज्य सभा में केवल एक ही सीट रह जाएगी।

यूपी की 11 में से 7 सीटों पर भाजपा की जीत तय, एक पर कांटे की टक्कर

तमिलनाडु से 6 और महाराष्ट्र से 6, बिहार से 5, कर्नाटक से 4, राजस्थान से 4 और आंध्र प्रदेश से 4, मध्य प्रदेश से 3, ओडिशा से 3, पंजाब, झारखंड, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना से 2-2 तथा उत्तराखंड से एक सीट पर चुनाव होगा।

राज्यसभा में मनोनीत सांसदों की सात सीटें भी फिलहाल खाली हैं। गौरतलब है कि 5 राज्यों केरल, पंजाब, असम, त्रिपुरा और नागालैंड की 13 सीटों के लिए 31 मार्च को वोटिंग हुई थी।

इनकी होगी राज्यसभा में वापसी

इन 57 सीटों में से जिन सांसदों की वापसी होगी उनमें कर्नाटक से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, झारखंड से मुख्तार अब्बास नकवी और महाराष्ट्र से पीयूष गोयल का नाम शामिल होगा। कांग्रेस भी अंबिका सोनी, जयराम रमेश, विवेक तन्खा को वापस लाने की कोशिश कर सकती है।

कांग्रेस को राजस्थान से फायदा क्यों

राजस्थान में 10 सीटों में से 4 सीटें 4 जुलाई को खाली होने वाली हैं। अभी इन सीटों पर बीजेपी के ओम प्रकाश माथुर, के.जे. अल्फोंस, रामकुमार वर्मा, हर्षवर्धन सिंह डूंगरपुर निर्वाचित हैं।

वहीं, अब बहुमत और सीटों की संख्या के आधार पर इन 4 में से 2 सीटों पर कांग्रेस को स्पष्ट जीत मिलती नजर आ रही है। जबकि बीजेपी की एक सीट पक्की मानी जा रही है।

मई के आखिरी हफ्ते में जारी होगी अधिसूचना

राज्ससभा चुनाव की अधिसूचना 24 मई को जारी की जाएगी। जबकि नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 मई रखी गई है। वोटिंग 10 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। काउंटिंग इसी दिन शाम 5 बजे से शुरू होगी।

योगी सरकार का बड़ा फैसला

यूपी के मदरसों में राष्ट्रगान अनिवार्य, आज से पढ़ाई से पहले हर दिन होगा जन-गण-मन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मदरसों में अब पढ़ाई से पहले राष्ट्रगान अनिवार्य कर दिया गया है। यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड परिषद ने इसका आदेश जारी कर दिया है। यह आदेश मान्यता प्राप्त, अनुदान पाने वाले और अनुदान नहीं पाने वाले सभी मदरसों पर लागू होगा। कक्षाएं शुरू होने से पहले सुबह की प्रार्थना के समय राष्ट्रगान होगा। रमजान और ईद की छुट्टियों के बाद गुरुवार यानी आज से सभी मदरसे खुल चुके हैं। 14 मई से मदरसों में बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो रही हैं।

मंत्री दानिश बोले- कंप्यूटर के साथ धर्मग्रंथ भी पढ़ेंगे बच्चे

यूपी के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद ने कहा- जब मदरसा छात्र राष्ट्रगान गाएंगे तो समाज के मूल्यों को भी जानेंगे। मदरसा शिक्षा के उत्थान के लिए सरकार काम कर रही है। अब मदरसा के छात्र गणित, विज्ञान, कंप्यूटर के साथ-साथ धर्मग्रंथों का भी अध्ययन करेंगे।

मौलाना सुफियान ने कहा- बार-बार मदरसों को टारगेट करना गलत

लखनऊ के दारुल उलूम फरंगी महली के प्रवक्ता मौलाना सुफियान निजामी ने कहा- मदरसे में राष्ट्रगान अनिवार्य करने पर कोई भी आपत्ति नहीं है, लेकिन बार-बार मदरसों को टारगेट किया जाता है। पहले कहा गया कि NCERT की बुक पढ़ाई जाएगी, लेकिन कोई ऐसी बुक नहीं पढ़ाई जा रही है। न ही मदरसों को हाइटेक किए जाने को लेकर कोई भी संसाधन किए जा रहे हैं। इस ऑर्डर से यही सवाल उठता है कि मदरसों में राष्ट्रगान नहीं होता है, न ही कोई पढ़ाई होती है।

वहीं, बरेली में तंजीम उलेमा-ए-इस्लाम के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी ने कहा कि विशेष मौके जैसे 26 जनवरी , 15 अगस्त पर राष्ट्रगान होता है। मगर यह हर रोज लागू नहीं किया जाना चाहिए। फिर भी हमे कोई एतराज नहीं है। हम पढ़ेंगे। हुकूमत को लगता है कि देश से मोहब्बत का इजहार इसी तरह से किया जाता है तो हमें एतराज नहीं है।

बोर्ड मीटिंग में लिया गया था ये फैसला

मदरसों में राष्ट्रगान का फैसला यूपी मदरसा शिक्षा परिषद की बैठक में 24 मार्च को लिया गया था। इसे गुरुवार को रजिस्ट्रार निरीक्षक एसएन पांडेय ने जारी किया है। उन्होंने बताया कि सत्र 2022-23 के स्कूल खुलने पर ही राष्ट्रगान कराने का फैसला किया गया था। मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं शुरू होने पर यह फैसला लागू कर दिया जाएगा।

14 से 23 मई तक होंगी मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं

यूपी मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं 14 से 23 मई के बीच होंगी। लखनऊ के जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी जगमोहन की ओर से सभी मदरसों को परीक्षा कार्यक्रम भेजा गया है। इसमें परीक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि अरबी, फारसी की 2022 की परीक्षा 14 मई से शुरू होगी।

पहली पाली सुबह 8 से 11 बजे तक और सीनियर सेकेंडरी की परीक्षा दोपहर 2 से शाम 5 बजे के बीच होगी। सभी मदरसों से कहा गया है कि अपने यहां पढ़ने वाले छात्रों को समय सारणी के बारे में जानकारी दें।

एनएचआरसी ने केन्द्र, दिल्ली सरकार को जारी किया नोटिस

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में चार लैंडफिल साइटों के पास भूजल प्रदूषण की रिपोर्ट पर केंद्र और दिल्ली सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी। आयोग ने भलस्वा और गाजीपुर सहित लैंडफिल साइटों के पास भूजल प्रदूषण के संबंध में एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए अधिकार निकाय ने सचिव, केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय, मुख्य सचिव और अध्यक्ष केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोटिस जारी कर छह सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने एक बयान में कहा कि रिपोर्ट में समस्या से निपटने के लिए उठाए जा रहे या प्रस्तावित कदम की जानकारी दी जानी चाहिए। आयोग ने पाया कि भूजल प्रदूषण स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए एक बड़ा खतरा है। आयोग ने हाल ही में एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने 2021 में प्रत्येक लैंडफिल साइट के पास कई साइटों से नमूने एकत्र किए थे, जो वांछनीय सीमा से बहुत अधिक दूषित पाए गए थे।

दिल्ली सरकार हरित क्षेत्र के संरक्षण के लिए लगवायेगी 10 लाख पौधे

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार हरित क्षेत्र को बढ़ाने और हवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए राजधानी में 10 लाख पौधे लगाएगी।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली का हरित क्षेत्र बढ़ाने के केजरीवाल सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए गुरुवार को कहा, सरकार दिल्ली के निवासियों को स्वच्छ हवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हम दिल्ली के ग्रीन कवर को लगातार बढ़ा रहे हैं। इसे जारी रखते हुए केजरीवाल सरकार अगले मानसून से पहले 10 लाख पौधे लगाएगी। पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली का ग्रीन कवर बढ़ा है और 10 लाख पौधे लगाने के बाद यह हरित क्षेत्र दिल्ली के लिए नए 'ग्रीन लंग्स' की तरह काम करेगा। उन्होंने कहा , यह एक निवेश की तरह है जो हमारे नागरिकों को बेहतर वातावरण के साथ बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करेगा। इस परियोजना के एक हिस्से के रूप में दक्षिणी रिज क्षेत्र के असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य, डेरा, मंडी, घिटोरनी, मैदानगढ़ी, रंगपुरी, तुगलकाबाद, पुल पहलादपुर और रजोकरी में स्थित वन क्षेत्र का बड़ा हिस्सा कम सघन है।

कोविड-19

पिछले 24 घंटे में 2908 लोग कोरोना से रिकवर हुए

देश में 24 घंटे में 2897 नए मामले, दिल्ली में सबसे ज्यादा केस

नई दिल्ली। देश में थोड़ी सी राहत के बाद बुधवार को डेली कोरोना मामलों में 26 प्रतिशत और कोरोना से होने वाली मौत में 44 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। बुधवार को कोरोना के 2897 नए केस, जबकि 54 मौतें दर्ज की गई हैं। सोमवार को 2288 केस आए थे और 10 मौत हुई थी। रविवार को 2893 नए केस मिले थे, जबकि शनिवार को 3765 नए मामले मिले थे।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, डेली पॉजिटिविटी रेट 0.61 प्रतिशत और वीकली पॉजिटिविटी रेट 0.74 प्रतिशत हो गया है। पिछले 24 घंटे में 2908 लोग कोरोना से रिकवर हुए है,

जिसके बाद ठीक होने वालों की संख्या 4 करोड़ 55 लाख के पास पहुंच गई है, जबकि मरने वालों की संख्या 5 लाख 24 हजार के पास पहुंच गई है।

कोरोना से मरने वालों की कुल संख्या 54 है, जिसमें से 48 सिर्फ केरल में दर्ज की गई है, जबकि दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में एक-एक मौत दर्ज की गई है। इसके बाद कोरोना से कुल मौत के आंकड़े महाराष्ट्र में 1,47,849, केरल में 69,325, दिल्ली में 26,183, उत्तर प्रदेश में 23,511 हो गए हैं।

दिल्ली में मामले सबसे ज्यादा

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में बुधवार को 970 नए केस और एक मौत दर्ज दी गई, जबकि पॉजिटिविटी रेट घटकर 3.34त्न रह गया है। दिल्ली में एक दिन में कोरोना के 29,037 टेस्ट किए गए थे।

मध्यप्रदेश और राजस्थान कोरोना अपडेट

मध्यप्रदेश में बुधवार को कोरोना के 45 नए केस सामने आए हैं, जिसके बाद कुल केस 10 लाख 42 हजार के करीब पहुंच गए हैं।

राज्य में कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई है, जिसकी वजह से कोरोना से मरने वालों की संख्या 10,735 पर ही बनी हुई है। पॉजिटिविटी रेट प्रति 100 टेस्ट के हिसाब से 0.5 प्रतिशत है। राज्य में कोरोना के 7,763 टेस्ट किए गए।

वहीं राजस्थान में 71 नए मामले मिले हैं, जबकि एक भी मौत नहीं हुई है।

राजस्थान में कोरोना एक्टिव केस 625 हैं और कुल मामले 12 लाख 85 हजार के करीब पहुंच गए हैं। राज्य में बुधवार को 6777 टेस्ट किए गए।

शार्ट न्यूज

सुखराम का राजकीय सम्मान के साथ किया अंतिम संस्कार

मंडी। पूर्व केंद्रीय दूरसंचार मंत्री पंडित सुखराम का गुरुवार को यहां हनुमान घाट स्थित श्मशान घाट में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। श्री सुखराम का कल दिल्ली के एम्स में निधन हुआ था। अंतिम संस्कार से पूर्व अंतिम दर्शन के लिए उनका पार्थिव शरीर सेरी मंच पर रखा गया था। इससे पूर्व उनके आवास पर लोग जमा हुए। श्री सुखराम के पुत्र एवं भाजपा विधायक अनिल शर्मा ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर समेत मंत्रियों, विधायकों, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुरेश कश्यप, अधिकारियों की उपस्थिति रही।

संगरूर में युवक की गोली मारकर हत्या की

संगरूर। पंजाब के संगरूर शहर में बुधवार रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि घुमियार बस्ती के निवासी कमलदीप (22) को उनके घर के बाहर चार अज्ञात हमलावरों ने सिर में गोली मारी थी। हमले का कारण पता नहीं चला पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष राजा वड़िंग ने घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि बहुत दुखद हालात हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि राज्य में लोग अपने घरों में भी सुरक्षित नहीं हैं, वह भी मुख्यमंत्री के गृह जिले में।

नशीले पदार्थ के खिलाफ जंग छेड़ने का मान का एलान

चंडीगढ़। पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ जंग छेड़ने की मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को घोषणा की। मान ने उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों की बैठक बुलाई और पुलिस को निर्देश दिया कि नशीले पदार्थों के तस्करों को किसी कीमत पर बख्शा न जाए। मान ने ट्वीट कर घोषणा करते हुए कहा, हमने नशे के खिलाफ जंग छेड़ दी है... अब हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक नशे के कारोबार पर पूर्ण विराम नहीं लग जाएगा। उन्होंने इसी के साथ कहा कि नशे के शिकार युवाओं के पुनर्वास की भी बड़े पैमाने पर योजना बनाई जा रही है।

अंबाला के गुरद्वारे में बेअदबी की कोशिश

अंबाला। हरियाणा के अंबाला में बुधवार को डिफेंस कालोनी गुरद्वारे में एक युवक को कथित रूप से बेअदबी के आरोप में हिरासत में लिया गया है। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने प्रकरण में कोई मामला दर्ज नहीं किया है। सूत्रों ने बताया कि युवक ने सुबह ग्यारह बजे गुरद्वारे में प्रवेश किया। सुखमणि साहब पढ़ रही कुछ महिला श्रद्धालुओं ने महसूस किया कि युवक बेअदबी कर रहा था तो उसे पकड़ा और एसजीपीसी सदस्य हरपाल सिंह पाली को सूचित किया गया जिन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस थाना प्रभारी अजित सिंह के नेतृत्व में आई टीम युवक को पूछताछ के लिए थाने ले गई।

हरियाणा में आंतकवाद विरोधी दस्ते का गठन होगा

चंडीगढ़। हरियाणा के करनाल से चार संदिग्ध आतंकवादियों के पकड़े जाने एवं पड़ोसी पंजाब के मोहाली में खुफिया मुख्यालय पर रॉकेट से हमले की घटनाओं के मद्देनजर हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने बुधवार को घोषणा की कि प्रदेश में सुरक्षा की दृष्टि से आंतकवाद विरोधी दस्ते का गठन किया जाएगा। गृह विभाग एवं पुलिस के अधिकारियों की एक बैठक में उन्होंने यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि दस्ते में पुलिस उप महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक रैंक के अधिकारियों की नियुक्ति होगी जो इस दस्ते का संचालन करेंगे। बैठक में गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव अरोड़ा एवं पुलिस महानिदेशक पी के अग्रवाल भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाओं के मद्देनजर सुरक्षा को लेकर चौकसी बढ़ाने की आवश्यकता है। श्री विज ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि सोशल मीडिया पर भी देशविरोधी वीडियो संदेशों के मूल तक पहुंचकर इस प्रकार के नेटवर्क को तोड़ने का काम करना होगा। उन्होंने चुनिंदा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नाइटविजन सीसीटीवी कैमरे लगाने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा, पूरे हरियाणा के सरकारी कार्यालयों और भवनों की सुरक्षा ऑडिट करने तथा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए भी सीसीटीवी कैमरों को दुरस्त करने एवं लगाने का कार्य जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाए।

सुरक्षा हटाने का प्रचार कर जान खतरे में डाल रही सरकार : चीमा

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) नेता डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने पंजाब सरकार पर राजनीतिज्ञों, पूर्व पुलिस अधिकारियों और उनके परिजनों की सुरक्षा हटाने का प्रचार करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसा कर सरकार उनकी जान खतरे में डाल रही है। चीमा ने ट्वीट किया है कि पंजाब में पहले तो राजनीतिज्ञों, पूर्व पुलिस अधिकारियों और उनके परिजनों आदि की सुरक्षा हटाई जाती है, फिर श्रेय लेने के लिए यह जानकारी टीवी, अखबारों व सोशल मीडिया में प्रसारित की जाती है यह महसूस किये बिना कि जानकारी उन लोगों के दुश्मनों तक भी पहुंचेगी और उनकी जान खतरे में पड़ सकती है। शिअद नेता ने राज्य मुख्यमंत्री कार्यालय से यह कार्रवाई रोकने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने कल शिअद सांसद हरसिमरत कौर बादल, पूर्व उप-मुख्यमंत्री ओपी सोनी, पूर्व सांसद सुनील जाखड़, पूर्व कैबिनेट मंत्री विजय इंदर सिंगला, पूर्व विधायक परमिंदर सिंह पिंकी, पूर्व विधायक राजिंदर कौर भट्ठल, पूर्व विधायक नवतेज सिंह चीमा और पूर्व विधायक केवल सिंह ढिल्लों आदि की सुरक्षा में कटौती की घोषणा की थी। सोनी, सिंगला, बादल, जाखड़ और पिंकी को जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई थी और शेष को वाई प्लस श्रेणी की। सुरक्षा कटौती से राज्य सरकार ने 127 पुलिसकर्मियों और नौ वाहनों को हटाया है।

बिहार में डेंगू की रोकथाम के लिए चलाया जाएगा जागरूकता अभियान : मंगल

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने आज कहा कि स्वास्थ्य विभाग डेंगू की रोकथाम के लिए कार्यक्रम को एक अभियान के तहत चलाएगा और 16 मई को आयोजित राष्ट्रीय डेंगू दिवस के दिन इस बीमारी के प्रति जनसमुदाय को जागरूक किया जाएगा। पांडेय ने गुरुवार को यहां कहा कि 16 मई से डेंगू की रोकथाम की गतिविधियों को पूरे राज्य में तीव्र कर दिया जाएगा। यह अभियान डेंगू बीमारी के प्रजनन के समय तक जारी रहेगा। इस वर्ष का राष्ट्रीय डेंगू दिवस का विषय है 'डेंगू से बचाव संभव है, आइये हाथ मिलाएं'। उन्होंने का कि एडिस मच्छर के फैलाव और प्रजनन को रोकने के लिए इकट्ठा पानी को ढंककर रखना चाहिए। इसके अलावा मच्छर के काटने से बचने के लिए स्वयं लोगों को बचाव करना चाहिए। साथ ही जनसमुदाय को भी इससे बचाव के लिए सुझाव दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि डेंगू की रोकथाम के लिए विभिन्न आयोजन के लिए बैठक की जाएगी। साथ ही आमजनों को सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न प्रचार माध्यमों से लोगों को जागरूक किया जायेगा। इसके लिए राज्य के सभी जिलों में छोटी-छोटी बैठकें की जाएंगी। इसका उद्देश्य रहेगा शिक्षा, पंचायती राज, ग्रामीण विकास, शहरी विकास, नगर निगम एवं जनप्रतिनिधियों को डेंगू के बारे संवेदीकरण किया जाएगा।

समस्तीपुर के स्कूल में चली गोली, शिक्षक घायल

समस्तीपुर। बिहार में समस्तीपुर जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के धर्मपुर स्थित हाई स्कूल परिसर में गुरूवार को दिन-दहाड़े असमाजिक तत्वों की ओर से चली गोली में शिक्षक बिरजू राम गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि आपसी विवाद को लेकर स्कूल परिसर में दो गुटों ने एक दूसरे पर गोलीबारी की। इस दौरान मौके पर मौजूद शिक्षक बिरजू राम को गोली लग गई जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गए। घायल शिक्षक को समस्तीपुर के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। इधर, बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ मूल्यांकन परिषद् के प्रदेशध्यक्ष शाहजफर इमाम ने इस घटना की तीव्र निंदा करते हुए घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

बच्चे पैदा करो नहीं तो पांच करोड़ दो, बेटे-बहू के खिलाफ कोर्ट पहुंच गए मां-बाप

हरिद्वार। हरिद्वार में एक अजीब मामला सामने आया है। यहां एक बुजुर्ग दंपती ने अपने बेटे और बहू से कह दिया है कि या तो एक साल के अंदर उन्हें पोता या पोती दें या फिर उनकी परवरिश में खर्च हुए पांच करोड़ रुपये वापस करें। यह मांग लेकर दोनों हरिद्वार जिला अदालत पहुंच गए। उनका कहना है कि उनके बेटे और बहू ने बच्चा पैदा करने से इनकार कर दिया है और इस वजह से वे मानसिक यातना झेल रहे हैं।

दंपती के वकील एके श्रीवास्तव ने बताया कि उन्होने जिला अदालत में याचिका दी है और बेटे-बहू से पांच करोड़ रुपये का मुआवजा मांगा है। इसमें महिला ने कहा कि उन्होंने बेटे की पढ़ाई और एक सफल इंसान बनाने में बहुत धन खर्च किया। इसके बाद 2016 में बेटे की शादी की और खूब पैसा खर्च किया। उन्होंने अपने खर्च पर बेटे और बहू को हनीमून के लिए थाइलैंड भेजा था।

उनका कहना है कि शादी के बाद बहू ने बेटे पर हैदराबाद शिफ्ट होने का दबाव बनाया। इसके बाद से उनकी बात भी बमुशकिल होती है। उनका यह भी आरोप है कि बेटे की ससुराल वाले पूरी तरह नियंत्रण रखते हैं और बेटे की सैलरी भी ले लेते हैं। उन्होंने याचिका में कहा है कि अदालत उन्हें एक साल के अंदर बच्चा पैदा करने को कहे या फिर पांच करोड़ रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दे। पिता का कहना है कि उन्होंने अपना पूरा पैसा बेटे को पायलट बनाने में खर्च किया। अमेरिका में उसकी ट्रेनिंग का इंतजाम किया। अब वह आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। उनका कहना है कि शादी के 6 साल बाद भी बेटे-बहू बच्चा पैदा नहीं कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें अकेलेपन और मानसिक यंत्रणा से गुजरना पड़ रहा है।

स्टेज पर चढ़ी लड़की तो भड़क गए मुस्लिम नेता, गवर्नर ने लताड़ा

तिरुवनंतपुरम। केरल के मलप्पुरम में एक मदरसा भवन के उद्घाटन के दौरान मुस्लिम नेता बुरी तरह भड़क गए। वह आयोजक को बुरा-भला कहने लगे और धमकाने लगे। दरअसल यहां प्राइज देने के लिए एक 10वीं की स्टूडेंट को स्टेज पर बुला लिया गया था। यह देखते ही मुस्लिम नेता बुरी तरह भड़क गए। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

यहां रामपुरम जिले में एक मदरसा भवन का उद्घाटन हो रहा था। उद्घाटन में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नेता पनक्कड़ सैयद अब्बास अली शिहाब मुख्य अतिथि बनकर पहुंचे थे। जब पुरस्कार वितरण होने लगा तो एक दसवीं की छात्रा का नाम पुकारा गया। उसे पुरस्कार दिया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि महोदय नाराज हो गए और आयोजकों को फटकारने लग गए। घटना को लेकर केरल के गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि क्या हमारी बेटियों के बारे में अब धार्मिक नेता फैसला लेंगे जो कि महिलाओं के प्रति भेदभाव की भावना रखते हैं। अगर बेटियों के साथ अत्याचार होता है और हम शांत रहते हैं तो यह एक अभिषाप की तरह है। उन्होंने कहा कि अगर केरल की सरकार इस बारे में बोलती तो हमें कुछ कहने की जरूरत न पड़ती। लेकिन यहां कोई नहीं बोल रहा है।

मुस्लिम नेता ने आयोजक को डांटते हुए कहा था, यहां लड़की को किसने बुला लिया? अगली बार जब आप किसी लड़की को बुलाएं तो मैं आपको बताऊंगा कि मैं कौन हूं।

राजस्थान में अब तक 1.22 करोड़ ई-श्रमिक कार्ड का लक्ष्य प्राप्त

जयपुर। राजस्थान में अब तक 1.22 करोड़ के ई- श्रमिक कार्ड पंजीकरण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा चुका है। ई-श्रमिक कार्ड पंजीयन योजना की राज्य स्तरीय मॉनीटरिंग समिति की समीक्षा बैठक में श्रम विभाग के सचिव भानु प्रकाश ने आज यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ई-श्रमिक कार्ड का पंजीयन राज्य के सभी नागरिक सेवा केन्द्रों पर निशुल्क किया जाता है।

बैठक में मुख्य सचिव ऊषा शर्मा ने कहा कि आगामी तीन महिनों में राज्य में ई-श्रमिक कार्ड पंजीकरण में एक करोड़ 80 लाख का लक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ई-श्रमिक कार्ड का पंजीयन बढ़ाने के लिए प्रत्येक विभाग श्रम विभाग के साथ बेहतर समन्वय एवं सहयोग स्थापित कर कार्य करें जिससे असंगठित कामगारों के लिए डेटा तैयार हो सकें और वे राज्य सरकार द्वारा श्रमिकों के हितों के लिए बनाई गई लोक कल्याणकारी योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

शर्मा ने कहा कि प्रशासन गांवों के संग अभियान में ई-श्रमिक कार्ड पंजीयन कार्य को भी लिया जाए जिससे इस योजना का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार हो। उन्होंने श्रम अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सभी कर्मचारी संगठनों के साथ इस सम्बंध में बैठक करें और संगठन जिन-जिन स्थानों पर ई-श्रमिक कार्ड बनवाने के लिए विशेष शिविर लगवाना चाहते है।

सरकारी योजनाओं में 100 फीसदी लक्ष्य हासिल, समझो तुष्टिकरण की राजनीति खत्म : मोदी

भरूच। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि किसी भी सरकारी योजना में जब शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया जाता है तो इससे तुष्टीकरण की राजनीति समाप्त होती है। प्रधानमंत्री आयोजित उत्कर्ष समारोह को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

यह आयोजन भरूच जिले में राज्य सरकार की चार प्रमुख सरकारी योजनाओं के शत प्रतिशत लक्ष्य पूरा होने के अवसर पर किया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार के पिछले आठ वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं और उनकी सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि कोई भी हकदार सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित ना रह जाए।

उन्होंने कहा, जब हम किसी भी योजना में शत प्रतिशत लक्ष्य को हासिल करते हैं, तो इसका मतलब होता है शासन-प्रशासन संवेदनशील है...जब सेचुरेशन होता है तो भेदभाव की सारी गुंजाइश खत्म हो जाती है। किसी की सिफारिश की जरूरत नहीं होती... जब शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल होता है तो तुष्टीकरण की राजनीति समाप्त हो जाती है, उसके लिए कोई जगह ही नहीं बचती।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जानकारी के अभाव में अक्सर बहुत से लोग योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा, कभी कभी तो योजनाएं कागज पर ही रह जाती हैं। कभी-कभी इन योजनाओं का फायदा बेईमान लोग उठा ले जाते हैं।

उन्होंने कहा कि 2014 में जब उन्हें देश की सेवा का मौका दिया गया था तो देश की करीब-करीब आधी आबादी शौचालय की सुविधा से, टीकाकरण की सुविधा से, बिजली कनेक्शन की सुविधा से, बैंक खाते की सुविधा से वंचित थी। उन्होंने कहा, सभी के प्रयासों से अनेक योजनाओं को हम शत प्रतिशत लक्ष्य के करीब ला पाए हैं।

लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों का भरोसा मजबूत करें : बिरला

ईटानगर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने निर्णय लेने की प्रक्रिया में लोगों की सहभागिता बढाये जाने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं को और संवेदनशील बनाये जाने की जरूरत पर बल देते हुए गुरुवार को कहा कि ऐसा करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों का भरोसा मजबूत होगा।

यहां अरुणाचल प्रदेश विधानसभा में दोरजी खांडू सभागार में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ(सीपीए) के भारतीय क्षेत्रीय ज़ोन की तीसरी बैठक को सम्बोधित करते हुए श्री बिरला ने कहा आज हमारे लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि किस तरह से पूरी क्षमता के साथ सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और विधिक माहौल तैयार किया जाए कि समाज का हर हिस्सा शासन प्रक्रिया में भागीदारी कर पाये। लोग संसद, विधानसभा और पंचायतों का हिस्सा बनें। हमारा ध्यान मुख्य रूप से निर्णय लेने की प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी बढ़ाने पर साथ ही इन संस्थाओं को लोगों की परेशानियों के प्रति और संवेदनशील बनाने पर होना चाहिए ताकि लोगों का लोकतांत्रिक संस्थाओं में भररोसा और मजबूत हो सके।

देश के पूर्वोत्तर हिस्से की बात करते हुए श्री बिरला ने कहा कि इस क्षेत्र की अलग तरह की राजनीतिक और भौगोलिक स्थिति के कारण इसकी विकास यात्रा भी बहुत चुनौतीपूर्ण रही। इतना विकास होने के बावजूद अब भी अधसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, संपर्क और कई अन्य कारणों से बहुत कुछ होना बाकी है। हमें इन सभी क्षेत्रों का भी पर्याप्त विकास करना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र द्वारा इस क्षेत्र के विकास के लिए दिये जा रहे मुख्य ध्यान को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा हमें यह सोचना होगा कि इस क्षेत्र में विकासीय योजनाओं लोगों की भागीदारी और सहयोग को कैसे बढ़ाया जाए कि यहां की नृजातीय विरासत, पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों को बनाये रखते हुए स्थानीय लोगों को रोजगार कैसे मिले और किस तरह से इस क्षेत्र की समृद्धि सुनिश्चित की जाए।

ओम बिरला ने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर का इलाका लंबे समय तक अतिवाद और आतंकवाद से प्रभावित रहा लेकिन आज लोग जान गये हैं कि अतिवादिता किसी समस्या का समाधान नहीं है।

उत्तर पूर्वी क्षेत्र में बदलाव आ रहा है। प्रधानमंत्री का मानना है कि उत्तर पूर्व का क्षेत्र भारत के विकास का इंजन है और इसी कारण इस क्षेत्र की अधसंरचना विकास के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले केंद्र सरकार ने किये हैं और बड़ी तेजी के साथ उन्हें लागू भी किया गया है।

उत्तर पूर्व देश का एकमात्र ऐसा क्षेत्र है कि जिसके समेकित विकास के लिए केंद्र सरकार ने एक अलग से मंत्रालय का गठन किया है। सरकार की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत केंद्र सरकार इस क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए लगातार प्रयास कर रही है। केंद्रीय मंत्रालयों को अपने बजट का 10 प्रतिशत उत्तर पूर्व क्षेत्र में खर्च करने के निर्देश दिये गये है। इस तरह के फैसलों के नतीजें अब दिखाना शुरू हो गये हैं। उन्होंने कहा इस क्षेत्र और यहां के लोगों की समृद्धि के लिए सरकार जो जो उपाय कर रही है उनसे इस क्षेत्र के लोगों के लिए समृद्धि का एक नया दौर शुरू होगा। इस बात को लेकर मुझे जरा भी अंदेशा नहीं है कि उत्तर पूर्व एक सुनहरे भविष्य की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि इस बैठक के जरिए न केवल उत्तर पूर्व बल्कि पूरे देश में यह संदेश जायेगा कि हम अपनी लोकतांत्रकि संस्थाओं को किस तरह से जनकल्याण के लिए अधिक से अधिक रूप से इस्तेमाल कर सकते हैं।

हनुमानगढ़ के नोहर में विहिप नेता पर हमले के बाद तनाव

हनुमानगढ़। राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के नोहर कस्बे में विश्व हिन्दु परिषद (विहिप) के मंडल प्रभारी सतवीर सहारण पर हमले के बाद क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया और क्षेत्र में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई।

नोहर में एक मंदिर के सामने एक खाली प्लाट में कुछ युवकों के अक्सर बैठे रहने एवं छेड़छाड़ करने की बात को लेकर जब श्री सहारण बुधवार रात करीब दस बजे उनसे बात करने पहुंचे तो युवकों से कहासुनी हो गई और उन पर हमला कर दिया गया जिसमें श्री सहारण गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें हनुमानगढ़ के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्हें बीकानेर भेज दिया गया। घटना के बाद विहिप के कार्यकर्ताओं ने नोहर रावतसर मार्ग पर रास्ता जाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझाया कि हमला करने के आरोप में कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया है। लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद पुलिस ने रास्ता खुलवाने के लिए भीड़ को हटाया और इस दौरान करीब दो दर्जन लोगों को हिरासत में भी लिया गया। तनाव के मद्देनजर क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और सुबह पुलिस ने फ्लैगमार्च भी किया। तनाव के बाद भादरा, नोहर और रावतसर में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई। पुलिस अधीक्षक अजय सिंह राठौड़ ने मीडिया को बताया कि माहौल खराब करने वाले किसी को भी नहीं बख्शा जायेगा और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने बताया कि 200-250 लाठियों से पिकअप गाड़ी भरकर लाना इस बात के संकेत है कि यह सब कुछ पूर्व नियोजित था। समझाइश के बाद भी धरना नहीं हटाना और सम्प्रदाय विशेष के खिलाफ सांप्रदायिक तरीके से भड़काना और भाषण करना, यह प्रमाण है कि वे सुनियोजित कार्यक्रम कर रहे थे।

धर्मांतरण के खिलाफ अध्यादेश लाएगी कर्नाटक सरकार : बोम्मई

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार धर्मांतरण के खिलाफ अध्यादेश लाएगी।

बोम्मई ने यहां संवाददाताओं से कहा, विधानसभा का सत्रावसान हो चुका है। हम अध्यादेश के जरिए धर्मांतरण के खिलाफ कानून लाने जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि बेलगावी सत्र के दौरान विधानसभा में पारित हुए विधेयक में जबरन धर्मांतरण के लिए सजा और जुर्माना का प्रावधान है। इस विधेयक में धर्मांतरण करवाने वाले और इसकी चाहत रखे वाले को दो माह पहले उपायुक्त के समक्ष आवेदन दाखिल करने प्रावधान है। इसमें यह भी कहा गया है कि जो लोग धर्मांतरण कर रहे हैं उन्हें अपने मूल धर्म और इससे जुड़ी सुविधाओं या लाभों से हाथ धोना होगा।

इस विधेयक में शादी और प्रलोभन के जरिए धर्मांतरण पर रोक लगाने का प्रस्ताव है। उन्होंने बताया कि जो लोग जबरन धर्मांतरण करवाने में लिप्त पाए जाएंगे, उनके लिए विधेयक में तीन साल से लेकर पांच कैद की सजा तथा 25,000 रुपये जुर्माना का प्रस्ताव किया गया है।

बोम्मई ने बताया कि विधेयक में नाबालिग, महिला या अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों को धर्मांतरण करवाने वालों के लिए तीन से 10 साल की कैद के साथ 50 हजार रुपये जुर्माना का प्रस्ताव है। बड़े पैमाने पर धर्मांतरण पर रोक लगाने और इसके लिए तीन साल से 10 साल कैद की सजा और एक लाख रुपये जुर्माना का प्रस्ताव है।

उन्होंने बताया कि यह विधेयक गत दिसंबर में विधानसभा में पारित हुआ था, लेकिन अभी तक विधान परिषद में यह पारित नहीं हुआ है। विधानसभा परिषद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बहुमत से एक सीट कम है, जिसके कारण इसे पारित करवाने में मुश्किलें हो रही हैं।

होसदुर्गा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक गूलीहट्टी शेखर की ओर से इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद सरकार यह विधेयक विधानसभा में लेकर आई थी। विधायक ने कहा था कि उनकी मां प्रलोभन में आ गई तथा धर्मांतरण करके ईसाई बन गई।

उन्होंने कहा कि उनकी मां को कुमकुम नहीं लगाने को कहा गया है और उन्होंने मोबाइल फोन का रिंग टोन बदलकर ईसाई प्रार्थना वाला कर लिया है।

नगरीय निकायों के चुनाव ईव्हीएम और पंचायतों के मतपत्र से होंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों के चुनाव में ईव्हीएम और त्रि-स्तरीय पंचायतों के चुनाव में मतपत्र और मतपेटियों का उपयोग किया जाएगा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने यह बात कलेक्टर्स के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पंचायतों का चुनाव भी ईव्हीएम से करवाने पर 3 माह से अधिक समय लगेगा, क्योंकि ईव्हीएम की संख्या सीमित है। इसलिए मतपेटियों के माध्यम से पंचायतों का चुनाव कराने का निर्णय लिया गया है। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री सिंह ने कहा कि नगरीय निकायों के चुनाव 2 चरणों में और पंचायतों के चुनाव 3 चरणों में करवाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों चुनाव साथ में कराना है, इसलिए ऐसी तैयारी करें कि किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं हो।

आंध्र में चक्रवात 'आसनी' के कारण तीन लोगों की मौत, हजारों एकड़ में खड़ी फसल क्षतिग्रस्त

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के तटीय जिलों में चक्रवात 'आसनी' के कारण तीन लोगों की मौत हो गयी और हजारों एकड़ में खड़ी बागवानी फसलों और धान की फसल को नुकसान पहुंचा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पिछले 48 घंटों के दौरान राज्य के विभिन्न स्थानों पर वर्षाजनित घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि अनाकापल्ली जिले के एस रायवरम मंडल में मंडल परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र (एमपीटीसी) के सदस्य तुम्माला कसुलु (40) के दोपहिया वाहन पर ताड़ का पेड़ गिर जाने से उनकी मौत हो गयी। हादसे के समय वह वाहन पर सवार होकर उप्परपल्ली गांव जा रहे थे।

अमलापुरम मंडल के कामनगरुवु गांव में एक मकान ढह जाने से उसके भीतर सो रहे वाकापल्ली श्रीनिवास राव (43) की मौत हो गयी।

नेल्लोर जिले के जलाडंकी मंडल में बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी।

चक्रवात का सबसे अधिक खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ा है। कडप्पा, कुरनूल, प्रकाशम, कृष्णा और वेस्ट गोदावरी जिलों में हजारों एकड़ में खड़ी आम, केला, हल्दी, मक्का और पपीता जैसी फसलें बर्बाद हो गयी हैं। बारिश और आंधी के कारण पूरी तरह तैयार आम पेड़ से गिर गये और पपीते के पेड़ उखड़ गये।

पूर्वी गोदावरी जिले के पी गन्नावरम, मुम्मिडीवरम, कोठापेट, रजोल, अमलापुरम, मंडपेटा और रामचंद्रपुरम मंडलों में खड़ी धान की फसल बारिश के पानी में डूब गयी।

सूत्रों ने बताया कि रबी सीजन के दौरान पूर्वी गोदावरी और पश्चिम गोदावरी में लगभग चार लाख एकड़ में धान की खेती की गयी थी, जिनमें से तीन लाख एकड़ में फसल की कटाई पूरी हो चुकी थी। किसानों ने कटी हुई धान की उपज को खेतों में ही सुखाने के लिए छोड़ दिया था। यह तैयार फसल भी बारिश के कारण तबाह हो गयी।

नेल्लोर जिले में येरा वागु नदी का पानी सड़कों पर आ जाने के कारण कंदुकुर-कोंडामुसुपालेम मार्ग पर वाहनों का यातायात बाधित हो गया।

आंधी और बारिश के कारण बिजली गुल होने से आत्मकुर संभाग के कई गांव अंधेरे में डूबे रहे। प्रकाशम जिले के तांगुतुरु-अलकुरापाडु मार्ग पर पलेरू धारा का पानी सड़क पर आ जाने से यातायात बाधित हो गया। भारी बारिश के कारण कई धाराएं, नहरें और नाले उफान पर हैं।

इस बीच, गुरुवार को उड़ान सेवाएं फिर से शुरू कर दी गयीं।

मौसम विभाग की आज की एक रिपोर्ट के अनुसार, तटीय आंध्र प्रदेश पर बना दबाव का क्षेत्र गुरुवार को 0830 बजे कमजोर पड़कर उसी क्षेत्र में निम्न दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील हो गया।

विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को भेजा जेल

धौलपुर। राजस्थान के धौलपुर में अदालत ने सत्तारुढ़ कांग्रेस विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को बिजली विभाग के दो अभियंताओं के साथ मारपीट के मामले में आज जेल भेज दिया। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति न्यायालय ने श्री मलिंगा की जमानत याचिका खारिज कर दी। इससे पहले सीआईडी सीबी ने उन्हें न्यायालय में पेश किया जहां उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि अब मलिंगा के वकील जमानत के लिए उच्च न्यायालय से गुहार लगायेंगे। मलिंगा ने इस मामले में बुधवार को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद पुलिस धौलपुर लेकर आई। आत्मसमर्पण के बाद उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा हैं। उल्लेखनीय है कि धौलपुर जिले में बिजली विभाग के बाड़ी स्थित कार्यालय में दो अभियंताओं के साथ मारपीट के मामले में श्री मलिंगा एवं अन्य लोगों के खिलाफ गत 29 मार्च को मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मारपीट में गंभीर रुप से घायल सहायक अभियंता हर्षादिपति जयपुर के एसएमएस अस्पताल में भर्ती हैं और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डा सतीश पूनियां सहित अन्य कई नेताओं ने अस्पताल जाकर उनकी कुशलक्षेम पूछी और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी।

शार्ट न्यूज

वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप महाजन ने वकालत पेशे को अपनाया, दिल्ली बार कॉउंसिल एनरोलमेंट कमेटी के सदस्य अजयेन्दर सांगवान ने दी उनको शुभकामनाये

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली । दिल्ली में करीब तीन दशकों से पत्रकारिता कर रहे पत्रकार प्रदीप महाजन ने पत्रकारिता को छोड़कर अब वकालत के पेशे में रजिस्ट्रेशन कराया है। दिल्ली के कई बड़े समाचारपत्रों में प्रदीप महाजन ने सेवा दी है और और अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने बताया कि पत्रकारिता और वकालत का पेशा दोनों समाज के मजबूत स्तंभ है और दोनों न्याय की आवाज बनते है। दिल्ली बार कौंसिल में सबसे ज्यादा मतो से जीतने वाले और कोरोना काल में हमपेशा साथियो के मददगार बने अजयेन्दर सांगवान ने प्रदीप महाजन का वकालत पेशे में आने पर स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाये दी। सांगवान जी ने अपने हाथो से प्रदीप महाजन को दिल्ली बार कॉउंसिल एनरोलमेंट सर्टिफिकेट प्रदान किया इस अवसर पर बीसीडी अधिकारी जगदीश यादव,अरुण राठी,अधिवक्ता सौरभ चौधरी व दर्जनों अधिवक्ता उपस्थित थे।

डीआरआई को मिली बड़ी सफलता, चीन से भेजा गया 32 करोड़ का सोना दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) को तस्करी कर भेजी जा रही सोने की खेप पकड़ने में बड़ी सफलता हाथ लगी। डीआरआई अधिकारियों ने दिल्ली एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स पर एक एयर कार्गो खेप को रोककर 61.5 किलोग्राम सोना बरामद किया है। अधिकारियों ने बताया कि छिपाया गया यह सोना नल के आकार में था, जिसकी कीमत 32.5 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। यह खेप चीन से जापान एयरलाइंस के जरिए भारत भेजी गई थी। डीआरआई अधिकारी ने कहा कि, सोने की खेप जापान एयरलाइंस से आईजीआई हवाईअड्डे पर पहुंची थी। गहन और लंबी जांच के बाद बड़ी संख्या में छिपा हुआ 24 कैरेट सोना बरामद किया गया। जांच के बाद डीआरआई के अधिकारी खेप से 32.5 करोड़ रुपये की कीमत वाले 61.5 किलो सोना बरामद करने में सफल रहे। अधिकारी ने कहा कि बरामद सोना 99 प्रतिशत शुद्ध है। पकड़े गए सोने को जब्त कर लिया गया है।

दिल्ली में तेजी से घट रहे कोरोना मरीज, एक्टिव केस 5 हजार से कम

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले अब तेजी से घट रहे हैं। यहां जांच बढ़ने के बाद संक्रमण दर में भी गिरावट देखी गई। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार गुरुवार को कोरोना के 1,032 नए मामले सामने आए। वहीं 1,306 मरीजों को छुट्टी दी गई, जबकि किसी भी मरीज ने कोरोना के कारण दम नहीं तोड़। दिल्ली में कोरोना की जांच के लिए बुधवार को 28386 टेस्ट हुए जिसमें 3.64 फीसदी मरीज संक्रमित पाए गए। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, दिल्ली में अभी तक 1898173 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 1867061 मरीज ठीक हो गए, वहीं 26184 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.38 फीसदी है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मरीज घटकर 4928 हो गए हैं। इनमें से होम आइसोलेशन में 3743 और अस्पतालों में 153 मरीज भर्ती हैं। इनमें से आईसीयू में 52, ऑक्सीजन सपोर्ट पर 58 और वेंटिलेटर पर 8 मरीज भर्ती हैं। दिल्ली में घटते मामलों के साथ कन्टेनमेट जोन की संख्या घटकर 1875 हो गई है।

वायलेट लाइन पर आई तकनीकी खराबी, दो घंटे प्रभावित हुई मेट्रो सेवा

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की वायलेट लाइन के एक खंड पर गुरुवार को सिग्नल में कुछ तकनीकी खराबी के कारण दो घंटे तक सेवाएं प्रभावित रहीं। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सिग्नल प्रणाली में कुछ तकनीकी खराबी के कारण सेवाओं में देरी हुई और प्रभावित हिस्से में सीमित अवधि के लिए ट्रेनें चलाई गईं। डीएमआरसी ने सुबह करीब 10 बजे ट्वीट किया कि कश्मीरी गेट और राजा नाहर सिंह (बल्लभगढ़) के बीच वायलेट लाइन पर सेवाओं में देरी। अन्य सभी लाइनों पर सेवाएं सामान्य। डीएमआरसी ने दोबारा लगभग 11ः50 बजे ट्वीट किया कि मेट्रो लाइन पर सेवाएं सामान्य रूप से शुरू हो गई हैं। बता दें कि वायलेट लाइन दिल्ली में कश्मीरी गेट को हरियाणा के राजा नगर सिंह (बल्लभगढ़) से जोड़ती है।

ईडी का फर्जी समन भेजकर की करोड़ों की डिमांड, पुलिस ने किया गिरफ्तार

गुरुग्राम। पूर्व डिप्टी मेयर और भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता को ईडी का फर्जी समन भेजकर करोड़ों रुपयें की डिमांड करने वाले नटवर लाल को पुलिस ने दो लाख रुपये के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ न्यू कॉलोनी थाना पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पूर्व डिप्टी मेयर और भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता यशपाल बत्रा को कुछ दिन पहले ईडी के उप-निदेशक ए के सिंह के नाम से फर्जी समन भेजकर 16 मई को कार्यालय में पहुंचने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद जालसाजों ने फोन कर करोड़ों रुपये की डिमांड कर डाली। फर्जीवाड़े का पता चलने पर यशपाल बत्रा ने बातचीत की और न्यू कॉलोनी थाना पुलिस को शिकायत दी। जिस पर पुलिस ने आरोपियों को दो लाख रुपये लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि आरोपी नए मकान बनाने वाले लोगों को भी मकान तुड़वाने की धमकी देकर अवैध वसूली भी करते थे। आरोपी पूर्व मेयर से पहले भी दस लाख रुपये की रकम लेने की बात सामने आई है। पुलिस प्रवक्ता सुभाष बोकन ने बताया कि न्यू कॉलोनी थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

जहांगीरपुरी हिंसा मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार, उत्तरी दिल्ली में भी दंगे करने की थी साजिश

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी हिंसा मामले में दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम अब्दुल उर्फ राजा (25), जहांगीर पुरी से गिरफ्तार किया गया। आरोपी पर हिंसा वाले दिन भीड़ में शामिल होकर हिंसा करना और उकसाने का आरोप है। मालूम हो कि अभी तक तीन नाबालिग समेत 37 लोग पकड़े जा चुके हैं। अब्दुल की पहचान सीसीटीवी फुटेज से हुई है और आरोपी अपने घर से फरार था। आरोपी अब्दुल ने जहांगीरपुरी दंगों में सक्रिय भूमिका निभाई थी। बताया जा रहा है कि जहांगीरपुरी हिंसा में अब ज्यादातर आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। अपराध शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अंसार के साथ जहांगीरपुरी हिंसा के मुख्य आरोपी तबरेज आलम से जुड़ा था।

गुरुग्राम ढाई हजार लोगों ने बूस्टर डोज लगवाई

गुरुग्राम। जिले में गुरुवार को सरकारी और निजी को मिलाकर 120 केंद्रों पर लोगों को कोरोनारोधी टीके लगाए गए। इन केंद्रों पर कुल 4797 लोगों ने टीका लगवाया, जिनमें से 698 लोगों को पहली व 1576 लोगों को दूसरी डोज लगी। वहीं, 2523 लोगों ने सरकारी और निजी केंद्रों पर पहुंचकर बूस्टर डोज लगवाई। इनमें 165 स्वास्थ्यकर्मी, 76 फ्रंटलाइन वर्कर, 18 से 59 वर्ष आयु के 1743 लोग और 60 वर्ष से ऊपर आयु के 539 बुजुर्ग शामिल रहे। टीका लगवाने वालों में 12 से 14 वर्ष आयुवर्ग के 1226 बच्चे भी शामिल रहे। इनमें से 489 बच्चों ने पहली व 737 बच्चों ने दूसरी डोज लगवाई। इसी तरह 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 237 किशोरों का टीकाकरण हुआ। जिनमें से 60 किशोरों को पहली डोज और 177 किशोरों को दूसरी डोज लगी।

दिल्ली के हरित क्षेत्र के संरक्षण के लिए केजरीवाल सरकार लगवायेगी 10 लाख पौधे, ईएफसी बैठक में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रू 140.74 करोड़ की परियोजना को दी मंजूरी

दिल्ली के हरित क्षेत्र का संरक्षण एक तरह का निवेश जो हमारे नागरिकों को बेहतर वातावरण देने के साथ उन्हें बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करेगा

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार दिल्ली के ग्रीन कवर को बढ़ाने और हवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए दिल्ली में 10 लाख पौधे लगाएगी।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने हाल ही में हुए व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की बैठक में 140.74 करोड़ रुपये लागत के इस परियोजना को मंजूरी दी। दिल्ली का ग्रीन कवर बढ़ाने के केजरीवाल सरकार के प्रयासों की बात करते हुए, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केजरीवाल सरकार दिल्ली के निवासियों को स्वच्छ हवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हम दिल्ली के ग्रीन कवर को लगातार बढ़ा रहे हैं। इसे जारी रखते हुए केजरीवाल सरकार अगले मानसून से पहले 10 लाख पौधे लगाएगी।

पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली का ग्रीन कवर बढ़ा है और 10 लाख पौधे लगाने के बाद यह हरित क्षेत्र दिल्ली के लिए नए 'ग्रीन लंग्स' की तरह काम करेगा। उन्होंने कहा कि यह एक निवेश की तरह है जो हमारे नागरिकों को बेहतर वातावरण के साथ बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करेगा।

सिसोदिया ने कहा कि इस परियोजना के एक हिस्से के रूप में दक्षिणी रिज क्षेत्र के असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य, डेरा, मंडी, घिटोरनी, मैदानगढ़ी, रंगपुरी, तुगलकाबाद, पुल पहलादपुर और रजोकरी में स्थित वन क्षेत्र का बड़ा हिस्सा कम सघन है। यहां वन क्षेत्र को सघन करने के लिए लाखों की संख्या में पेड़ लगाए जाएंगे व अन्य प्रजाति के पौधों को नुकसान पहुँचाने वाली प्रजातियों के पेड़-पौधों को हटाने का काम भी किया जाएगा। साथ ही यहां मिट्टी की नमी के संरक्षण सबंधी उपायों को अपनाते हुए पर्यावरण को बहाल करने का काम किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि वन विभाग द्वारा इस साल मानसून से पहले 'मिशन मोड' में इन वन क्षेत्रों में 6 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे और अगले मानसून सीजन में 4 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

इन पौधों में अरावली की देशी प्रजातियों के साथ वन विभाग के अपग्रेडेड नर्सरी में विशेष रूप से उगाए गए पौधों की प्रजातियां शामिल हैं। पौधारोपण व उनके संरक्षण का काम दिल्ली वन विभाग द्वारा नियुक्त किए गए 'इको टास्क फ़ोर्स' द्वारा किया जाएगा।

क्या है केजरीवाल सरकार का 'इको टास्क फ़ोर्स'

केजरीवाल सरकार का इको टास्क फ़ोर्स वृक्षारोपण को बनाए रखने, वन क्षेत्रों को अतिक्रमण के खतरे से बचाने, क्षेत्र में वन्य जीवन के खतरे को कम करने के लिए वन विभाग की मदद करने का काम करते है। दिल्ली सरकार ने अब इको टास्क फोर्स के कार्यकाल को और पांच साल के लिए मंजूरी दे दी है।

इको टास्क फ़ोर्स में टेरिटोरियल आर्मी के भूतपूर्व सैनिक व अफसरों को शामिल किया गया है। टास्क फ़ोर्स 10 लाख पौधा-रोपण की पूरी प्रक्रिया व और पांच साल तक इसके रख-रखाव को मैनेज करने का काम करेगा।

केजरीवाल सरकार ने एंटी ओपन बर्निंग अभियान को 13 जून तक के लिए बढ़ाया : गोपाल राय

एंटी ओपन बर्निंग अभियान के तहत अब तक 5241 स्थलों का निरीक्षण किया गया पूरा : गोपाल राय

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री श्री गोपाल राय ने आज बताया कि एंटी ओपन बर्निंग अभियान को अगले एक महीने यानी 13 मई से 13 जून तक बढ़ाने के निर्देश जारी किए गए हैं। दिल्ली में समर एक्शन प्लान के तहत शुरू किए गए एंटी ओपन बर्निंग अभियान के पहले चरण (12 अप्रैल से 12 मई) की रिपोर्ट भी विभाग द्वारा जारी की गई हैं। इस अभियान के तहत 5241 स्थलों का निरीक्षण पूरा किया गया। साथ ही 23 लोगो/ संस्थाओ को नोटिस और 6 लोगो का अभियोजन किया गया।

रिपोर्ट पर प्रकाश डालते हुए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि समर एक्शन प्लान के तहत शुरू किए गए एंटी ओपन बर्निंग अभियान की प्रथम चरण का आज आखिरी दिन है। दिल्ली में ओपन बर्निंग के मामलों को देखते हुए , एंटी ओपन बर्निंग अभियान को 13 मई से 13 जून तक बढ़ाने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक महीने में करीबन 5241 स्थलों का निरीक्षण किया गया और करीबन 442 बार लैंडफिल साइट का भी निरीक्षण पूरा किया गया हैं। साथ ही 23 लोगों /संस्था को नोटिस /चालान जारी किया गया है और 6 लोगों का अभियोजन भी किया गया है।

उन्होंने बताया कि एंटी ओपन बर्निंग अभियान के तहत दिल्ली के विभिन्न जगहों पर 10 विभागों की 500 टीमों द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है। जो 24 घंटे दिल्ली में ओपन बर्निंग की घटनाओ की निगरानी और रोकने के लिए त्वरित कदम उठाती रही है। जिसकी रिपोर्ट समय- समय पर पर्यावरण विभाग को भी जारी की गई है। साथ ही लैडफिल साइट पर आग की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए एमसीडी को सभी उचित कदम उठाने के निर्देश दिया गया है।

ग्रीन दिल्ली एप के माध्यम से भी ओपन बर्निंग से सम्बंधित 374 में से 347 शिकायतों का किया गया निवारण

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि एंटी ओपन बर्निंग से सम्बंधित शिकायतों को दूर करने के लिए ग्रीन दिल्ली एप ने भी काफी सहयोग दिया हैं। इस एप के ज़रिये 374 शिकायतों में से करीबन 347 शिकायतों का निवारण किया गया हैं। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि अभी तक इस अभियान के ज़रिये सरकार दिल्ली में ओपन बर्निंग के मामलों को नियंत्रित करने और कड़ी कार्रवाई करने में कामयाब रही हैं। आगे भी यह अभियान दिल्ली के पर्यावरण सुधार और प्रदुषण नियंत्रण में एक एहम भूमिका निभाता रहेगा।

नूंह में खसरा का मामला सामने आने के बाद गुरुग्राम में अलर्ट

गुरुग्राम। नूंह में खसरा के दो मामले सामने आने के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट हो गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इसे लेकर लोगों को जागरूक होने को कहा है। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, खसरे से बचाव का एक मात्र उपाय टीकाकरण है। सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव ने बताया कि विभाग की ओर से नियमित रूप से टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत बच्चे को नौ माह पर एमआर टीके की पहली डोज और 16 से 24 माह के बीच दूसरी डोज दी जाती है। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि जिनके बच्चों का किसी कारणवश ये टीका रह गया है, वह इसे जल्द से जल्द लगाना सुनिश्चित करें। पांच साल की आयु तक बच्चों को ये टीका लगाया जा सकता है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एमपी सिंह ने बताया कि खसरा एक संक्रामक रोग है। ये हवा में मौजूद संक्रमण के कारण एक से दूसरे में फैल सकता है। उन्होंने बताया कि ये रोग बच्चों में होता है। बुखार, जुकाम, शरीर पर लाल दाने निकलना इसके मुख्य लक्षणों में शामिल हैं। इस बीमारी का प्रकोप 10 से 14 दिनों तक रहता है। उन्होंने बताया कि संक्रमित मरीज मिलने पर आस-पास के इलाके का सर्वे कराया जाता है।

उन्होंने कहा कि इसके लिए एकआर का टीका लगवाना जरूरी है। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की है कि यदि उनके इलाके में या आसपास इन लक्षणों के साथ कोई संदिग्ध मरीज दिखता है तो उसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को दें। चिकित्सकों के अनुसार इस तरह के लक्षण दिखने पर कई लोग झाड़फूंक लगवाने में ज्यादा विश्वास रखते हैं।

डीएलएड में 77 फीसदी परीक्षार्थियों ने सफलता पाई

फरीदाबाद। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से संचालित डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डीएलएड) प्रवेश वर्ष-2019 प्रथम व द्वितीय वर्ष री-अपीयर और डीएलएड प्रवेश वर्ष-2020 द्वितीय वर्ष री-अपीयर की फरवरी में हुई परीक्षाओं का परिणाम गुरुवार शाम को घोषित कर दिया गया है। छात्र-अध्यापक अपना परीक्षा परिणाम बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइट पर दिए गए लिंक से देख सकते हैं। जानकारी देते हुए बोर्ड अध्यक्ष प्रो. जगबीर सिंह ने बताया कि वार्षिक प्रणाली के तहत डीएलएड प्रथम वर्ष-2019 (री-अपीयर) परीक्षा में 25.50 फीसदी परीक्षार्थियों ने सफलता पाई है। महिलाओं का पास प्रतिशत 25.21 और पुरुषों का पास प्रतिशत 26.04 फीसदी रहा है। इसी तरह डीएलएड द्वितीय वर्ष-2019 (री-अपीयर) परीक्षा में का पास प्रतिशत 77.27 रहा है। इसमें 78.26 महिलाओं और 75.66 पुरुषों ने बाजी मारी है। डीएलएड प्रथम वर्ष-2020 (री-अपीयर) परीक्षा में 55.22 फीसदी परीक्षार्थी सफल रहे हैं। इनमें 57.34 फीसदी महिलाएं और 52.36 फीसदी पुरुषों ने सफलता पाई है। बोर्ड उपाध्यक्ष वीपी यादव ने बताया कि परीक्षा की संस्थावार परिणाम शीट संस्थाओं की लॉगिन आईडी पर भेजी जाएगी और परीक्षा में री-अपीयर रहे छात्र-अध्यापकों के आगामी परीक्षा के लिए आवेदन-पत्र भी संबंधित संस्था की लॉगिन आईडी पर उपलब्ध पैनल के माध्यम से ऑनलाइन भरे जाएंगे। उन्होंने कहा कि छात्र-अध्यापक के लिए परीक्षा शुल्क 800 रुपये प्रति विषय है।

गाजियाबाद : कार की डिग्गी पर बैठकर बनवाया वीडिया, ट्रैफिक पुलिस ने ठोका 22 हजार का चालान

गाजियाबाद। गाजियाबाद के एलिवेटेड रोड पर कार से स्टंट करने का गुरुवार को एक और वीडियो वायरल हुआ। ट्रैफिक पुलिस ने मामले में कार मालिक का ऑनलाइन 22 हजार रुपये का चालान काट दिया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एलिवेटेड रोड पर एक कार के ऊपर युवक हाथ में डंडा लिए बैठा दिख रहा है। कार के दोनों ओर दो अन्य कार चल रही हैं। एक युवक स्टंट की वीडियो बना रहा है।

एसपी ट्रैफिक रामानंद कुशवाहा ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह सोशल मीडिया पर स्टंट करते हुए वीडियो वायरल होना संज्ञान में आया। वीडियो में कार नंबर के आधार पर दिल्ली निवासी शिवम कुमार की कार होना सामने आया। कार का ऑनलाइन 22 हजार रुपये का चालान करने की कार्रवाई की गई।

बता दें कि कुछ दिन पहले दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर युवक ने बाइक से स्टंट किया जिसपर यातायात पुलिस ने 10 हजार 500 रुपये का चालान काटा है। पुलिस ने एक्सप्रेसवे पर लगे कैमरों की फुटेज के माध्यम से चालान काटने की कार्रवाई की है। उधर, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) द्वारा उपलब्ध कराए गए रिकॉर्ड के आधार पर दिल्ली-मेरठ और ईस्टर्न पेरिफेरल पर चढ़ने वाले दोपहिया वाहनों के भी चालान काटने शुरू कर दिए हैं।

ग्रेनो में 500 करोड़ का निवेश करेगी टर्की की कंपनी

ग्रेटर नोएडा। इलेक्ट्रिक उत्पाद बनाने वाली टर्की की जानी-मानी कंपनी मकेल इलेक्ट्रिक ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण या आईआईटीजीएनएल की टाउनशिप में करीब 50 एकड़ जमीन उपलब्ध कराने की मांग की है। कंपनी यहां करीब 500 करोड़ रुपये निवेश करना चाहती है। इससे यहां के हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर भी खूब मिलेंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा तो देश में मकेल इलेक्ट्रिक की पहली इकाई ग्रेटर नोएडा में लग सकेगी।

टर्की कंपनी मकेल इलेक्ट्रिकल के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार शाम को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ व आईआईटीजीएनएल के एमडी सुरेन्द्र सिंह, एसीईओ अमनदीप डुली व अन्य अधिकारियों से प्राधिकरण दफ्तर में मुलाकात की। कंपनी ने अपना

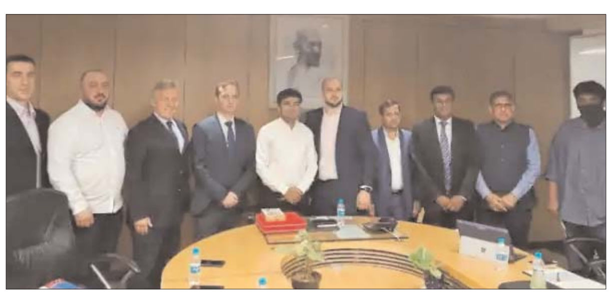

प्रस्तुतिकरण भी प्राधिकरण अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया। सीईओ सुरेन्द्र सिंह ने ग्रेटर नोएडा व इंटीग्रेटेड टाउनशिप के इंफ्रास्ट्रक्चर की विस्तृत जानकारी कंपनी के प्रतिनिधियों को दी। सीईओ ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के आसपास दो एयरपोर्ट हिंडन व आईजीआई पहले से संचालित हैं और अब देश का सबसे बड़ा नोएडा एयरपोर्ट भी शीघ्र बनने जा रहा है। सीईओ ने प्रतिनिधियों के सामने रोड व रेल कनेक्टीविटी का भी खाका खींचा। आईआईटीजीएनएल में प्रस्तावित मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब व मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के बारे में जानकारी दी। ग्रेटर नोएडा व इंटीग्रेटेड टाउनशिप के इंफ्रास्ट्रक्चर की मकेल कंपनी के प्रतिनिधियों ने तारीफ की और उद्योग लगाने के लिए जमीन उपलब्ध करने की मांग की। सीईओ ने कंपनी की तरफ से औपचारिक प्रस्ताव मिलते ही जमीन आवंटित करने का आश्वासन दिया। कंपनी के प्रतिनिधिमंडल में मार्को रिच, अली रिजा डेन, लेनार्ड एम एन्टोनोव, उंसल करबियिक, ड्रैहिम हसूला, नीरव त्रिपाठी, नैमिश मार्फाशिया, कौशिक पांड्या, अमरदीप सिंह व सुनील कुमार शामिल रहे। मकेल इलेक्ट्रिक विश्व के 40 देशों में व्यापार कर रही है।

कंपनी प्रतिनिधियों ने बताया कि टर्की में कंपनी की मेन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है।

यह कंपनी स्मार्ट मीटर, एलईडी, स्विच, मीनिएचर सर्किट ब्रेकर, सर्किट ब्रेकर, स्मार्ट होम सिक्योरिटी आटोमेशन आदि उत्पाद बनाती है। कंपनी प्रतिनिधियों का कहना था कि वर्ष 2025 तक भारत में 25 करोड़ स्मार्ट मीटर की जरूरत होगी। इसे ध्यान में रखते हुए कंपनी यहां निवेश करना चाह रही है।

लिंग समानता पर जागरूक किया

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ स्थित अग्रवाल महाविद्यालय में आंतरिक शिकायत कमेटी की ओर से एक वार्ता का आयोजन किया गया। लिंग समानता को बढ़ावा देने में पुरुषों की भूमिका विषय पर हुए इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता जिला बाल सुरक्षा अधिकारी हेमा कौशिक और अतिरिक्त एसएओ बल्लभगढ़ उमेश कुमार पहुंचे। हेमा कौशिक ने लिंग समानता पर विचार रखते हुए धारा 354 और 376 के बारे में विस्तार से बताया। वहीं उमेश कुमार ने युवा पीढ़ी को लिंग समानता में सोच बदलने को कहा, जिससे समाज में ऐसा सुरक्षित वातावरण तैयार हो कि नारी घर से बाहर निकलने में सुरक्षित महसूस करे। मौके पर कमल टंडन, डॉ. उषा अग्रवाल, डॉ. नरेश कामरा, डॉ. गीता गुप्ता, डॉ. डिंपल सिंगला, डॉ. मीनू अग्रवाल, डॉ. रेनू माहेश्वरी मौजूद रहे।

देश के पर्यटक स्थलों के बारे में छात्रों को जागरूक करेंगे युवा एंबेसडर

फरीदाबाद। स्कूलों में युवा एंबेसडर छात्रों को देश की समृद्ध विविधता और खूबसूरत पर्यटन स्थलों के बारे में जागरूक करेंगे। देश के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ये योजना बनाई गई है। इसके तहत स्कूलों में युवा पर्यटन क्लब का गठन किया जाएगा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से इस बाबत स्कूलों को पत्र जारी किया गया है। स्कूलों में ही छात्र पर्यटन उद्योग के बारे में जाने और देश की समृद्ध विरासत से रूबरू हो सकें यही मकसद है। गौरतलब है कि सरकार की ओर से आजादी का अमृत महोत्सव के तहत देशभर में विभिन्न गतिविधियों के जरिए देश की गौरवगाथा और संस्कृति के बारे में जागरुकता लाने के लिए काम जारी है। ऐसे में पर्यटन मंत्रालय ने युवा पर्यटन क्लब की स्थापना की रूपरेखा बनाई है। देश के बारे में स्कूली स्तर पर जागरुकता लाने को ये क्लब काम करेगा। साथ ही क्लब के सदस्य देश के पर्यटन के विकास में विशेष योगदान देंगे। भारत में पर्यटन की काफी संभावनाएं हैं। इनके बारे में छात्र जागरूक बनें और देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझें क्लब के जरिए यही कोशिश की जाएगी।

सोसाइटी में 12 घंटे बिजली गुल, रात जाग कर काटी

एजेंसी

गुरुग्राम। सेक्टर-67 स्थित श्री वर्धमान मंत्रा सोसाइटी में बुधवार रात से गुरुवार सुबह तक बिजली 12 घंटे गुल रही। दो घंटे के शटडाउन के बाद आए फॉल्ट के कारण बिजली गुरुवार सुबह नौ बजे तक बहाल नहीं हो पाई। जिसके कारण सोसाइटी में रहने वाले 700 से ज्यादा परिवार रात भर परेशान रहे। कई परिवारों ने रात गार्डन में जाकर काटी। सोसाइटी के लोगों का आरोप है कि डीजल खत्म हो जाने की वजह से रात भर जनरेटर से बिजली का बैकअप भी नहीं मिल पाया। वहीं लोगों ने बिजली निगम के अधिकारियों पर भी उनकी बात न सुनने का आरोप लगाया। सोसाइटी के परेशान लोगों ने रात भर बिजली न आने पर गुरुवार सुबह सोसाइटी में एकजुट होकर विरोध भी किया।

सोसाइटी निवासी सिद्धार्थ, रजत आदि ने बताया कि सोसाइटी में रखरखाव करने वाली एजेंसी से सोसाइटी के लोगों को दो घंटे के शटडाउन का मैसेज मिला था। बुधवार रात नौ बजे बिजली कट गई थी दो घंटे बाद भी बिजली बहाल नहीं हो पाई। रात एक बजे तक जनरेटर से बिजली का बैकअप मिला, लेकिन उसके बाद जनरेटर से भी बिजली मिलनी बंद हो गई। सोसाइटी के लोगों का आरोप है कि रखरखाव करने वाली एजेंसी के पास पर्याप्त डीजल नहीं था, जिसकी वजह से 750 केवी का जनरेटर नहीं चल पाया। 500 केवी के जनरेटर से बैकअप देने का प्रयास किया गया, लेकिन वो ज्यादा लोड नहीं उठाया पाया और कुछ देर बार वो भी बंद हो गया।

रात दो बजे से सुबह नौ बजे तक लोगों को बिना बिजली के बिताने पड़े। लोगों का यह भी आरोप है कि रात में लोगों की परेशानी सुनने के लिए न तो रखरखाव करने वाली एजेंसी के प्रतिनिधियों ने और न बिजली निगम के अधिकारियों ने फोन उठाए। जिसकी वजह से बच्चे, बड़ों और बुजुर्गों सभी को रात जाग कर काटनी पड़ी। लोगों ने बताया कि सोसाइटी में 1300 फ्लैट्स हैं और वर्तमान में 700 से ज्यादा परिवार रहते हैं। लोगों ने बताया कि वो हर महीने साढ़े तीन हजार रुपये रखरखाव शुल्क देते हैं, इसके बावजूद आए दिन बिजली की समस्या झेलनी पड़ती है।

आरोप है कि बिल्डर ने अभी तक स्थाई बिजली कनेक्शन भी नहीं लिया है।

अस्थाई कनेक्शन के जरिये लोगों को सप्लाई दी जाती है। आए दिन फॉल्ट के कारण घंटों जनरेटर पर आश्रित रहना पड़ता है। जनरेटर से बिजली 27 रुपये प्रति यूनिट मिलती है।

संपादकीय

रोजगार के अवसरों को बढ़ाने पर सरकार को और ध्यान देना होगा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

कोविड-19 के बाद पटरी से उतरी देश की आर्थिक व्यवस्था में निरंतर सुधार देखने को मिल रहा है पर जीडीपी की तुलना में अभी भी रोजगार के अवसर कम ही बढ़ रहे हैं। आज की अर्थव्यवस्था में सर्विस सेक्टर की प्रमुख भूमिका हो गई है और अब यह मानने में कोई संकोच नहीं किया जा सकता कि सर्विस सेक्टर लगभग पटरी पर आ गया है। देश में सर्वाधिक रोजगार के अवसर भी कृषि, एमएसएमई सेक्टर के बाद सर्विस सेक्टर में ही उपलब्ध होते हैं और इसमें कोई दो राय नहीं कि कोरोना में सबसे अधिक प्रभावित सर्विस सेक्टर ही हुआ है। सब कुछ बंद हो जाने से रोजगार के अवसर प्रभावित हुए और हुआ यह कि या तो रोजगार ही चला गया या फिर वेतन आदि में कटौती हो गई। इससे लोगों में निराशा आई पर ज्यों ज्यों हालात सामान्य होने लगे हैं यह माना जाने लगा है कि अर्थव्यवस्था में तेजी के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। कोविड के कारण बड़ी संख्या में असंगठित श्रमिकों का गांवों की ओर पलायन हुआ है और कोरोना की नित नई लहरों की आशंकाओं के चलते अब उतनी संख्या में श्रमिक शहरों की ओर नहीं गए हैं जितनी संख्या में शहरों से गांवों की ओर पलायन रहा है। ऐसे में अब नई चुनौती गांवों में रोजगार के अवसर विकसित करने की हो जाती है। हालांकि मनरेगा के माध्यम से लोगों को निश्चित अवधि का रोजगार उपलब्ध कराने के प्रयास जारी हैं पर इसे यदि उत्पादकता से जोड़ दिया जाए तो परिणाम अधिक सकारात्मक हो सकते हैं। दरअसल कोरोना का डर अभी भी लोगों में बना हुआ है। यह दूसरी बात है कि कोरोना के प्रोटोकॉल को पूरी तरह से नकार दिया गया है और अब तो भूले भटके ही लोग मास्क लगाए हुए दिखाई देते हैं। हालांकि जिस तरह के हालात चीन में इन दिनों चल रहे हैं और करोड़ों चीनी नागरिक लॉकडाउन भुगत रहे हैं उसे देखते हुए डरना भी जरूरी हो जाता है। पर सवाल यही है कि दो जून की रोटी का बंदोबस्त करना भी जरूरी है। रोजगार की सच्ची तस्वीर तो यह है कि बड़े उद्योगों में बहुत कम लोगों को रोजगार के बावजूद बेहतर वेतन और सुविधाएं मिलती हैं तो दूसरी और एमएसएमई सेक्टर या सर्विस सेक्टर में रोजगार के अवसर कम होने के साथ ही वेतन भत्ते भी प्रभावित हुए हैं। सर्विस सेक्टर में भी हालात ऐसे ही हैं। ऐसे में इस तरह के उपाय खोजने होंगे कि अर्थव्यवस्था में सुधार के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ें और लोगों को बेहतर रोजगार भी मिले, मगर इसके साथ ही कार्मिक के मनोविज्ञान को भी समझना होगा। कोरोना के बाद एक नई सोच विकसित हुई है जो चिंतनीय होने के साथ ही आने वाले समय के लिए गंभीर चुनौती भी है। हो यह रहा है कि कोरोना के बाद सेवा प्रदाताओं ने अपने सालों से सेवा दे रहे कार्मिकों के लिए इस तरह के हालात पैदा किए हैं और किए जा रहे हैं ताकि वे वहां नौकरी नहीं कर सकें। इसके पीछे बढ़ती बेरोजगारों की फौज का होना है। दरअसल पुराने कर्मचारी को अधिक पैसा देना पड़ता है जबकि नए कर्मचारी को या तो सर्विस प्रोवाइडर के माध्यम से रखा जा सकेगा या फिर कम वेतन में काम करने को तैयार होने से कम पैसा देना पड़ेगा। पर वह दिन दूर नहीं जब इसके साइड इफेक्ट सामने आने लगेंगे। पहला तो यह कि कर्मचारी का जो कमिटमेंट होता है वह नहीं मिल पाएगा। नया या तो सर्विस प्रोवाइडर के प्रति निष्ठावान होगा या फिर उसे अंदर से यह भय सताता रहेगा कि जैसा पहले वालों के साथ हुआ है वैसा उसके साथ भी हो सकता है ऐसे में लॉयल्टी की संभावनाएं लगभग नगण्य ही देखने को मिलेंगी। यह अपने आप में ऐसा संकेत है जो आगे चलकर व्यवस्था को चरमराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इसलिए अभी से भावी संकेतों को समझना होगा। दूसरा यह कि कोरोना ने सबसे अधिक व लंबे समय तक प्रभावित किया है शिक्षा क्षेत्र को या फिर हॉस्पिटेलिटी सेक्टर को। विदेशी पर्यटकों की संख्या तो अभी भी नाम मात्र की ही रह गई है। देशी पर्यटक अवश्य कुछ बढ़ने लगे हैं और उसका कारण भी कोरोना का सबक ही है। स्कूल कॉलेज संकट के दौर से आज भी गुजर रहे हैं।

श्रीलंकाई जनता और विपक्ष को वर्तमान हालात में संयम से काम लेना चाहिए

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

श्रीलंका के विपक्षी नेताओं की यह मांग ऊपरी तौर पर स्वाभाविक लगती है लेकिन समझ नहीं आता कि नए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की नियुक्ति क्या चुटकी बजाते ही हो जाएगी? उनका चुनाव होते-होते श्रीलंका की हालत और भी बदतर हो जाएगी।

श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंद्र राजपक्षे को मजबूरन इस्तीफा देना पड़ गया। उनके छोटे भाई गोटबाया राजपक्षे अभी भी श्रीलंका के राष्ट्रपति पद पर डटे हुए हैं। श्रीलंका में आम-जनता के बीच इतना भयंकर असंतोष फैल गया है कि इस राजपक्षे सरकार को कई बार कर्फ्यू लगाना पड़ गया है। इस राजपक्षे सरकार के मंत्रिमंडल में राजपक्षे-परिवार के लगभग आधा दर्जन सदस्य कुर्सी पर जमे हुए थे। जब आम जनता का गुस्सा बेकाबू हो गया तो मंत्रिमंडल को भंग कर दिया गया। लोगों के दिलों में यह प्रभाव जमाया गया कि राजपक्षे परिवार को कोई पद-लिप्सा नहीं है। राष्ट्रपति गोटबाया ने सारे विपक्षी दलों से निवेदन किया कि वे आएं और मिलकर नई संयुक्त सरकार बनाएं लेकिन विपक्ष के नेता सजित प्रेमदास ने इस प्रस्ताव को रद्द कर दिया। अब भी राष्ट्रपति का कहना है कि विपक्ष अपना प्रधानमंत्री खुद चुन ले और श्रीलंका को इस भयंकर संकट से बचाने के लिए मिली-जुली सरकार बनाए लेकिन विपक्ष के नेता इस प्रस्ताव पर अमल के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं हैं। वे सारे श्रीलंकाइयों से एक ही नारा लगवा रहे हैं- 'गोटा गो' याने राष्ट्रपति भी इस्तीफा दें। श्रीलंका के विपक्षी नेताओं की यह मांग ऊपरी तौर पर स्वाभाविक लगती है लेकिन समझ नहीं आता कि नए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की नियुक्ति क्या चुटकी बजाते ही हो जाएगी? उनका चुनाव होते-होते श्रीलंका की हालत और भी बदतर हो जाएगी। नये राष्ट्रपति और नई सरकार खाली हुए राजकोश को तुरंत कैसे भर सकेगी? श्रीलंका का विपक्ष भी एकजुट नहीं है। स्पष्ट बहुमत के अभाव में वह सरकार कैसे बनाएगा? वह सर्वशक्ति संपन्न राष्ट्रपति को कैसे बर्दाश्त करेगा? यदि श्रीलंका का विपक्ष देशभक्त है तो उसका पहला लक्ष्य यह होना चाहिए कि वह महंगाई, बेरोजगारी और अराजकता पर काबू करे। गोटबाया सरकार जैसी भी है, फिलहाल उसके साथ सहयोग करके देश को चौपट होने से बचाए। भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों से प्रचुर सहायता का अनुरोध करे और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा-कोष से भी आपात राशि की मांग करे। अभी तो लोग दंगों और हमलों से मर रहे हैं लेकिन जब वे भुखमरी और बेरोजगारी से मरेंगे तो वे किसी भी नेता को नहीं बख्शेंगे, वह चाहे पक्ष का हो या विपक्ष का! श्रीलंका की वर्तमान दुर्दशा से पड़ोसी देशों को महत्वपूर्ण सबक भी मिल रहा है। तमिल आतंकवाद को खत्म करने वाले महानायक महिंद गोटबाया की प्रतिष्ठा अचानक यदि पैंदे में बैठ सकती है तो पड़ोसी देशों के जो नेता आज लोकप्रियता की लहर पर सवार हैं, उनकी हालत तो और भी बुरी हो सकती है। गोटबाया बंधुओं ने श्रीलंका सरकार को अपनी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बना लिया था। उसमें भाई-भतीजे मिलकर मनचाहे फैसले कर लेते थे। श्रीलंका के ज्यादातर पड़ोसी देशों का भी यही हाल है।

यूपी-बिहार तो यूं ही है बदनाम, पूरे भारत में सबसे ज्यादा इस प्रदेश में है जातिवाद की राजनीति का बोलबाला

अभिनय आकाश

गुजरात में एक कहावत है: जब कुछ नहीं काम करता, तो मोदी काम करते हैं। ऐसा ही कुछ नजारा देखने को भी मिला था। भाजपा जहां विकास बुलंद है, मैं ही गुजरात हूं, मैं ही विकास हूं' जैसे नारे के साथ चुनावी रण में अपना खम ठोकती नज़र आ रही थी तो वहीँ राहुल गांधी गुजरात में विकास को पागल करार देने में लगे थे। कांग्रेस की तरफ से जहां हार्दिक, अल्पेश और जिग्नेश की तिकड़ी के भरत सिंह सोलंकी की खाम थ्योरी की तर्ज पर मैदान मारने की मंशा थी। लेकिन पाटीदार आंदोलन, ऊना की घटना और जातिय गोलबंदी को मोदी की एक भावुक अपील के जरिये ऐसे हवा कर दिया की विपक्ष का सत्ता से वनवास का दौर तीन दशक के आंकड़े को छूने के करीब पहुंच गया। देश में जब कभी भी जातिवादी राजनीति की चर्चा होती है तो उत्तर प्रदेश और बिहार का नाम हर किसी के दिमाग में तपाक से आ जाता है। इसके पीछे की वजहें भी हैं। मसलन, जयप्रकाश नारायण का इंदिरा गांधी सरकार की इमरजेंसी के खिलाफ किए गए आंदोलन और उससे उपजे लालू, मुलायम, मायावती, रामविलास, नीतीश जैसे कई नेताओं ने अपनी राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए जातिवाद का भरपूर सहारा लिया। लेकिन ऐसा नहीं है कि केवल और केवल यूपी और बिहार में ही जातिवाद की राजनीति देखने को मिलती है। लेकिन उसकी चर्चा उतनी प्रमुखता से नहीं होती है। गुजराती साहित्य परिषद के संस्थापक रंजीतराम मेहता ने 100 साल पहले अपने एक लेख में लिखा भी था कि पूरे भारत में सबसे ज़्यादा जातिवाद गुजरात में है।

गुजरात का जातिय समीकरण

गुजरात के जातिय समीकरण पर अगर गौर करें तो यहां करीब 52 फीसदी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) बेताज बादशाह है। राज्य में 146 जातियां ओबीसी की कटेगरी में आती हैं। इसके अलावा 16 फीसदी पाटीदार समुदाय (सामान्य जाति में आता है) को गुजरात का किंगमेकर कहा जाता है। गुजरात में 7 फीसदी दलित, 11 फीसदी आदिवासी, 9 फीसदी मुस्लिम और 5 फीसदी में सामान्य जाति के ब्राह्मण, बनिया और अन्य जातियां शामिल है। 1960 में गुजरात के गठन के बाद पहली बार 1973 में चिमनभाई पटेल ग़ैर ब्राह्मण मुख्यमंत्री बने। इसके पहले जीवराज नारायण मेहता बनिया थे और बाक़ी के मुख्यमंत्री ब्राह्मण थे। ऐसा तब था जब गुजरात में ब्राह्मण जाति एक फ़ीसदी से भी कम थी।

कांग्रेस की खाम थ्योरी जिसका रिकॉर्ड आज भी कायम है

राज्य में क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी, मुसलमान (खाम) के गठजोड़ की उनकी सोशल इंजीनियरिंग सफल रही और कांग्रेस के लिए कारगर साबित हुई। 1985 के चुनाव में कांग्रेस को 149 सीटें मिलीं। बहरहाल, आरक्षण विरोधी आंदोलन के जारी रहने और सांप्रदायिक दंगों के कारण सोलंकी को जुलाई, 1985 में फिर से इस्तीफा देना पड़ा। वह चौथी बार दिसंबर, 1989 से मई 1990 तक मुख्यमंत्री रहे। राज्य में और देश में बीजेपी की लहर और नरेंद्र मोदी के करिश्माई चेहरे और अमित शाह जैसे राजनीति के चाणक्य के कुशल संयोग के बावजूद आजतक वह रिकॉर्ड नहीं टूट सका है।

गुजरात की राजनीति का किंगमेकर है पटेल समुदाय

पाटीदार गुजरात का ताक़तवर राजनीतिक समुदाय बना हुआ है। आबादी में तो ये सिर्फ 15 प्रतिशत हैं। लेकिन 85 प्रतिशत पर भारी पड़ते हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल, केशुभाई पटेल, चिमनभाई पटेल, आनंदीबेन पटेल और अभी कुछ समय पहले सामने आए युवा नेता हार्दिक पटेल. ऐसे तमाम नेता, इस समुदाय से उभरे। इन नेताओं का उभार यह साबित करता है कि पाटीदारों ने अन्य जातियों के मुकाबले बहुत पहले राजनीति में हिस्सेदारी बनानी शुरू कर दी थी और आज वे अपना राजनीतिक आधार बहुत मजबूत कर चुके हैं। आज इस समुदाय की गुजरात में क्या हैसियत है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि भाजपा ने राज्य चुनाव से ठीक सालभर पहले पाटीदार नेता- भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाया है। वैसे तो यह समुदाय कांग्रेस और भाजपा दोनों के लिए अहम रहा है। लेकिन यह खुद भाजपा की तरफ झुका नजर आता है क्योंकि भाजपा ने उन्हें अपेक्षाकृत अधिक प्रतिनिधित्व देकर उनका दिल जीता है। बीजेपी के साथ पाटेदारों को जोड़ने में केशुभाई पटेल की बहुत बड़ी भूमिका थी। बीजेपी से अलग होने के बाद उन्होंने पाटेदारों की अस्मिता को बहुत बड़ा मुद्दा बनाया था। साल 2012 के विधानसभा चुनाव में अटकलें लगाई जा रही थी कि अगर पाटेदार केशुभाई पटेल के साथ चले गए तो बीजेपी के लिए मुश्किल हो जाएगी। नतीजे आए तो बीजेपी की सेहत पर कोई खास फर्क नहीं पड़ा था। जबकि केशुभाई पटेल की पार्टी को करीब 3.6 प्रतिशत वोट मिले थे और 2 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। मतलब साफ था कि पटेल समुदाय ने मोदी के नेतृत्व में लड़ रही भाजपा को ही चुना था। मोदी के जाने के बाद गुजरात के जो हालात बने उन्हें संभालना आनंदीबेन पटेल के लिए बेहद मुश्किल भरा रहा। बतौर मुख्यमंत्री आनंदीबेन की पहली राजनीतिक परीक्षा पटेल आंदोलन के समय हुई लेकिन इस राजनीतिक परीक्षा में आनंदीबेन फ़ेल साबित हुई और जो पाटीदार समुदाय एक समय भाजपा का मजबूत आधार मन जाता रहा वह भाजपा से दूर जाता दिखा। बाद में डैमेज कंट्रोल के रूप में आनंदीबेन की जगह विजय रूपाणी को सीएम और नितिन पटेल को डिप्टी सीएम बनाया गया था। गुजरात की 182 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत के लिए 92 सीटें चाहिए। वोटों के लिहाज से देखें तो पाटेदार गुजरात में 182 में से कुल 60 सीटों पर अपना दबदबा रखते हैं।

गुजरात की राजनीति का यूपी है सौराष्ट्र

गुजरात की राजनीति में सौराष्ट्र का वही रोल है, जो देश की राजनीति में उत्तर प्रदेश का है। राज्य के 182 विधायकों में से सबसे ज्यादा 54 विधायक सौराष्ट्र से आते हैं। यहां पर भी जातिगत राजनीति का बोलबाला है। सौराष्ट्र की इन 54 सीटों पर साल 2017 के चुनाव में बीजेपी को कांग्रेस से जबरदस्त टक्कर मिली थी। पाटीदार आंदोलन की वजह से कांग्रेस ने सौराष्ट्र में 55 फीसदी सीटें अपने नाम कर ली थी जबकि बीजेपी को 33 फीसदी सीटें प्राप्त हुई थी। इस तरह से 54 में से 30 सीटों पर कांग्रेस ने फतह हासिल की और बीजेपी को 23 सीटों से संतोष करना पड़ा था।

बीजेपी और कांग्रेस के बीच रहा 10 प्रतिशत का अंतर

1985 में भी कांग्रेस इस फॉर्मूलों को अपनाकर चुनावी जीत हासिल कर चुकी है। लेकिन ओबीसी समुदाय को जब गुजरात में आरक्षण दिया गया तो पाटीदार समुदाय कांग्रेस से जुदा हो गया था। इसके बाद कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री माधव सिंह सोलंकी ने सियासी फॉर्मूला बनाया था, जिसमें गुजरात के ओबीसी, मुस्लिम, दलित और आदिवासी शामिल थे। 1985 में कांग्रेस का वोट 55.6 फीसदी था जो गिरकर 2017 में 41.1 फीसदी रह गया। इसी अवधि में बीजेपी का ग्राफ 15 फीसदी से बढ़ते हुए 49 फीसदी तक पहुंच गया। पिछले चार चुनावों में बीजेपी के लिए, ये 48-50 फीसदी के बीच रहा है। कांग्रेस ने भी 1990 में 30.7 फीसदी से अपना प्रदर्शन सुधारते हुए। 2012 में इसे 39 फीसदी तक पहुंचाया। औसतन बीजेपी और कांग्रेस के बीच 10 फीसदी वोटों का अंतर रहा है।

गुजरात में दलित राजनीति का उभार

लोकतंत्र में संख्याएँ बहुत मायने रखती हैं। संख्याएँ सबाल्टर्न सामाजिक समूहों को राजनीतिक प्रभाव हासिल करने की क्षमता देती हैं और संसाधनों, विकास और सत्ता में हिस्सेदारी का अवसर भी देती हैं। कुछ महीने पहले, हमने पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में चुनाव देखे थे। इस साल के अंत में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होंगे। गुजरात में अनुसूचित जनजाति (एसटी) 16 प्रतिशत और अनुसूचित जातियों की जनसंख्या 7 प्रतिशत अनुमानित है - इसमें लगभग 36 जातियाँ और सामाजिक समूह शामिल हैं।

गर्मी की वजह से बढ़ रहा हीट स्ट्रोक का खतरा

एकता

हर बढ़ते दिन के साथ गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इतनी गर्मी होने के बावजूद भी लोग काम पर जाने के लिए मजबूर है। घर से बाहर निकलते ही लू लगने या हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। इस मौसम में यह समस्या बेहद आम है, लेकिन ध्यान नहीं देने पर यह जानलेवा साबित हो सकती है। हर बढ़ते दिन के साथ गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। तापमान में बढ़ोतरी की वजह से लोगों को तेज गर्म हवाओं का सामना करना पड़ रहा है।

इतनी गर्मी होने के बावजूद भी लोग काम पर जाने के लिए मजबूर है। घर से बाहर निकलते ही लू लगने या हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। इस मौसम में यह समस्या बेहद आम है, लेकिन ध्यान नहीं देने पर यह समस्या जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए इनसे खुद को बचाकर रखने के लिए सावधानी बरतते रहना ही बेहतर उपाय है।

क्या होता है हीट स्ट्रोक?

हीट स्ट्रोक गर्मी के मौसम में होने वाली सबसे आम और गंभीर बीमारी है। इस बीमारी में शरीर का तापमान 10 से 15 मिनट के अंदर 40.0 डिग्री सेल्सियस तक या इससे अधिक बढ़ जाता है जिसकी वजह से सिरदर्द, चक्कर आने जैसी कई समस्याएँ हो सकती हैं। हीट स्ट्रोक के उपचार में देरी की वजह से पीड़ित व्यक्ति की मौत भी हो सकती है।

गर्मी का दिमाग पर पड़ता है बुरा असर

बढ़ते तापमान का असर शरीर के साथ दिमाग पर भी पड़ता है। गर्मी की वजह से दिमाग में असंतुलन पैदा होने की संभावना बढ़ जाती है। इसकी वजह से बोलते समय लड़खड़ाना, बैचेनी, चिड़चिड़ाहट जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। अगर आपको भी ऐसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो तुरंत डॉक्टर के पास जाकर अपना इलाज करवाएं। मानसिक स्थिति के साथ शरीर के तापमान का अधिक बढ़ना, शरीर की नमी का कम होना और त्वचा का रूखा होना, जी घबराना, उल्टी आना, सांसों का तेज चलना और धड़कनों का बढ़ना जैसे लक्षणों पर भी इस मौसम में विशेष ध्यान दें नहीं तो आपको गंभीर समस्या झेलनी पड़ सकती है।

गर्मी के मौसम के रखें इन बातों का ख़ास ख्याल

- हल्के रंग और हल्के वजन वाले कपड़े पहनें।
- धूप के सीधे संपर्क में आने से बचें। बाहर जाते समय छाता लेकर या टोपी पहनकर जाएँ।
- खूब सारा पानी और जूस जैसे नारियल पानी, नींबू पानी पाएं।
- शराब, सॉफ्ट ड्रिंक्स, एनर्जी ड्रिंक्स जैसी चीजों का सेवन करने से बचें।

काहे छपवाई किताब (व्यंग्य)

संतोष उत्सुक

हमारा कोई लेख छपता तो शुभचिंतकों के आग्रह पर उसे फेसबुक पर चिपका देते। डिसलाइक करते हुए कुछ बंदों को लाइक करना पड़ता। कुछ सिर्फ बधाई देते, मज़ाल है कुछ लिखा हो। कई आम लोग अच्छी टिप्पणी करते। एक शाम कई शुभचिंतक बोले, अब किताब छपवालो हम भी पार्टी कर लें। भाषा अकादमी के पूर्व सचिव ने हमारी इच्छाओं में और ऑक्सीजन भरी, छपवाओ, लोकार्पण करवाओ, खबर छपवाओ, नाम कमाओ। हमारे दिमाग में किताब उगने लगी, लोकार्पण, बधाईयाँ, फोटोज़, अखबार व न्यूज़ चैनल अच्छे लगने लगे। हम उन लेखकों में से तो थे नहीं कि प्रकाशक उछल जाए और तपाक से किताब छाप दे। किताब का प्रस्तावना लिखने वाले, होने वाले लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि ने प्रकाशक से बात की तो हम धन्य हो गए। किताब की प्रूफ रीडिंग पर ज्यादा मेहनत हमने ही की बस उन्होंने तो एडवांस लिया और छापकर भिजवा दी। किताब बढ़िया बनी, अकादमी की खरीद योजना का विज्ञापन छपा तो किताबें भिजवा दी। सरकार के सहयोग से किताब का कुछ खर्चा तो निकले। सोचा, ज़िंदगी की पहली किताब है, विमोचन समारोह भी करवा ही लें। पत्रकार मित्र ने सरकारी सर्किट हाउस में मुख्य अतिथि के ठहरने का इंतजाम किया लेकिन ऐन मौके पर व्यवस्था के कुचक्र में फंसने के कारण उन्हें होटल में रुकवाना पड़ा। विमोचन में पूरे परिवार की फोटो खिंची तो खुश पत्नी बोली अच्छा किया किसी नेता को नहीं बुलाया नहीं तो उनकी ही लल्लो चप्पो होती रहती। अखबारों में सबकी फोटो छपी लेकिन किताब का नाम गलत छाप दिया। कुछ दिन बाद अकादमी द्वारा स्वीकृत किताबों की लिस्ट आई, तीन बार पढी अपना नाम नदारद था। जिनका नाम कभी छपा नहीं उनकी किताबें खरीदी जा रही थी।

कृतज्ञता एक संस्कार है

धन्यवाद, साधुवाद, शुक्रिया आदि शब्द कृतज्ञता के सूचक शब्द मात्र ही नहीं अपितु हार्दिक आभार के भार से नमित सुकर्म होते हैं

कृतज्ञता, संकटकाल में काम आने वाले महानुभावों के चिर ऋणी होने की अभिव्यक्ति है - कृतज्ञता अपने व्यक्तित्व में रखना सम्मान की बात है - एड किशन भावनानी

कुदरत द्वारा सृष्टि की रचना कर उसमें मानव योनि को इस पूरी कायनात का सबसे बड़ा तोहफा, सर्वश्रेष्ठ बुद्धि देकर मानवीय गुणों का सृजन किया है। सकारात्मक मानवीय संस्कारों की झड़ी भी लगा दी है, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण गुण मानवीय आचरण है तथा उस आचरण का एक विशेष महत्वपूर्ण अंग है कृतज्ञता!!! यह एक संस्कार है, मानवीय श्रृंगार है, गुणवत्ता, संवेदनशीलता नीवांपन की निशानी है!! यह केवल आभार, धन्यवाद, शुक्रिया,साधुवाद इत्यादि शब्दों का सूचक मात्र ही नहीं है अपितु हार्दिक आभार के भार से नमित सुकर्म होता है!! कृतज्ञता अपने व्यक्तित्व में रखना सम्मान की बात है संकटकाल में काम आनेवाले महानुभावों के ऋणी होने की अभिव्यक्ति भी है

साथियों बात अगर हम कृतज्ञता की इत्र की भांति सुगंधित महक की करें तो, कृतज्ञता वह सुकृत्य है जो व्यक्ति के सुसंस्कृत होने का भान कराती है, साथ ही उसे सामाजिक और सांसारिक भी बनाती है। कृतज्ञता एक संस्कार है। इससे संस्कारित व्यक्ति विनम्रता की मूर्ति होता है! जहां दूसरों की सहायता एवं सेवा करना उत्कृष्ट मानवीय कर्तव्य है वहीं संकट की विषम स्थिति में दूसरों द्वारा अपने प्रति की गई सहायता एवं सेवा के लिए कृतज्ञ व्यक्तित्व अपने हृदय में उसके प्रति विशेष आदर का भाव रखता है। सहृदयता का प्रतिकार वह विनम्र आभार द्वारा चुकाता है। कृतज्ञता मानवता की सर्वोत्कृष्ट विशेषता है। यह हमें आभास कराती है कि प्रत्यक्ष और परोक्ष किसी भी रूप में और कभी भी यदि किसी व्यक्ति ने कोई सहयोग और सहायता प्रदान की है, तो उसके लिए यदि कुछ न कर सके, तो हृदय से आभार अवश्य प्रकट करें।

साथियों वहीं कृतघ्नता इसके विपरीत एक आसुरी वृत्ति है, जो इंसान को इंसानियत से जुदा करती है।कृतज्ञता प्रकट ना करने से आसुरी वृत्ति के भाव उत्पन्न होते हैं जो जीवन की प्रगति और सामाजिक प्रतिष्ठा में भारी बाधा बनते हैं। ऐसे व्यक्ति से उसके निजी संकट के समय में भी उसके अपने और समाज के लोग दूरी बनाए रखते हैं। उसके ऊपर दुखों का पहाड़ टूटने पर भी अपने भी पराए हो जाते हैं इसीलिए कृतज्ञता को अनिवार्यता से रेखांकित करना आज के समय की मांग है!!

साथियों कृतज्ञता अनुग्रहकर्ता के प्रति अनुग्रहीत होने का भाव -ज्ञापन भी है। जहां अनुग्रहकर्ता वंदनीय एवं उसका कृत्य अभिनंदनीय होता है वहीं अनुग्रहीत होकर कृतज्ञता ज्ञापित न करने वाला निंदनीय होता है। कृतज्ञता के ज्ञापन से जहां एक ओर अनुग्रहकर्ता को अपने किए कार्य की महत्ता का ज्ञान एवं उसके कृतज्ञता रूपी प्रतिफल का आनंद प्राप्त होता है वहीं अनुग्रहीत को समय पर सहायता मिल जाने से संकट की विकरालता से मुक्त होने का सुख प्राप्त होता है। इससे दोनों पक्ष लाभान्वित एवं आनंदित होते हैं।

साथियों कृतज्ञता एक महान गुण है। कृतज्ञता का अर्थ है अपने प्रति की हुई श्रेष्ठ और उत्कृष्ट सहायता के लिए श्रद्धावान होकर दूसरे व्यक्ति के समक्ष सम्मान प्रदर्शन करना। हम अपने प्रति कभी भी और किसी भी रूप में की गई सहायता के लिए आभार प्रकट करते हैं और कहते हैं कि %हम आप के प्रति कृतज्ञ हैं, ऋणी हैं और इसके बदले हमें जब भी कभी अवसर आएगा, अवश्य ही सेवा करेंगे। कुछ लोग संकट काल में काम आने वाले महानुभावों के चिर ऋणी होने की अभिव्यक्ति द्वारा अपने कृतज्ञता संपन्न होने का परिचय देते हैं। कृतज्ञता एक सामान्य शिष्टाचार भी है। कृतज्ञ प्राणी अपने शिष्ट वचनों द्वारा कृपा करने वाले का आभार व्यक्त करता है।

साथियों वह जानता है कि उसकी रत्तीभर की उदासीनता उसे भविष्य में इस प्रकार की कृपा से वंचित कर सकती है।

भविष्य में कष्टमय परिस्थितियों में इसी प्रकार कृपालुओं का सहयोग मिलता रहे, इसलिए इस शिष्टाचार के माध्यम से वह अपने व्यक्तित्व का उज्जवल एवं मानवीय पक्ष समाज के सामने प्रस्तुत करने के साथ ही एक आदर्श एवं प्रेरक उदाहरण भी बनना चाहता है। यह शिष्टाचार उसे सम्मान में सम्मानित नागरिकों की श्रेणी में खड़ा कर देता है। साथियों बात अगर हम मानवीय गुणों में कृतज्ञता को सर्वश्रेष्ठ गुण मानने की करे तो, मनुष्य के सभी गुणों में कृतज्ञता सबसे महान गुण ही नहीं ,बल्कि सैकड़ों गुणों की जननी भी है। कृतज्ञता का भाव रखने वाला मनुष्य वृक्ष की जड़ में कृतज्ञता रूपी जल डालता है जिससे, वही वृक्ष तरह तरह के नए-नए फूल - पत्तों से भर जाता है। धन्यवाद से जीवन में खुशियों की नई-नई सुगंध, नए-नए पुष्प और पत्ते स्वयं ही लगने लगते हैं। कृतज्ञता व्यक्ति की जिंदगी में खुशियां लेकर आती है। जरूरत के समय या विषम परिस्थिति , चुनौती के समय किसी के द्वारा की गई छोटी सी सहायता, या सेवा के लिए हृदय में उस व्यक्ति के प्रति आदर भाव रखना, और उसके लिए शुक्रिया अदा करना ही कृतज्ञता कहलाता है।

साथियों यूं तो शुक्रिया का शाब्दिक अर्थ आभार है। आभार के द्वारा हम बड़ी आसानी से अपने सन्मुख व्यक्ति को कृतज्ञता के भाव जाहिर कर अपना ,बना सकते हैं। कृतज्ञता दिव्य प्रकाश है। यह प्रकाश जहां होता है, वहां देवताओं का वास माना जाता है। कृतज्ञता दी हुई सहायता के प्रति आभार प्रकट करने का, श्रद्धा के अर्पण का भाव है। जो दिया है, हम उसके ऋणी हैं, इसकी अभिव्यक्ति ही कृतज्ञता है और अवसर आने पर उसे समुचित रूप से लौटा देना, इस गुण का मूलमंत्र है। इसी एक गुण के बल पर समाज और इंसान में एक सहज संबंध विकसित हो सकता है, भावना और संवेदना का जीवंत वातावरण निर्मित हो सकता है। कृतज्ञता एक पावन यज्ञ है। अत:अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि कृतज्ञता एक संस्कार है धन्यवाद साधुवाद शुक्रिया आदि शब्द कृतज्ञता के सूचक शब्द मात्र ही नहीं अपितु हार्दिक आभार के भार से नमित सुकर्म होते हैं।

नाम

परखता है रोज़ मेरे इरादों को
गम जो थमने का नाम भी लेता
बड़ा ढीठ है कमबख्त ज़ालिम
ज़रा बदलने का नाम नहीं लेता

परवाज़ रखते थे आसमाँ से ऊँची
गिरे है आज पाताल से नीचे
गिर कर उठेंगे एक दिन यारों
ये हौंसला तो मिटने का नाम नहीं लेता

मेरे हिस्से के गम मेरी खुशियां
जो कुछ भी है मेरा मुझको दे दो
ये मेरे तेरे कि बंदर बाँट ही तो है
जो किसी से जुड़ने का नाम नहीं लेता

तूफान आया तो तबाही लेकर
तिनका भी न बचा आशियाने का
बड़ी मुश्किल से सजाया था
ऐसा बिखरा सिमटने का नाम नहीं लेता

%गुलाम% को बेफिक्र कहने वालों
तुम क्या जानो हाल इस पागल का
जहाँ गम मिले वही से गुज़रता है बार बार
कोई और होता तो गुज़रने का नाम नहीं लेता

.हरविंदर सिंह 'ग़ुलाम'
पटियाला, पंजाब
स्वरचित

शार्ट न्यूज

बरेली में हादसा : दिल्ली से लौट रहे कैबिनेट मंत्री के बेटे की पलटी कार, बाल-बाल बचे

बरेली। यूपी के बरेली में गुरुवार को हादसा हो गया। दिल्ली से बरेली लौट रहे कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के बेटे की कार झुमका चौराहे के पास पलट गई। हादसे में वह बाल बाल बच गए। जबकि ड्राइवर को हल्की चोट आई हैं। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और आंवला से विधायक धर्मपाल सिंह के बेटे एवं मझगंवा ब्लॉक प्रमुख यशवंत सिंह अपने मित्र प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष सुधीश पाण्डेय के साथ नोएडा से अपनी कार से आ रहे थे। जैसी ही उनकी कार परसाखेड़ा जीरो प्वाइंट से आगे बढ़ी। इसी दौरान उनकी कार बजरी में फिसल गई। लग्जरी कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। राहगीरों को घटना का पता उन्होंने दोनों को कार से निकाला। इसके बाद मिनी बाईपास पर रहने वाले मित्र सर्वेश ठाकुर को घटना की सूचना दी। सर्वेश ने अपने मित्रों के साथ पहुंचे। दोनों को साथ लेकर शहर लाए। उनके साथ एक अन्य व्यक्ति को हल्की चोट लगी है। जबकि वह दोनों लोग सकुशल घर पहुंच गये। इसके बाद पुलिस ने क्रेन की मदद से गाड़ी बाहर निकाला।

हरिद्वार-देहरादून रेलमार्ग 17 से 20 मई तक रहेगा प्रभावित

मुरादाबाद। उत्तर रेलवे मुरादाबाद डिवीजन के हरिद्वार-मोतीचूर रेलवे स्टेशन बीच ओवरब्रिज पर गर्डर रखे जाने की वजह से हरिद्वार-देहरादून रेलमार्ग पर ट्रेनों का संचलन 17 से 20 मई तक प्रभावित रहेगा। सीनियर डीसीएम सुधीर सिंह ने गुरूवार को बताया कि हरिद्वार-मोतीचूर रेलवे स्टेशन के बीच ओवरब्रिज पर गर्डर रखने के दौरान 17 से लेकर 20 मई तक हरिद्वार-देहरादून रूट पर रेलवे ट्रैफिक प्रभावित रहेगा जिसमें ट्रेन नंबर-12017 नई दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस सिर्फ हरिद्वार तक जाएगी जबकि ट्रेन नंबर -19031 अहमदाबाद-योगनगरी ऋषिकेश एक्स.19 मई को सिर्फ हरिद्वार तक चलेगी। ट्रेन नंबर-14229 प्रयाग राज संगम-योगनगरी ऋषिकेश एक्स.17 और 19 मई को हरिद्वार तक ही जाएगी। ट्रेन नंबर-12018 देहरादून-नई दिल्ली एक्स. 20 मई को देहरादून के स्थान पर हरिद्वार से नई दिल्ली के लिए चलाई जाएगी। श्री सिंह ने बताया कि इस दौरान निरस्त होने वाली ट्रेन में 12092 काठगोदाम-देहरादून एक्सप्रेस 20 मई,12091 देहरादून-काठगोदाम एक्सप्रेस 20 मई,04374 देहरादून-सहारनपुर एक्सप्रेस 20 मई ,04373 सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेस 20 मई आदि शामिल हैं।

पश्चिम में लू तो पूरब में चिपचिपी गर्मी का अहसास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी इलाकों में गर्म हवा के थपेड़ों से जनजीवन प्रभावित है वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर रखा है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में गरज चमक के साथ बूंदाबांदी का अनुमान व्यक्त किया है। मौसम में आने वाली यह तब्दीली अगले चार पांच दिनों तक बरकरार रहने के आसार हैं वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। गर्मी के तल्ख तेवरों का प्रतिकूल असर व्यवसाय पर पड़ा है। प्रदेश के अधिसंख्य स्थानों पर 11 बजे के बाद बाजार और माल पर सन्नाटा पसर रहा है हालांकि शाम छह बजे के बाद बाजारों और सड़कों पर चहल पहल देखी जा रही है। गर्मी से बचने के लिये लोग शीतल पेय पदार्थो की दुकानो का रूख कर रहे हैं। आम का पना, बेल का शर्बत,लस्सी,नीबूं पानी और कोल्ड ड्रिंक्स के दुकानदारों की पौ बारह है। प्रचंड गर्मी के बावजूद कानपुर,लखनऊ समेत राज्य के कई जिलों में स्कूल कालेज खुले है जिससे छोटे बच्चों के अभिभावक खासे चिंतित है। उनका कहना है कि जिला प्रशासन पांचवीं कक्षा तक के बच्चों के स्कूलों में ग्रीष्म अवकाश करने का आदेश जारी करे। गर्मी के कारण विद्युत मांग में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी हुयी है जिसे पूरा करने के लिये बिजली विभाग पुरजोर कोशिश कर रहा है मगर ट्रांसफार्मर फुकने और लाइन फाल्ट जैसी स्थानीय गड़बड़ियों के चलते प्रदेश के कई इलाकों में बिजली की लुकाछिपी जारी है।

कौशांबी में पेड़ से लटकता मिला शव

कौशांबी। उत्तर प्रदेश में कौशांबी जिले के सराय अकिल थाना क्षेत्र में गुरूवार को एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अकिल कस्बा स्थित आदर्श इंटर कॉलेज के पीछे अमरूद के बाग में आज सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटकता पाया गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कैलाश पुत्र राम खेलवान (40) के रूप में की है। शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। पुलिस मामले में जांच जुट गई है।

फर्रुखाबाद में कार पलटी, छह घायल

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद जिले के नवाबगंज क्षेत्र में गुरूवार को एक कार के खड्ड में पलटने से उसमें सवार छह बाराती गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दिल्ली करोल बाग निवासी विनीत, बबली, रज्जो, गुड्डन, सागर, तथा अक्षय फर्रुखाबाद जिले के फतेहगढ़ शहर में एक रिश्तेदार की शादी समारोह में भाग लेने आए थे। यहां से वे अपनी कार से तड़के पांच बजे दिल्ली घर वापस लौट रहे थे कि नवाबगंज थाना क्षेत्र के मंझना-नवाबगंज मार्ग पर नाला बाजार के निकट कार अनियंत्रित हो कर सड़क किनारे खड्ड में पलट गई। इस दुर्घटना में कार सवार सभी बाराती गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया जहां हालत गंभीर होने पर महिला रज्जौ को फर्रुखाबाद के डॉ राम मनोहर लोहिया का को रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार दुर्घटना का प्रथम दृष्ट्या कारण चालक को झपकी आना प्रतीत होता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बलिया में हेराफेरी के आरोप में तीन राजस्व कर्मियों पर मुकदमा

बलिया। उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के उभांव क्षेत्र में भूलेखों में हेराफेरी करने के मामले में तीन राजस्व कर्मी समेत चार लोगों के विरुद्ध जालसाजी का मामला दर्ज किया गया है । पुलिस सूत्रों ने गुरूवार को बताया कि उभांव थाना में कानूनगो,दो लेखपाल समेत चार लोगों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 419 , 420 , 467 , 468 व 471 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है । उन्होने बताया कि पीड़ित विनोद कुमार जायसवाल की शिकायत है कि उभांव थाना क्षेत्र के बिल्थरा रोड कस्बे में हनुमान प्रसाद पुत्र सीताराम के नाम अंकित जमीन के खतौनी में हेराफेरी करते हुए गलत तरीके से नाम अंकित कर दिया गया है । थाना प्रभारी अविनाश सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है ।

ताजमहल मामला : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लगाई फटकार, कहा- पीआईएल सिस्टम का मजाक न बनाएं

लखनऊ। ताजमहल के 22 कमरों को खोलने को लेकर याचिका पर आज इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच में सुनवाई हो रही है। जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की बेंच में यह सुनवाई हो रही है। इस दौरान जस्टिस डीके उपाध्याय ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाई। उन्होंने जनहित याचिका की व्यवस्था का दुरुपयोग न करने की बात कही। यह भी कहा कि कल आप आएंगे और कहेंगे कि हमें माननीय जज के चेंबर में जाने की इजाजत चाहिए। याचिकाकर्ता से हाई कोर्ट ने कहा कि आप मानते हैं कि ताजमहल को शाहजहां ने नहीं बनाया है? क्या हम यहां कोई फैसला सुनाने आए हैं? जैसे कि इसे किसने बनवाया था या ताजमहल की उम्र क्या है? आपको जिस बारे में पता नहीं है, उस पर रिसर्च करिए। जाइए एमए कीजिए, पीएचडी कीजिए, अगर आपको कोई संस्थान रिसर्च करने से रोक रहा है तो फिर हमारे पास आइए। हाई कोर्ट ने कहा कि आपने ताजमहल के 22 कमरों की जानकारी किससे मांगी? इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि हमने अथॉरिटी से जानकारी मांगी थी। तब हाई कोर्ट ने कहा कि यदि उन्होंने कहा है कि सुरक्षा कारणों से कमरे बंद हैं तो यह जानकारी है। यदि आप इससे संतुष्ट नहीं हैं तो इसे चुनौती दें।

ज्ञानवापी पर फैसला: 17 मई से पहले दोबारा सर्वे, कोर्ट कमिश्नर नहीं बदलेगा, मस्जिद समेत पूरे परिसर का सर्वेक्षण होगा

वाराणसी। विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद मामले में सर्वे के लिए नियुक्त कोर्ट कमिश्नर को बदलने की मांग वाली याचिका पर गुरुवार को फैसला आ गया। कोर्ट ने 17 मई से पहले दोबारा सर्वे का आदेश दिया है। कोर्ट कमिश्नर भी नहीं बदला जाएगा। लगातार तीन दिन तक दोनों तरफ की बहस के बाद बुधवार को सिविल जज (सीनियर डिविजन) की अदालत में फैसला सुरक्षित कर लिया था।

कोर्ट ने आदेश दिया है कि मस्जिद समेत पूरे परिसर का सर्वे होगा। कोर्ट कमिश्नर की कार्यवाही जारी रहेगी। कोर्ट कमिश्नर अजय मिश्र को नहीं बदला जाएगा। विशाल सिंह को विशेष कमिश्नर बनाया गया है। जो पूरी टीम का नेतृत्व करेंगे। उनके साथ अजय प्रताप सिंह को भी शामिल किया गया है।

सर्वे होने तक प्रतिदिन 4 घंटे चलेगी कमीशन की कार्यवाही

अदालत ने आदेश दिया है कि कोर्ट कमिश्नर वादी विपक्षी व अन्य अन्य जरूरी लोगों के साथ मौके पर सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक प्रतिदिन सर्वे होने तक कमीशन की कार्यवाही पूर्ण कर आएंगे। उन्होंने कहा कि 17 मई से पहले या कार्यवाही पूरी कर नियत तिथि पर अदालत में रिपोर्ट पेश करेंगे। अदालत ने जिला प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए नाराजगी भी जताई। आदेश में कहा कि यदि मौके पर मस्जिद के

अंदर प्रवेश करने के दौरान पुलिस व प्रशासन का सहयोग मिला होता तो आज सर्वे की कार्रवाई पूरी हो गई होती। अदालत ने सुनवाई के दौरान जिला प्रशासन व पुलिस आयुक्त की ओर से कोई एफिडेविट नहीं देने पर नाराजगी जताई।

पक्ष व विपक्ष अधिवक्ता व वादियों की बढ़ाई गई सुरक्षा

अदालत ने आदेश आने जयपुर जहां कचहरी परिसर में भारी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी गई थी वही वादी व विपक्ष के अधिवक्ताओं वह पक्षकारों की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा के लिए पुलिस के जवानों की तैनाती भी की गई है। इससे पहले वादी पक्ष के अधिवक्ता ने कोर्ट से अपील की कि चाबी जिस किसी के पास हो, उससे ज्ञानवापी मस्जिद का तहखाना खुलवाएं या ताला तुड़वाएं। कोर्ट कमीशन को अंदर प्रवेश कराकर सर्वे पूरा कराया जाय। वहीं, विपक्षी अधिवक्ता ने सन-1937 के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि मस्जिद का कोर्ट यार्ड वक्फ बोर्ड की संपत्ति है तो उसका सर्वे कैसे हो सकता है। इस प्रकरण में पहली बार काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अधिवक्ता ने भी अपना पक्ष रखा।

बुधवार को वादी अधिवक्ता सुधीर कुमार त्रिपाठी ने कहा था कि कोर्ट कमिश्नर अपना कार्य निष्पक्षता से कर रहे थे। विपक्षी अंजुमन इंतजामिया कमेटी की ओर से इस सर्वे को बाधित करने की नीयत से अर्जी दी गई है जो कहीं से उचित नहीं है। राखी के अधिवक्ता शिवम गौड़ ने न्यायालय को इसी प्रकरण में 21 अप्रैल के हाईकोर्ट के आदेश की प्रति सौंपते हुए कहा कि विपक्षी अंजुमन इंतजामिया कमेटी ने सर्वे की कार्यवाही रोकने के लिए अर्जी दी थी, लेकिन अदालत ने उसे खारिज कर दिया था। अब विपक्षी अधिवक्ता कोर्ट कमिश्नर की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे है, जो उचित नहीं है। उन्होंने अदालत से कहा विपक्षी की आपत्ति कोर्ट कमिश्नर की कार्यवाही रोकने के लिए बाध्य नहीं है।

आजम की पत्नी और बेटे अब्दुल्ला को राहत, कोर्ट ने निरस्त किया गैर जमानती वारंट

रामपुर। उत्तर प्रदेश में रामपुर की एमपी एमएलए कोर्ट ने समाजवादी पार्टी (सपा) के कद्दावर नेता मोहम्मद आजम खान की पत्नी डा तजीन फातिमा और विधायक पुत्र अब्दुल्ला आजम के खिलाफ जारी गैर जमानती वारंट निरस्त कर दिये हैं और दोनो को कोर्ट द्वारा मुकर्रर हर तारीख पर पेश होने के आदेश दिये हैं।

डा फातिमा और अब्दुल्ला आजम के खिलाफ एमपीएमएलए कोर्ट ने बुधवार को गैर जमानती वारंट जारी किये थे जिसके बाद मां पुत्र 24 घंटे के भीतर कोर्ट में हाजिर हो गए। साथ ही उन्होंने पेशी पर नहीं आने की वजह स्वास्थ्य के कारणों को बताया, जिसके चलते एमपी एमएलए कोर्ट ने सशर्त जमानत देते हुए एनबीडब्ल्यू वारंट कैंसिल कर दिए हैं। साथ ही उन्हें हर तारीख पर पेश होने के आदेश दिए है।

शहर विधायक और पूर्व मंत्री आजम खान की पत्नी डॉ तजीन फातिमा और उनके बेटे स्वार टांडा विधायक अब्दुल्ला आजम को न्यायालय ने सशर्त जमानत दे दी है। साथ ही उनके बीते रोज जारी किए गए एलबीडब्ल्यू वारंट वापिस किए हैं। डा तजीन फातिमा और अब्दुल्ला आजम आज सुबह कोर्ट में पेश हुए। इस दौरान पिछली तारीखों पर न्यायालय में हाजिर नहीं होने का कारण उन्होंने व्यक्तिगत स्वास्थ्य बताया। साथ ही अन्य कारण बताएं और इससे संबंधित कागजात भी प्रस्तुत किए, जिसके चलते न्यायालय ने उन्हें जमानत दे दी और उनके एनबीडब्ल्यू वारंट भी कैंसिल कर दिए।

न्यायालय ने एक लाख रूपये के बॉन्ड भी दोनों से भरवाए हैं। साथ ही अब्दुला को हर तारीख पर जबकि डा तजीन फातिमा को न्यायालय द्वारा बुलाए जाने पर पेश होना पड़ेगा।

अब्दुल्ला पक्ष के अधिवक्ता जुबैर अहमद खान ने बताया कि उन्होंने न्यायालय में पेश होकर बताया कि उनके मुवक्किल भाग नहीं रहे हैं, ना ही अदालत की कार्यवाही में रुकावट डाल रहे हैं, बल्कि स्वास्थ्य के कारण उपस्थित नहीं हुए थे। अधिवक्ता जुबैर अहमद खान डा ताजीन फात्मा के ओवरी और स्पाइन के दो ऑपरेशन हो चुके हैं।

साथ ही सीतापुर जेल में गिरने से फ्रैक्चर भी हो गया था, जिसके चलते वह उपस्थिति नही हो सके। आगे से ऐसा नहीं होगा। इस पर न्यायालय ने उन्हें सशर्त बेल दी है। इस मामले में अब 16 मई मुकर्रर की गई है।

मुरादाबाद में लापता युवक की हत्या की आशंका

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद के सिविल लाइंस इलाके से पांच मई को लापता युवक का पुलिस अब तक पता नहीं लगा सकी है वहीं परिजनो ने उसकी हत्या की आशंका जतायी है।

पुलिस सूत्रों ने गुरूवार को बताया कि बिजनौर के धामपुर निवासी निपेंद्र सिंह की ससुराल मुरादाबाद के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में महलकपुर निजामपुर गांव में है। शादी के बाद से ही निपेंद्र सपरिवार ससुराल में रहता था। उनका एक बच्चा भी है। पांच मई की शाम को गांव के ही दोस्त नीरज के साथ निपेंद्र कार ठीक कराने घर से निकला था ।छह मई को पत्नी गीता की ओर से सिविल लाइंस थाने में पति निपेंद्र सिंह के लापता होने की तहरीर दी थी, पुलिस ने गुमशुदगी मे रिपोर्ट दर्ज कर मामले की छानबीन की तो पता चला था कि निपेंद्र के घर से जाते समय गांव का नीरज भी उसके साथ गया था।

गीता ने पुलिस को बताया था कि नीरज ने मोबाइल फोन पर कुछ ही देर बाद निपेंद्र समेत घर वापस लौटने की बात भी कही थी मगर इसके बाद से न तो निपेंद्र घर लौटा और न ही नीरज का कोई अता-पता चल सका। गीता-निपेंद्र के बीच अवैध संबंधों को ध्यान में रखते हुए जांच से दोनों की अंतिम लोकेशन उत्तराखंड में जाकर मिली है। इसी दौरान लापता बेटे निपेंद्र सिंह के साथ किसी अनहोनी की आशंका से चिंतित मां ने घटना में बहू की भूमिका पर सवाल उठाया तो पुलिस का शक और पक्का हो गया कि निपेंद्र की गुमशुदगी की साजिश के पीछे कहीं अवैध संबंध तो नहीं है।

गुमशुदगी के बाद मां द्वारा बेटे निपेंद्र की हत्या की आशंका जताई जा रही है ।लोकेशन ट्रेस हो जाने के बाद से पुलिस लगातार शव बरामदगी तथा सुबूत जुटाने के लिए जुटी हुई है। बताया जाता है कि नीरज और निपेंद्र की पत्नी के बीच अवैध संबंध थे जिसमें निपेंद्र रोड़ा बन रहा था।

गाजीपुर में धरना प्रदर्शन करेंगे ओमप्रकाश राजभर

एजेंसी

गाजीपुर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने गाजीपुर पुलिस पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुये शुक्रवार को धरना प्रदर्शन का आह्वान किया है।

श्री राजभर ने गुरूवार को कहा कि पुलिस की वादाखिलाफी के खिलाफ उनकी पार्टी 13 मई को सरजू पांडेय पार्क में धरना-प्रदर्शन करेगी। पुलिस ने 24 घंटे का समय लिया था कि अपराधियों को गिरफ्तार करेंगे और हमारे खिलाफ दर्ज मुकदमे समाप्त करेंगे लेकिन अभी तक कुछ नही हुआ है। उन्होने कहा इस विशाल-धरने प्रदर्शन में मैं खुद उपस्थित रहूंगा।

सुभासपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव अरविंद राजभर ने पार्टी के लेटर हेड पर सूचना जारी कर समस्त जिलाध्यक्षों व पार्टी पदाधिकारियों को गाजीपुर पहुंचाने व धरना प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया है।

गौरतलब है कि जहूराबाद विधानसभा क्षेत्र के मानसपुर पहदरिया में मंगलवार दोपहर आपसी विवाद में पुलिस ने ओमप्रकाश राजभर समेत कुल 32 लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की थी।

इस बाबत गाजीपुर पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह का कहना है कि जहूराबाद विधायक व सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर पर कोई हमला नहीं हुआ था। विवाद होने के बाद दोनों ही पक्षों की तहरीर पर 16-16 लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर जांच- पड़ताल की जा रही है। इस प्रकरण में जो भी पक्ष सामने आएंगे उस अनुरूप विधिक कार्रवाई की जाएगी।

श्री राजभर पहदरिया गांव के 16 युवकों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंगीपुर विधायक वीरेंद्र यादव, फेफना विधायक संग्राम यादव के साथ धरने पर बैठ गए थे। पुलिस के काफी अनुरोध व 24 घंटे में कार्रवाई के आश्वासन पर माने और देर शाम धरना समाप्त किया। इसके बाद दूसरे पक्ष की ओर से भी शिकायत किए जाने के बाद पुलिस ने दोनों ही पक्षों की ओर से क्रास मुकदमा दर्ज करते हुए कुल 32 लोगों को अभियुक्‍?त बनाया है।

इस मामले में अब पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। इधर दूसरे पक्ष की ओर से बलिया सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त के प्रतिनिधि व भारी संख्या में स्थानीय भाजपा नेता भी पहुंच कर निष्पक्ष जांच की मांग की थी। उनका आरोप था कि ओमप्रकाश राजभर चारागाह की जमीन को लेकर विवाद में शामिल हो रहे थे।

इस बाबत विरोध शुरू होने पर वह धरना प्रदर्शन करने के साथ ही दबाव बना रहे थे। इस मामले में दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस 32 के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर जांच- पड़ताल कर रही है।

उप्र : सरकारी कार्यक्रमों में पूर्व मंत्री या विधायक नहीं होंगे मुख्य अतिथि

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में संसदीय शिष्टाचार के अनुपालन के लिए एक आदेश जारी करते हुए कहा है कि अब किसी सरकारी कार्यक्रम में प्रोटोकॉल के मुताबिक मौजूदा मंत्री, विधायक या सांसद की मौजूदगी में किसी पूर्व मंत्री या अन्य जनप्रतिनिधि को मुख्य अतिथि नहीं बनाया जा सकेगा।

सरकारी कार्यक्रमों के लिए प्रदेश में जिला प्रशासन के अधिकारियों को बुधवार देर शाम जारी हुए निर्देश के मुताबिक अब किसी सरकारी कार्यक्रम में मौजूदा विधानसभा या विधान परिषद सदस्य की उपस्थिति में पूर्व मंत्री या पूर्व विधायक को मुख्य अतिथि नहीं बनाया जा सकेगा। संसदीय शिष्टाचार क्रियान्वयन अनुभाग ने मुख्य सचिव के निर्देश पर प्रोटोकॉल के मुताबिक विभिन्न पदों की सूची वरिष्ठता क्रम में जारी की है। राज्य सरकार के प्रमुख सचिव जे पी सिंह द्वारा जारी आदेश में एक जिले में आयोजित सरकारी कार्यक्रम में मौजूदा विधायक के मौजूद रहते हुए एक पूर्व मंत्री को मुख्य अतिथि बनाये जाने की घटना का हवाला आदेश जारी कर स्थिति स्पष्ट किया गया है।

इस घटना पर संज्ञान लेते हुए संसदीय अनुश्रवण समिति की बैठक में दिये गये सुझावों के आधार पर शासन ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को 2013 में जारी पूर्व आदेश को ही आधार बनाते हुए प्रोटोकॉल संबंधी आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि पूर्व मंत्री और अन्य पूर्व जनप्रतिनिधियों को उक्त सूची में स्थान नहीं दिया गया है, इसलिये सरकारी कार्यक्रमों में इन्हें वर्तमान जनप्रतिनिधि की मौजूदगी में मुख्य अतिथि नहीं बनाया जा सकता है।

कोटिक्रम के आधार पर जारी सूची में सबसे ऊपर राज्यपाल हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, विधान परिषद के सभापति, विधानसभा अध्यक्ष, उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीश, राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री, दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष और लोकायुक्त शामिल हैं। इसके बाद निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का स्थान इस सूची में निर्दिष्ट किया गया है।

मेरठ में विभिन्न हादसों में छह लोगों की मौत, चार घायल

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में बुधवार सुबह से रात तक हुए विभिन्न हादसों में दो महिलाओं समेत छह लोगों की मौत हो गयी और चार लोग बुरी तरह घायल हो गये। पुलिस ने गुरुवार को यहां बताया कि रेलवे रोड क्षेत्र के रामताल वाटिका के पास बुधवार सुबह चीनी मांझे की चपेट में आने से 26 वर्षीय बाइक सवार गौरव राजपूत की गर्दन कटने से मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एक अन्य घटना में बेगम पुल पर कैंट अस्पताल के सामने बुधवार रात रोडवेज बस की चपेट में आने से गेसूपुर बफावत दौराला निवासी बाइक सवार सुधीर की मौत हो गई। हादसे के

बाद आक्रोशित भीड़ ने बस चालक को बुरी तरह पीटा और बस में तोड़फोड़ का प्रयास किया। देहात क्षेत्र के परीक्षितगढ़ में खानपुर मोड़ के पास एक अनियंत्रित कार की टक्कर से एक बुजुर्ग और उनके पोते की मौत हो गई। गांव खजूरी निवासी 52 वर्षीय जाकिर गांव में किराना स्टोर चलाते थे। बुधवार दोपहर वह अपने आठ वर्षीय पोते अरमान के साथ मोपेड पर दुकान का सामान लेने परीक्षितगढ़ गए थे। लौटते समय खानपुर मोड़ के पास मेरठ की ओर से आ रही कार ने मोपेड में सामने से टक्कर मार दी। हादसे में जाकिर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अरमान गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। मवाना में मेरठ रोड पर रिलायंस पेट्रोल पंप के पास बाइकों की भिड़ंत में एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। बताया गया है कि कुशीनगर गोरखपुर निवासी 27 वर्षीया सुनीता गन्ना समिति परिसर में रहती थी। वह मोहल्ला मुन्नालाल निवासी रीना के साथ राफन के पास एक फैक्टरी में काम करती थी। बुधवार शाम वह एक बाइक सवार से लिफ्ट लेकर घर जा रही थी। फैक्टरी से कुछ ही दूर एक अन्य बाइक सवार ने टक्कर मार दी जिसमें सुनीता बुरी तरह घायल हो गई। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कस्बा सरधना में मेरठ-करनाल हाईवे पर बस की टक्कर से बुग्गी सवार दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने घायल दंपती को निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि दबथुवा निवासी मंगल सैन बुधवार देर शाम खेत मे ईख की बुआई कर पत्नी पीतम कौर के साथ भैंसा बुग्गी में घर लौट रहा था।

फीस न देने पर स्कूल ने बच्चों और अभिभावकों को बनाया बंधक, मुकदमा दर्ज

एजेंसी

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक शिक्षण संस्थान की फीस जमा न होने पर बच्चों और अभिभावकों को बंधक बनाने, सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने और धमकी देने के मामले में हार्टमैन कालेज प्रबंधन और स्टाफ के खिलाफ पुलिस ने दो मामले दर्ज किये हैं।

बरेली के इज्जतनगर थाने में बुधवार को देर रात दर्ज हुयी एफआईआर में संस्थान की कॉर्डिनेटर शालिनी जुनेजा, मैनेजर ज्वैल मैसी, प्रधानाचार्य अनिल कुल्लू व शिक्षक रोशन भी नामजद किए गये। इस मामले में एक एफआईआर बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रोहित सिंह सजवाण और दूसरी एफआईआर आइजी रेंज रमित शर्मा के हस्तक्षेप से दर्ज की गयी है। एतिहात के तौर पर कालेज के बाहर पुलिस तैनात की गयी है।

आइजी रेंज रमित शर्मा ने बताया कि बच्चों और अभिभावकों को बंधक बनाने सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने और धमकी देने के मामले की शिकायत मिली थी। एसएसपी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के जीवन से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में इज्जतनगर थाने में आरोपितों के विरुद्ध एक और मुकदमा दर्ज कराया गया है। एक दिन पहले मुकदमे में सामने आए नामों को भी शामिल किया जाएगा। दोनों एफआईआर आईपीसी की धारा 342 और 506 दर्ज हुयी है। जाँच में कुछ और लोगों के नाम आ सकते हैं और धारायें भी बढ़ सकती है।

सजवाण ने कहा कि इस मामले में पुलिस संस्थान के सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेगी। इज्जतनगर पुलिस के मुताबिक, पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद होने की बात सामने आई है। लिहाजा, जांच में जिन जिन आरोपियों के नाम सामने आयेंगे, उन्हें भी नामजद किया जायेगा।

स्कूल परिसर में उत्तेजक भाषण देने व सांप्रदायिक माहौल खराब करने की बातें सामने आने पर खुफिया एजेंसियां भी प्रकरण की जांच में जुट गई हैं। वह हर बिंदु की बारीकी से छानबीन कर रही हैं। शासन से पूरे मामले में रिपोर्ट तलब की गई है।

अभिभावक नरेंद्र राणा ने सजवाण को बताया कि उनके बच्चे हार्टमैन कॉलेज में पढ़ते हैं।

आज़म के साथ द्वेषपूर्ण तरीक़े से अन्याय कर रही उप्र की भाजपा सरकार : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने जेल में बंद समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ विधायक आज़म खान के साथ उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा अन्याय किए जाने का आरोप लगाया है। मायावती ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से नाराज़ बताए जा रहे आज़म के लिए हमदर्दी व्यक्त करते हुए गुरुवार को भाजपा शासित राज्यों में कांग्रेस सरकारों की तर्ज़ पर विरोधी दलों के नेताओं, ग़रीबों, दलितों और मुस्लिमों पर ज़ुल्म करने का आरोप लगाया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, यूपी व अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी, कांग्रेस की ही तरह, जिस प्रकार से टारगेट करके गरीबों, दलितों, अदिवासियों एवं मुस्लिमों को जुल्म-ज्यादती व भय आदि का शिकार बनाकर उन्हें परेशान किया जा रहा है यह अति-दु:खद, जबकि दूसरों के मामलों में इनकी कृपादृष्टि जारी है। मायावती ने रामपुर से सपा विधायक आज़म खान का उदाहरण देते हुए कहा, इसी क्रम में यूपी सरकार द्वारा अपने विरोधियों पर लगातार द्वेषपूर्ण व आतंकित कार्यवाही तथा वरिष्ठ विधायक मोहम्मद आज़म खान को करीब सवा दो वर्षों से जेल में बन्द रखने का मामला काफी चर्चाओं में है, जो लोगों की नज़र में न्याय का गला घोंटना नहीं तो और क्या है? एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा, साथ ही, देश के कई राज्यों में जिस प्रकार से दुर्भावना व द्वेषपूर्ण रवैया अपनाकर प्रवासियों व मेहनतकश समाज के लोगों को अतिक्रमण के नाम पर भय व आतंक का शिकार बनाकर, उनकी रोजी-रोटी छीनी जा रही है।

शार्ट न्यूज

चाँदी में भारी गिरावट, सोना भी नरम

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमती धातुओं में जारी गिरावट का असर आज घरेलू स्तर पर भी दिखा जहां चाँदी 1330 रुपये प्रति किलो और सोना 150 रुपये प्रति दस ग्राम उतर गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.41 प्रतिशत टूटकर 1843.16 डॉलर प्रति औंस पर और अमेरिका सोना वायदा 0.42 प्रतिशत फिसलकर 1844.80 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चाँदी 2.44 प्रतिशत टूटकर 21.03 डॉलर प्रति औंस पर रही। घरेलू स्तर पर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 150 रुपये उतरकर 50672 रुपये प्रति दस ग्राम पर और सोना मिनी 152 रुपये गिरकर 50721 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। इस बीच चाँदी 1330 रुपये की गिरावट लेकर 59421 रुपये प्रति किलोग्राम और चाँदी मिनी 1326 रुपये फिसलकर 59776 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही।

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर मार्च 2022 में 1.9 प्रतिशत

नयी दिल्ली। विनिर्माण क्षेत्र में गतिविधियों के अपेक्षाकृत शांत रहने के बीच मार्च 2022 में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक वृद्धि दर 1.9 प्रतिशत रही। फरवरी 2022 में औद्योगिक उत्पादन में सालाना आधार पर 1.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी थी। जबकि मार्च 2021 में औद्योगिक वृद्धि दर में एक साल पहले कोरोना प्रभावित दौर के मुकाबले 24.2 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया था। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च 2022 में वार्षिक आधार पर विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 0.9 प्रतिशत, खनन क्षेत्र का उत्पादन 4 प्रतिशत और बिजली उत्पादन 6.1 प्रतिशत बढ़ा। नाइट फ्रैंक इंडिया के निदेशक(अनुसंधान) विवेक राठी ने कहा, आर्थिक गतिविधियों पर रूस और यूक्रेन के युद्ध से उत्पन्न भू-राजनैतिक संकट और मूल्य अस्थिरता का प्रभाव है। जितनी जल्दी यह तनाव खत्म होगा उतना ही अर्थव्यवस्था के लिए ठीक होगा। प्राथमिक वस्तुओं का उत्पादन इस बार मार्च में 5.7 प्रतिशत बढ़ा। पूंजीगत समान और माध्यवर्ती वस्तु उद्योग के उत्पादन में क्रमश: 0.7 और 0.6 प्रतिशत की हल्की वृद्धि दर्ज की गयी। अवसंरचना/निर्माण सामग्री उद्योग के उत्पादन में मार्च में एक साल पहले की तुलना 7.3 प्रतिशत की वृद्धि रही।

रुपया 25 पैसे टूटा

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं कर तुलना में डॉलर के नरम पड़ने के बीच घरेलू स्तर पर शेयर बाजार में रही भारी गिरावट का दबाव आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार पर रुपया दिखा जहां रुपया 25 पैसे फिसलकर 77.50 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। रुपया कल 77.25 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 27 पैसे की गिरावट के साथ 77.52 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 77.63 रुपये प्रति डॉलर के निचले और 77.36 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में 25 पैसे फिसकलर 77.50 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। आज शेयर बाजार में 1158 अंकों की तेजी गिरावट दर्ज की गयी जिससे रुपया पर भारी दबाव बना।

खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में गिरावट के साथ ही स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव पिछले स्तर पर पड़े रहे। तेल-तिलहन = वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 163 रिंगिट उतरकर 6990 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का मई वायदा 1.04 सेंट की गिरावट लेकर 82.41 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सूरजमुख तेल 366 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि मूंगफली तेल 367 रुपये प्रति क्विंटल और सोया रिफाइंड 293 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। वहीं, सरसों तेल, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी = मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव में स्थिरता रही। दाल-दलहन = दाल-दलहन के बाजार में भी टिकाव रहा। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज : अनाज मंडी में स्थिरता रही। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव स्थिर रहे।

जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर ने ओडिशा के पारादीप ईस्ट क्वे टर्मिनल का शुभारंभ किया

नयी दिल्ली। जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनी जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर ने ओडिशा के पारादीप ईस्ट क्वे टर्मिनल में वाणिज्यिक स्तर पर कामकाज शुरू कर दिया है। कंपनी ने पारादीप पोर्ट पर इस टर्मिनल के लिए 1,300 करोड़ रुपये का निवेश किया है। जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि पारादीप पोर्ट ट्रस्ट में इस टर्मिनल में पूरी तरह से मशीनी सुविधाएं हैं और कोयले की ढुलाई के संबंध में इसकी वार्षिक क्षमता 3 करोड़ टन है। पारादीप पोर्ट पर तल की साफ-सफाई का काम पूरा होने के बाद यह काफी बड़े आकार के जहाजों को संभालने में सक्षम होगा। इस टर्मिनल की प्रतिदिन25 रेक उतारने की क्षमता है और यह एक साथ दो जहाजों पर सामानों को लादने में सक्षम है। पारादीप पोर्ट ट्रस्ट ने 30 साल के लिए निर्माण, संचालन एवं हस्तांतरण के आधार पर पूरी तरह से मशीनी सुविधाओं वाले इस कोयला टर्मिनल को विकसित करने की जिम्मेदारी जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर को सौंपा है। इस कोयला टर्मिनल के चालू होने के बाद जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर की समान को संभालने की मौजूदा क्षमता वार्षिक आधार पर 15 करोड़ टन को पार कर गई है। कंपनी ने वित्त-वर्ष 2023-24 तक अपनी कुल क्षमता को वार्षिक आधार पर 20 करोड़ टन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर के संयुक्त प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण माहेश्वरी ने कहा, कोयले की आवाजाही के लिए पारादीप बंदरगाह सबसे आकर्षक समुद्री मार्ग बना हुआ है। इस टर्मिनल के चालू होने से, भारत अब कुशल संचालन के साथ बहुत बड़े आकार पर जहाज में लदाई की पेशकश कर सकता है। हमें उम्मीद है कि उच्च उत्पादकता और बड़े आकार के जरिए, हमारे कोयला ग्राहकों के लिए कुल मिलाकर इसे लाने और ले जाने की लागत में कमी आएगी।

बिटकॉइन दिसंबर 2020 के बाद सबसे निचले स्तर पर

विक्टोरिया। डिजिटल मुद्रा बिटकॉइन का भाव गुरुवार को 14 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ दिसंबर 2020 के बाद पहली बार 27,000 डॉलर से नीचे आ गया। जो सबसे निचले स्तर पर है। क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग एक्सचेंज बिनेंस पर बिटकॉइन का भाव ग्रीनविच समय (जीएमटी) 06:00 बजे (भारतीय समयानुसार पूर्वाह्न 11:30 बजे तक) 14.07 प्रतिशत गिरकर 27,089 डॉलर पर था और कुछ सौदे 26,700 डॉलर के निचले भाव पर भी हो रहे थे। बीस से अधिक एक्सचेंजों में औसत मूल्य की गणना करने वाले कोइनमार्केटकैप पोर्टल के अनुसार बिटकॉइन का भाव दिन के दौरान 14.63 प्रतिशत गिरकर 26,885 डॉलर तक आ गया था।

पेट्रोल-डीजल के दाम 36वें दिन भी स्थिर

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों ने गुरुवार को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की, जिसके कारण लगातार 35वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहें। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपये प्रति लीटर पर मौजूद है। यूक्रेन तथा रूस के बीच जारी जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में घट-बढ़ जारी है। अंतरराष्ट्रीय लंदन ब्रेंट क्रूड आज 1.26 प्रतिशत गिरकर 106.16 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 1.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.28 डॉलर प्रति बैरल की कीमत पर कारोबार कर रहा है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। कंपनियों ने 46 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था के सुस्त पड़ने की आशंका से शेयर बाजार में कोहराम

एजेंसी

मुंबई। अमेरिका में आसमान छूती महंगाई को काबू में करने के लिए फेड रिजर्व के ब्याज दरों में फिर तेजी वृद्धि करने के रुख से वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त पड़ने की आशंका से हताश निवेशकों की बिकवाली के दबाव में विदेशी बाजारों के करीब डेढ़ वर्ष के निचले स्तर पर आने से आज घरेलू शेयर में कोहराम मच गया।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार के रुख के बीच वित्त सचिव टी. वी. सोमनाथन के गुरुवार के उस बयान का भी घरेलू शेयर बाजार पर असर पड़ा, जिसमें उन्होंने कहा यदि रिजर्व बैंक ब्याज दरों में बढ़ोतरी करता है तो देश की आर्थिक विकास दर धीमी पड़ जाएगी।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1158.08 अंक का गोता लगाकर लगभग नौ सप्ताह के निचले स्तर और 53 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 52930.31 अंक पर आ गया। इससे पूर्व सेंसेक्स 07 मार्च को 52,842.75 अंक पर रहा था।

इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 359.10 अंक लुढ़ककर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 15808 अंक पर रहा।

इस दौरान वैश्विक बाजार में हाहाकार रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 2.41, जर्मनी का डैक्स 2.30, जापान का निक्केई 1.77, हांगकांग का हैंगसेंग 2.24 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.12 प्रतिशत लुढ़क गया। इससे हताश निवेशकों ने बीएसई के सभी 19 समूहों में जमकर बिकवाली की, जिससे बेसिक मैटेरियल्स 2.56, सीडीजीएस 2.04, वित्त 3.14, इंडस्ट्रियल्स 2.72, दूरसंचार 2.81, यूटिलिटीज 3.90, ऑटो 2.03,

बैंकिंग 3.14, कैपिटल गुड्स 2.46, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.63, धातु 3.75, रियल्टी 2.25 और पावर समूह के शेयर 4.11 प्रतिशत गिर गए।

इस बीच निवेश सलाह देने वाली कंपनी स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, यह बाजार कमजोर लोगों के लिए नहीं है क्योंकि बाजार में अभी और गिरावट आना संभव है और अल्पावधि में अस्थिरता के मोर्चे पर कोई राहत नहीं मिलेगी। निवेशकों को विशेष रूप से जिन्होंने कोविड बाद बाजार में प्रवेश किया है उन्हें शेयर बाजार से अपनी उम्मीदों को फिलहाल कम करना होगा।

शेयर बाजार ने आज हाहाकार के साथ कारोबार की शुरुआत की। सेंसेक्स 480 अंक की बड़ी गिरावट लेकर 53,608.35 अंक पर खुला। हालांकि मामूली लिवाली से यह थोड़ी देर बाद 53,632.55 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। पूरे सत्र धीमी चाल में उतार-चढ़ाव से गुजरता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में बिकवाली के दबाव में 52,702.30 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया।

संभलने की कोशिशें के बावजूद अंत में यह पिछले दिवस के 54,088.39 अंक के मुकाबले 2.14 प्रतिशत गिरकर 52,930.31 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3447 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2614 में गिरावट जबकि 747 में तेजी रही वहीं 86 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

इसी तरह निफ्टी भी 146 अंक टूटकर 16,021.10 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 16,041.95 अंक के उच्चतम जबकि 15,735.75 अंक के निचले स्तर पर रहा।

अंत में पिछले दिवस के 16,167.10 अंक की तुलना में 2.22 प्रतिशत लुढ़ककर 15,808 अंक पर रहा। इस दौरान एनएसई में 45 कंपनियों के शेयर लाल जबकि पांच हरे निशान पर रहे।

इस दौरान सूचना प्रौद्योगिकी समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली कंपनी विप्रो की 0.91 प्रतिशत की तेजी को छोड़कर सेंसेक्स की शेष 29 कंपनियों ने गोता लगाया। इंडसइंड बैंक ने सबसे अधिक 5.82 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

इसके अलवा गिरावट पर रहने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में टाटा स्टील 4.13, एक्सिस बैंक 3.44, एचडीएफसी बैंक 3.34, एचडीएफसी 3.17, एलटी 3.00, एसबीआई 2.93, एनटीपीसी 2.65, आईसीआईसीआई बैंक 2.56, रिलायंस 1.99, मारुति 1.63, इंफोसिस 1.18, आईटीसी 1.04 और टीसीएस 0.06 प्रतिशत शामिल रही।

एयर इंडिया ने कैम्पबेल विल्सन को सीईओ और एमडी नियुक्त किया

कोलकाता। टाटा संस ने गुरुवार को कैम्पबेल विल्सन को एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त करने की घोषणा की।

एयर इंडिया के निदेशक मंडल ने नियामकिय अनुमोदन के जुड़े विषयों को ध्यान में रखते हुए श्री विल्सन की नियुक्त की मंजूरी दी।

कंपनी ने बताया है कि कैम्पबेल विल्सन (50) को विमानन सेवा क्षेत्र में काम करने का करीब 26 वर्ष का अनुभव है। वह किफायती और संपूर्ण सुविधा देने वाली -दोनों तरह की एयरलाइनों में काम कर चुके हैं। वह वर्ष 2011 में सिंगापुर एयरलाइंस की किफाती दर की सेवाएं देने वाली एयरलाइन स्कूट के संस्?थापक सीईओ बनाए गए थे और उस पर पर 2016 तक बने रहे ।

एयर इंडिया के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने विल्सन के नियुक्ति पर कहा, एयर इंडिया में कैंपबेल का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। वह एक उद्योग के दिग्गज हैं जिन्होंने कई कार्यों में प्रमुख वैश्विक बाजारों में काम किया है। इसके अलावा, एयर इंडिया को एशिया में एयरलाइन ब्रांड बनाने के उनके अनुभव से लाभ होगा। मैं एयर इंडिया को एक विश्व स्तरीय एयरलाइन बनाने के लिए उनके साथ काम करने को उत्सुक हूँ।

श्री विल्सन ने 1996 में सिंगापुर की एयरलाइन एसआईए के साथ प्रबंधन प्रशिक्षु के तौर पर न्यूजीलैंड में करियर शुरू किया था। वर्ष 2011 में स्कूट के संस्थापक सीईओ के रूप में सिंगापुर लौटने से पहले उन्होंने एसआईए के लिए कनाडा, हांगकांग और जापान में काम किया था। वह 2016 में फिर एसआईए में जुड़ गए और वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिक्री और विपणन के रूप में कार्य किया। जहां उन्होंने अप्रैल 2020 में दूसरी बार स्कूट के सीईओ की जिम्मेदारी संभालने से पहले एसआईए में मूल्य निर्धारण, वितरण, ईकामर्स, मर्चेंडाइजिंग, ब्रांड और मार्केटिंग, वैश्विक बिक्री और एयरलाइन के विदेशी कार्यालयों का काम देखा।

श्री विल्सन ने न्यूजीलैंड में कैंटरबरी विश्वविद्यालय से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर ऑफ कॉमर्स (प्रथम श्रेणी ऑनर्स) उपाधि हासिल की है।

उन्होंने एक बयान में कहा, प्रतिष्ठित एयर इंडिया का नेतृत्व करने और अत्यधिक सम्मानित टाटा समूह का हिस्सा बनने के लिए चुना जाना मेरे लिस सम्मान की बात है।

एयर इंडिया दुनिया की सर्वश्रेष्ठ एयरलाइनों में से एक बनने के लिए यात्रा के शिखर पर है, जो एक विशिष्ट ग्राहक अनुभव के साथ विश्वस्तरीय उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करती है, जो भारतीय आतिथ्य को दर्शाती है। मैं अपनी महत्वाकांक्षा को साकार करने के मिशन में एयर इंडिया और टाटा के के साथ जुड़ने के लिए उत्साहित हूँ।

इससे पहले टाटा समूह ने टर्किश एयरलाइन पूर्व प्रमुख इलकर आयसी को एयर इंडिया का सीईओ बनाने का निर्णय किया था लेकिन श्री आयसी ने टाटा समूह के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया।

खुदरा मुद्रास्फीति में उछाल जारी अप्रैल में पहुंची 7.79 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली। खाद्य तेल, साग-सब्जियों तथा अनाज और मांस-मछली की कीमतों में तेजी के बीच खुदरा मूल्य सूचकांक के आधार पर मुद्रास्फीति अप्रैल 2022 में बढ़कर आठ साल के अपने उच्चतम स्तर 7.79 प्रतिशत पर पहुंच गयी।

इससे पिछले माह मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति 6.95 प्रतिशत और अप्रैल 2021 में 4.23 प्रतिशत थी। इससे पहले मई 2014 में खुदरा मुद्रास्फीति 8.3 प्रतिशत थी।

ष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में सभी वस्तु समूहों का खुदरा मूल्य सूचकांक 170.1 रहा जो अप्रैल 2021 में 157.8 अंक था। अप्रैल में कुल मिलाकर खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 8.38 प्रतिशत रही जो मार्च महीने में 7.68 प्रतिशत थी। पिछले साल अप्रैल में खाद्य मुद्रास्फीति 1.96 प्रतिशत थी। अप्रैल महीने में ग्रामीण क्षेत्र संबंधी खुदरा मुद्रास्फीति एक महीने पहले के 7.66 प्रतिशत से बढ़कर 8.38 प्रतिशत पर पहुंच गयी।

इसी दौरान शहरी क्षेत्र के लिए खुदरा मुद्रास्फीति मार्च के 6.12 प्रतिशत की तुलना में अप्रैल में 7.09 प्रतिशत पर पहुंच गयी।

यह लगातार चौथा महीना है जबकि खुदरा मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित 06 प्रतिशत के ऊपर लक्षित दायरे से ऊपर है। रिजर्व बैंक ने महंगाई पर नियंत्रण के लिए इस माह के शुरू में अपनी नीतिगत दर में 0.40 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 4.40 प्रतिशत कर दिया है।

3 रुपये से 240 पर पहुंचा यह मल्टीबैगर शेयर, साल भर में 1 लाख के बन गए 75 लाख

एजेंसी

नई दिल्ली। एक पेनी स्टॉक (कीमत के हिसाब से सस्ते शेयर) ने साल भर में ही लोगों को मालामाल कर दिया है। इस शेयर ने एक साल में छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। यह शेयर सेजल ग्लास का है। सेजल ग्लास के शेयरों ने पिछले एक साल में 7,500 पर्सेंट से ज्यादा का रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर पिछले 1 साल में 3 रुपये से बढ़कर 240 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 517 रुपये है। सेजल ग्लास के शेयर 30 अप्रैल 2021 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 3.20 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 12 मई 2022 को बीएसई में 240 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। सेजल ग्लास के शेयरों ने पिछले एक साल में निवेशकों को 7500 पर्सेंट से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

अगर किसी व्यक्ति ने 30 अप्रैल 2021 को कंपनी के शेयरों ने 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 75 लाख रुपये होता।

स्तन कैंसर के उपचार के लिए फेसगो भारत में लांच

नयी दिल्ली। रॉश फार्मा ने आज भारत में फेसगो पेश करने की घोषणा की। यह दो मोनोक्लोनल एंटीबॉडी - परजेटा (परटुजुमाब) और हर्सेप्टिन (ट्रासटुजुमाब) को हायलूरोनिडेस के साथ संयोजित करके तैयार किया गया ऑन्कोलॉजी का अब तक का पहला फिक्स्ड डोज फॉर्मूलेशन है।

कंपनी ने यहां कहा कि इसे शुरुआती और मेटास्टेटिक एचईआर 2 पॉजिटिव स्तन कैंसर के उपचार के लिए त्वचा के नीचे लगाए जाने वाले इंजेक्शन से इंट्रावेनस (आईवी)कीमोथेरेपी के मेल में दिया जाता है। रॉश ने पहली बार दो मोनोक्लोनल एंटीबॉडी को मिलाया है और इसे एक एकल एससी इंजेक्शन से लगाया जा सकता है।

रॉश फार्मा इंडिया के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक वी सिम्पसन इमैनुएल कहा,फेसगो एक महत्वपूर्ण दवा है जो सुविधा प्रदान करेगी और स्तन कैंसर से पीड़ित रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करेगी और इन-क्लिनिक समय को काफी कम कर देगी।

मरीजों और उनकी देखभाल करने वालों को अब अस्पताल में कम समय बिताना होगा और उनके साथ बिताने के लिए ज्यादा समय होने की उम्मीद है जो सबसे ज्यादा पसंद हों। यह स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों की दक्षता को भी बढ़ाएगा क्योंकि इसके लिए कम तैयारी और लगाने के लिए कम समय की आवश्यकता होती है। दवा तेजी से दिये जा सकने से रोगियों और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों दोनों के समय की बचत होती है और स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों को लागत बचत लाभ होता है।

फेसगो, हमारे उद्देश्य के प्रति रोश की प्रतिबद्धता का एक और उदाहरण है, जो अब मरीजों को आगे क्या चाहिए और स्तन कैंसर के उपचार के क्षेत्र में अग्रणी प्रयासों के रूप में है।

उन्होंने कहा कि फेसगो को जांघ में त्वचा में इंजेक्शन के रूप में लगाया जाता है।

उपचार के प्रत्येक दौर के लिए आईवी फॉर्मूलेशन के साथ घंटों की तुलना में इसे लगाने में कुछ मिनट लगते हैं, इस प्रकार रोगियों के लिए इलाज का समय 90 प्रतिशत तक कम हो जाता है। स्तन कैंसर की थेरैपी के लिए यह एक तेज़, अधिक सुविधाजनक और कम आक्रामक साधन प्रदान करता है।

प्लंबेक्स इंडिया में भारत टैप पहल और निर्मल जल प्रयास का शुभारंभ

नयी दिल्ली। प्लंबिंग, पानी और स्वच्छता उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी एवं सम्मेलन के शुभारंभ के मौके पर आज 'भारत टैप पहल' की शुरुआत की गयी, जो भारत को जल संरक्षण और सतत विकास के एक नए युग में ले जाने के लिए लौ फ्लो फिक्सचर्स और सैनिटरीवेयर विकसित करने का एक कार्यक्रम है। इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी एवं कार्यक्रम का उद्घाटन आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने किया। श्री सिंह ने 'भारत टैप पहल' की शुरुआत की, जो भारत को जल संरक्षण और सतत विकास के एक नए युग में ले जाने के लिए लौ फ्लो फिक्सचर्स और सैनिटरीवेयर विकसित करने के लिए एक कार्यक्रम है। बीआईएस सर्टिफाइड वाटर एफिसिएंट प्लंबिंग फिक्सचर्स को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता सृजन की एक पहल है जिसमें कम प्रवाह वाले सेनेटरीवेयर और सेनेटरी फिटिंग शामिल हैं, जिससे पानी की न्यूनतम 40 प्रतिशत की बचत होती है। इस पहल से, पानी और ऊर्जा की बचत होगी क्योंकि कम पानी की आवश्यकता के कारण पंपिंग, ट्रांसपोर्टिंग और पूरीफिकेशन के लिए कम ऊर्जा की आवश्यकता होगी।

इस मौके पर इंडियन प्लंबिंग एसोसियेशन के अध्यक्ष गुरमीत सिंह अरोड़ा ने कहा कि प्लम्बेक्स इंडस्ट्री के हितधारकों के लिए बिज़नेस डेवलपमेंट और विकास के अवसरों को जोड़ने व तलाशने के लिए एक पहल है। यह इंडस्ट्री के अंदर कोलैबोरेशन और पार्टनरशिप के लिए रोडमैप बनाने का इरादा रखता है।

निर्मल जल प्रयास को इस दौरान लाँच किया गया। भूमिगत जल को बचाना बहुत महत्वपूर्ण है और नरेडको माही निर्मल जल प्रयास के माध्यम से भूजल का मानचित्रण करेगा। नारेडको माही की निर्मल जल प्रयास के माध्यम से पानी बचाने की कोशिश करेगा साथ ही जागरूकता लाने का भी प्रयास करेगा। आईपीए ने नारेडको माही, के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एमओयू के तहत, आईपीए ने नरेडको माही को निर्मल जल प्रयासों के अंतर्गत प्रति वर्ष 500 करोड़ लीटर पानी की बचत करने के लिए निर्देशित किया। नारेडको माही निर्मल जल प्रयास बिल्डरों को नेट जीरो वाटर की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। इस कार्यक्रम का लक्ष्य भारत में सालाना 500 करोड़ लीटर पानी की बचत करना है।

इस मौके पर आईपीए और सीओए (वास्तुकला परिषद) के बीच भी एक समझौता किया गया। इस समझौते का उद्देश्य अपने सदस्यों के लिए एलोब्रेट लर्निंग और नॉलेज शेयरिंग प्लेटफार्म बनाने का है। एमओयू के तहत, आईपीए 480 सीओए संबद्ध आर्किटेक्चर संस्थानों के लिए नवीनतम प्लंबिंग तकनीक और प्रैक्टिसेज पर एक पाठ्यक्रम बनाने में भी मदद करेगा। यह आर्किटेक्चर कॉलेजों में पढ़ने वाले आर्किटेक्चर छात्रों के लिए प्लंबिंग एजुकेशन (जल और स्वच्छता) का प्रचार करेगा।

यूएई के आर्थिक मामलों के मंत्री ने की सीतारमण से भेंट

नयी दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के आर्थिक मामलों के मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक-अल-मरी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से आज यहां भेंट की। श्री तौक-अल-मरी ने श्रीमती सीतारमण के साथ भारत एवं यूएई के बीच मजबूत आर्थिक व वाणिज्यिक सहभागिता और व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की, जो बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को निरंतर आगे बढ़ा रही है। श्री तौक-अल-मरी के साथ यूएई का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत-यूएई आर्थिक साझेदारी शिखर सम्मेलन 'भारत-यूएई सीईपीए= स्वर्ण युग की शुरुआत' में भाग लेने के लिए नई दिल्ली में है।

एनटीपीसी जुटाएगी 5,000 करोड़ रुपये का ऋण, बैंकों/वित्तीय संस्थानों से मांगा प्रस्ताव

एजेंसी

नयी दिल्ली। नवरत्न विद्युत उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने 5,000 करोड़ रुपये का सावधिक ऋण जुटाने के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं।

एनटीपीसी की ओर से गुरुवार को जारी प्रस्ताव के लिए आवेदन (आरएफपी) में कहा गया है कि इच्छुक बैंक और वित्तीय संस्थान कंपनी को सावधिक ऋण के प्रस्ताव 27 मई 2022 को सुबह 11 बजे तक दे सकते हैं और उसी दिन 11:30 बजे निविदाएं खोली जाएंगी।

एनटीपीसी ने कहा है कि कोई भी प्रस्ताव न्यूनतम 500 करोड़ रुपये या उससे गुणक में किया जा सकता है। इसके लिए बैंक या वित्तीय संस्थानों को ऋण पर ब्याज की दर के उल्लेख के साथ बिना शर्त और अपरिवर्तनीय प्रस्ताव पेश करना होगा।

एनटीपीसी के सावधिक ऋण पत्रों को रेंटिग एजेंसी क्रिसिल लिमिटेड और इकरा लिमिटेड ने एएए(स्थिर) रेंटिंग दी है। इंडिया रेंटिंग और केयर ने भी एनटीपीसी को ऋण के लिए एएए रेटिंग दी है जो ऋण की सुरक्षा दृष्टि से सर्वोच्च रेटिंग है। सरकारी क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी की कुल स्थापित क्षमता 68,961.68 मेगावाट है और यह देश की सबसे बड़ी विद्युत उत्पादक कंपनी है।

स्पाइसजेट, एक्सिस बैंक ने को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। विमानन कंपनी स्पाइसजेट और देश में निजी क्षेत्र के तीसरे सबसे बड़े एक्सिस बैंक ने गुरुवार को वीजा द्वारा संचालित को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड पेश किया है। यह कार्ड ग्राहकों को कई विशेष सुविधाएं और लाभ प्रदान करेगा।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्पाइसजेट के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह और एक्सिस बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ चौधरी की मौजूदगी में स्पाइसजेट एक्सिस बैंक वॉयेज एवं वॉयेज ब्लैक क्रेडिट कार्डों का अनावरण किया गया।

कंपनियों के बयान के अनुसार इन कार्डों से ग्राहक स्पाइसजेट बुकिंग, ऑनलाइन बिल भुगतान, भोजन और मनोरंजन पर खर्च करके अपने दैनिक खर्चों को मुफ्त उड़ानों में बदल सकते हैं।

इसके साथ इन कार्डों की मदद से ग्राहक स्पाइस क्लब सिल्वर और गोल्ड-टियर की सीधी सदस्यता ले पाएंगे और इसके शुरू हो जाने पर 4000 रुपये के स्पाइसजेट फ्लाइट वाउचर और 6000 रुपये तक के लाभ दिए जाएंगे। सिंह ने कहा, मुझे स्पाइसजेट-एक्सिस बैंक के को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड के लॉन्च की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह कार्ड प्रत्येक ग्राहक की यात्रा को और भी अधिक फायदेमंद बना देगा। विशिष्ट ग्राहक अनुभव प्रदान करने के साझा दृष्टिकोण पर स्थापित एक्सिस बैंक के साथ हमारा सहयोग, विश्व स्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करने की दिशा में एक और नया कदम है। मुझे उम्मीद है कि हमारे ग्राहकों को हमारे साथ जितना अधिक यात्रा करना पसंद आयेगा वो इस लाभप्रद सहयोग के लाभों का उतना ही अधिक आनंद ले सकेंगे।

चौधरी ने कहा, हम स्पाइसजेट जैसे ब्रांड के साथ साझेदारी करके प्रसन्न हैं, जो विशाल पहुंच और बेजोड़ सेवाओं के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है।

दोनों टीमें सर्वोत्तम प्रस्तावों और सेवाओं के साथ तालमेल बनाने के लिए मिलकर काम करेंगी, जिससे ग्राहकों और उनके यात्रा अनुभव पर वास्तव में भिन्नता दिखाई देगी।

शार्ट न्यूज

तस्मानिया का अनुबंध ना मिलना शायद टिम पेन के करियर का अंत

मेलबोर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन को तस्मानिया के अनुबंधों से भी बाहर रखा गया है और इसे शायद उनके क्रिकेट करियर का अंत माना जा सकता है। पिछले साल शुरू हुई एशेज सीरीज़ से पहले पेन के लिखे गए कुछ अभद्र टेक्स्ट संदेश सार्वजनिक हुए थे और इसी के चलते उन्होंने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी और अब 37-वर्षीय पेन अपने राज्य के 2022-23 सीज़न के अनुबंधित खिलाड़ियों में शामिल नहीं किए गए हैं। कप्तानी छोड़ने के तुरंत बाद उन्होंने थोड़ा समय क्रिकेट से बाहर बिताया था और फिर तस्मानिया के सहायक कोच की भूमिका में सीज़न के आखिर में दिखे थे। अगले सीज़न के दल की घोषणा से पहले उनके खेल जीवन के भविष्य पर कोई स्पष्टता नहीं थी। पेन ने इससे पहले भी क्रिकेट में कोचिंग या अन्य प्रशिक्षण से जुड़े रोल में अपनी रुचि ज़ाहिर की है लेकिन गुरुवार की खबर से ऐसा लग रहा है कि उनका क्रिकेट करियर अब 35 टेस्ट और 147 प्रथम-श्रेणी मैचों तक ही सीमित रहेगा। जब उन्होंने टेस्ट कप्तानी से इस्तीफ़ा दिया था तो वह गर्दन की सर्जरी के बाद मैदान पर वापसी कर रहे थे। उन्होंने तस्मानिया की दूसरी एकादश के लिए एक मैच में हिस्सा लिया था और फिर एशेज से अपना नाम वापस लेकर क्रिकेट से अवकाश लेना मुनासिब समझा।

भारत उबेर कप के क्वार्टरफाइनल में बाहर

बैंकाक। भारतीय महिला टीम उबेर के क्वार्टरफाइनल में गुरूवार को थाईलैंड से 0-3 से हारकर बाहर हो गयी। यहाँ इम्पैक्ट एरिना में खेले गए इस मुकाबले में स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु भारत को विजयी शुरुआत नहीं दिला पायीं। सिंधु को थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन के हाथों 21-18, 17-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधु 2021 से इंतानोन के खिलाफ अपने सभी चार मैच हार चुकी हैं। युगल मैच में श्रुति मिश्रा और सिमरन सिंघी अपना मुकाबला 16-21, 13-21 से हार गयीं। तीसरे मैच में पोर्नपावी चोकुवांग ने आकर्षि कश्यप को 42 मिनट में 21-16, 21-11 से पराजित कर जीत थाईलैंड की झोली में डाल दी। थाईलैंड का सेमीफाइनल में चीन से मुकाबला होगा जो 15 खिताबों के साथ उबेर कप का सबसे सफल देश है। भारत पिछले संस्करण में भी क्वार्टरफाइनल में जापान के खिलाफ 0-3 से हार गया था।

गोवा, चेन्नइयन ने जीत के साथ किया आरएफडीएल में अपना सफर समाप्त

पणजी। एफसी गोवा और चेन्नइयन एफसी ने बुधवार को जीत के साथ रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग (आरएफडीएल) में अपने सफर का समापन किया। गोवा ने जहां रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स को अंतिम राउंड के मैच में 2-0 से हराया वहीं चेन्नइयन ने मुम्बई सिटी एफसी को 3-2 से अंतर से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की। मुम्बई सिटी एफसी का खाता हालांकि नहीं खुल सका। गोवा और रिलायंस यंग चैंप्स के बीच खेला गया मैच पहले हाफ में गोलरहित रहा। इस दौरान हालांकि गोवा की टीम कुछ मौकों पर लीड लेने के करीब आई लेकिन वह चूक गया। रायान मेनेजेस का एक शॉट क्रॉसबार से टकराकर लौट गया। रायान ने हालांकि 77वें मिनट में गोल करते हुए अपनी टीम को लीड दिलाई। इसके बाद जोवियाल डियास ने अपनी टीम के लिए 88वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। यह इस टूर्नामेंट में उनका पांचवां गोल था। गोवा ने सात मैचों में 13 अंकों के साथ अपना सफर समाप्त किया जबकि आरएफ यंग चैंप्स ने इतने ही मैचों में सात अंक लेकर अपने प्रभावशाली सफर का समापन किया। शाम को हुए मैच में पांच मिनट के भीतर तीन गोल हुए। स्थानापन्न सुफियान शेख ने 19वें मिनट में गोल करते हुए चेन्नइयन को लीड दिलाई। मुम्बई की टीम ने हालांकि 21वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। मुम्बई के लिए यह गोल मोहम्मद आसिफ ने किया तीन मिनट बाद ही चेन्नइयन ने पेनल्टी हासिल की, जिस पर गोल करते हुए जोसेफ लालवेनहीमा ने स्कोर 2-1 कर दिया। यह गोल 24वें मिनट में हुआ। चेन्नई की टीम यहीं नहीं रुकी और उसने दूसरे हाफ में एक और गोल करते हुए 3-1 की लीड ले ली। उसके लिए मैच का दूसरा गोल आसिफ ने 80वें मिनट में किया। चेन्नइयन ने सात मैचों में से पांच अंकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया, जबकि मुंबई प्रतियोगिता में एक भी जीत दर्ज करने में विफल रही। मुम्बई की टीम आठ-टीमों की तालिका में सबसे नीचे रही।

फील्डिंग के हिसाब से हम और भी बेहतर हो सकते हैं : पंत

मुम्बई। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने राजस्थान रॉयल्स से मुकाबला आठ विकेट से जीतने के बाद कहा कि टॉस के वक़्त मैंने कहा था कि 140-160 के आसपास का कोई भी स्कोर हमारे लिए अच्छा होगा और हमें 160 रन मिले। पंत ने बुधवार को कहा, जब आप 100 प्रतिशत देना चाहते हैं, तो भाग्य भी आपके साथ होता है। फील्डिंग के हिसाब से हम और भी बेहतर हो सकते हैं। पृथ्वी शॉ के बारे में बात करते हुए पंत ने कहा, उसे टाइफाइड या ऐसा कुछ ही हो गया है, जैसा कि डॉक्टर ने हमें बताया। अगर वह टीम से जुड़ जाएंगे तो हमारे लिए और अच्छा होगा। अपने आलराउंड प्रदर्शन (दो विकेट और 89 रन) से प्लेयर ऑफ द मैच बने मिचेल मार्श ने कहा, यह एक कठिन मैच था। जब आप थोड़ी गेंदबाजी करते हैं और थोड़ा बल्लेबाजी करते हैं तो शारीरिक रूप से यह कठिन होता है। हमें 160 के लक्ष्य को पाने के लिए कम से कम एक अच्छी साझेदारी की जरूरत थी। पावरप्ले के पहले चार-पांच ओवर बल्लेबाजी के लिए कठिन थे। पिच स्विंग कर रहा था और थोड़ी सी उछाल भी थी। मुझे यह विकेट पर्थ की याद दिलाता है।

परवीन के बाद निकहत और मनीषा ने भी दर्ज की प्रभावशाली जीत

नयी दिल्ली। तुर्की के इस्तांबुल में जारी आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के 12वें संस्करण में बुधवार का दिन भारत के लिए काफी अच्छा रहा। इस दिन भारत की दो मुक्केबाजों परवीन और निकहत जरीन ने प्रभावशाली जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। इसके अलावा मनीषा (57 किग्रा) भी विजयी बनकर उभरीं। परवीन ने जहां शक्तिशाली प्रदर्शन के साथ एकतरफा अंदाज में यूक्रेन की मारिया बोवा को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया वहीं तेलंगाना की निकहत ने 52 किग्रा भार वर्ग के शुरुआती दौर के मैच में मेक्सिको की हेरेरा अल्वारेज के खिलाफ 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। इस साल फरवरी में स्ट्रैंड्जा टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाली 25 वर्षीय निकहत ने पहले राउंड में अपनी प्रतिभा के अनुरुप खेल दिखाया। वह जितनी आक्रामक थीं, उतनी ही डिफेंसिव भी थी। विपक्षी खिलाड़ी के हर एक हमले से बचते हुए निकहत ने कुछ सटीक प्रहार किए और इस राउंड में सभी जजों को प्रभावित करते हुए पूरे अंक हासिल किए। दूसरे राउंड में भी निकहत ने अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखा और अपने मुक्कों के प्रहार से एक बार फिर सभी जजों को प्रभावित कर पूरे अंक बटोरे। तीसरे राउंड में भी निकहत ने शुरुआत से अंत तक कई शक्तिशाली मुक्के अपनी प्रतिद्वंद्वी पर बरसाए और विजेता बनकर उभरीं। रोहतक की मुक्केबाज परवीन 63 किग्रा भार वर्ग के शुरुआती दौर के मुकाबले में पूरी तरह से हावी रहीं और प्रभावशाली जीत दर्ज की। परवीन ने शुरुआत से आक्रमक रुख बनाए रखा था। उन्होंने न केवल सटीकता से मुक्के बरसाए बल्कि अपने डिफेंस के बूते बोवा को हावी होने का मौका नहीं दिया। अपने अभियान की प्रभावशाली शुरुआत के बाद परवीन रविवार को प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पूर्व यूथ ओलंपिक चैंपियन अमेरिका की जजैरा गोंजालेज से भिड़ेंगी। इसी तरह, पहले राउंड में बाई हासिल करने वाली मनीषा (57 किग्रा) ने नेपाल की काला थापा को 5-0 से हराकर भारत का विजयीक्रम जारी रखा। भारत की पांच मुक्केबाज अब तक जीत हासिल कर चुकी हैं। 2021 एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली जैस्मीन, अनामिका और शिक्षा गुरुवार को अंतिम-32 दौर में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

पंजाब के लिए बेंगलुरु के खिलाफ करो या मरो का मुकाबला

मुम्बई, 12 मई (वार्ता) आईपीएल इस समय ऐसे दौर में पहुंच चुका है जहां अब हर मुकाबला प्लेऑफ की रेस में टीमों की दावेदारी तय करता दिखाई देता है। शुक्रवार को पंजाब किंग्स का रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ ब्रेबोर्न स्टेडियम में होने वाला मुकाबला पंजाब के लिए करो या मरो का मैच होगा। 11 मैचों में पांच जीत और 10 अंकों के साथ आठवें स्थान पर मौजूद पंजाब के लिए इस मैच में सिर्फ जीत से ही बात बनेगी। हारने की सूरत में पंजाब होड़ से बाहर हो जाएगा। दूसरी तरफ बेंगलुरु के खाते में 12 मैचों में सात जीत के साथ 14 अंक हैं। इस मुकाबले में जीत बेंगलुरु के लिए प्लेऑफ के लिए उसकी दावेदारी को पुख्ता कर देगी।

बेंगलुरु के कप्तान कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी उन खिलाड़ियों में से हैं जो पंजाब किंग्स के ख़िलाफ़ हमेशा रन बनाते हैं, पंजाब किंग्स के ख़िलाफ़ उन्होंने 10 पारियों में 77.63 के औसत और 143.09 के स्ट्राइक रेट से 621 रन बनाए हैं, जिसमें नौ बार 30 से ज़्यादा का स्कोर। वैसे भी इस सीज़न उन्होंने 12 मैच में 389 रन बनाए हैं।

बेंगलुरु के ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर जोश हेजलवुड का यह सीज़न कमाल का रहा है। उन्होंने आठ मैचों में 6.81 के औसत से 13 विकेट लिए हैं। उनका प्रदर्शन पावरप्ले में भी सही रहा है जहां उन्होंने 5.58 के इकॉनमी से चार विकेट लिए हैं। वहीं, मध्य ओवरों में भी उन्होंने 4.75 के इकॉनमी से पांच विकेट लिए हैं।

पंजाब के लियाम लिविंग्स्टन ने नंबर चार पर बल्लेबाज़ी करते हुए पिछले कुछ मैचों में फ़िनिशर की भूमिका निभाई है। उन्होंने पंजाब के लिए इस सीज़न 11 मैच में 184.21 के स्ट्राइक रेट से 315 रन बनाए हैं। ऐसे में वह इस टीम के लिए इस सीज़न रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर खड़े हैं। इसके साथ ही वह इस सीज़न कुछ अर्धशतक भी लगा चुके हैं।

पंजाब के तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा आईपीएल में अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ों में से एक हैं, उन्होंने इस बार 10 मैच में 18 विकेट लिए हैं। इस सीज़न विकेट लेने के मामले में वह तीसरे स्थान पर संयुक्त रूप से खड़े हैं। पावरप्ले में विकेट लेना उनके लिए थोड़ा मुश्किल रहा है, जहां पर उन्होंने पिछले सीज़न के 43 मैच में नौ ही विकेट लिए हैं। हालांकि, पिछले 10 मैचों में उन्होंने आठ विकेट पावरप्ले में लिए हैं, जो उनके लिए बेहद अच्छा है।

मध्य प्रदेश के बल्लेबाज़ रजत पाटीदार का घरेलू क्रिकेट में बहुत नाम है। उन्होंने पिछले सीज़न आईपीएल में डेब्यू किया लेकिन सफल नहीं हो पाए। हालांकि इस सीज़न उन्हें दोबारा मौक़ा मिला और उन्होंने पिछले दो मैच में 52(32) और 48(38) की पारियां खेली।

उन्होंने छह आईपीएल मैचों में पांच बार 20 से अधिक रन बनाए हैं।

पंजाब के जॉनी बेयरस्टो के लिए यह सीज़न अच्छा नहीं रहा, लेकिन जब उन्हें इस सीज़न ओपनिंग करने का मौक़ा मिला तो उन्होंने 56 (40) रनों का स्कोर किया और उम्मीद है कि वह इस फ़ॉर्म को जारी रखेंगे। वैसे भी बेंगलुरु के ख़िलाफ़ उन्होंने तीन मैचों में 166.96 के स्ट्राइक रेट से 187 रन बनाए हैं।

पुजारा की एकाग्रता सीखने लायक है : मोहम्मद रिज़वान

एजेंसी

लंदन। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज़ मोहम्मद रिज़वान ने काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स के अपने साथी चेतेश्वर पुजारा की एकाग्रता और फ़ोकस की तारीफ़ की है और बताया है कैसे भारतीय टीम के बल्लेबाज़ पुजारा ने उन्हें इंग्लैंड में हल्के हाथों से और शरीर के क़रीब खेलने की हिदायत देकर मदद की है।

रिज़वान और पुजारा के बीच डरहम के ख़िलाफ़ पिछले महीने छठे विकेट के लिए 154 रनों की साझेदारी हुई थी जिसमें रिज़वान ने 79 बनाए थे। पुजारा फ़िलहाल भारतीय टेस्ट टीम से बाहर हैं लेकिन ससेक्स के लिए अब तक उन्होंने चार प्रथम श्रेणी मुक़ाबलों में 143.40 की औसत से 717 रन बनाए हैं जिनमें दो शतक और दो दोहरे शतक शामिल हैं। रिज़वान के साथ साझेदारी रचते हुए पुजारा ने 203 रन बनाए थे और रिज़वान ने काउंटी क्रिकेट में धीमी शुरुआत के बाद अपने फ़ॉर्म में सुधार का श्रेय पुजारा को दिया।

क्रिकविक नामक यूट्यूब चैनल पर उन्होंने कहा, आप सबके सामने है कि हम जो सालों से खेलते आ रहे हैं तो वाइड बॉल को शरीर से दूर खेलते हैं क्योंकि आप सफ़ेद गेंद [क्रिकेट] में अपने शरीर के क़रीब बहुत कम देखते हैं।

यहां [पाकिस्तान में] स्विंग और सीम कम होता है तो आप रन ही देखते हैं। तो शुरुआत में मैं दो दफ़े शरीर से दूर खेलते हुए आउट हुआ।

फिर मैं जाकर नेट्स में इससे [पुजारा] मिला हूं और उसने यही कहा कि हम पाकिस्तान या एशिया में खेलते हुए ज़ोर से ड्राइव लगाते हैं। यहां ज़ोर नहीं लगाना पड़ता। और दूसरा यही कि शरीर के क़रीब खेलना पड़ता है क्योंकि मैं तो शरीर से दूर ही खेलते आ रहा हूं।

पोलार्ड में अभी बहुत क्रिकेट बाक़ी है : बिशप

मुम्बई। मुंबई इंडियंस के हरफ़नमौला कीरोन पोलार्ड भले ही अपने सबसे निराशाजनक आईपीएल अभियान के बीच में हैं लेकिन पूर्व वेस्टइंडीज़ तेज़ गेंदबाज़ और क्रिकइंफ़ो एक्सपर्ट इयान बिशप के हिसाब से अब भी उनसे अच्छे खेल की उम्मीद की जा सकती है।

बिशप ने टी20 टाइम आउट कार्यक्रम में कहा, पोलार्ड को अपने गेम का पुनर्निर्माण करना होगा। यह अति आवश्यक है क्योंकि वह इस गेम में अपना भविष्य देखते हैं। लोगों का मानना है कि वह बतौर खिलाड़ी ख़त्म हो चुके हैं लेकिन मैं वहां जाना भी नहीं चाहता। वह नए सिरे से शुरुआत कर सकते हैं।

आईपीएल 2022 में 11 मैचों के बाद पोलार्ड ने 14.40 के औसत और 107.46 के स्ट्राइक रेट से केवल 144 रन बनाए हैं। यह स्ट्राइक रेट उनके लिए किसी भी आईपीएल सीज़न में सबसे कम है। इस टूर्नामेंट में 130 से कम का स्ट्राइक रेट उनके लिए केवल 2011 में था। पोलार्ड गुरुवार को 35 साल के होंगे। वह 2010 से ही मुंबई के टीम का अभिन्न हिस्सा रहे हैं और उन्होंने मुंबई के पांच विजयी अभियान में भी बड़ा रोल अदा किया है। बिशप ने कहा, उन्होंने अपने एक महान खिलाड़ी पर भरोसा जताया है और उनके प्रति वफ़ा दिखाई है। हम सबको काफ़ी कुछ याद रखना चाहिए, फिर चाहे वह मीडिया हो या समर्थकों में ही हो। जब भी मुंबई ने टाइटल जीता है तब पोलार्ड का योगदान रहा है। 2013 में 42 के औसत से 420 रन और 2019 और 2020 तक औसत को 30 के ऊपर रखना जब उनका स्ट्राइक रेट अक्सर 160 और 190 तक (2019 में 156.74 और अगले साल 191.42) हुआ करता था। बतौर एक फ़्रैंचाइज़ आप ऐसी चीज़ें याद रखेंगे और उन्हें भरपूर मौक़ा देंगे। पोलार्ड के लिए पांच सबसे तेज़ी से रन बनाने सीज़न में से चार (2013, 2015, 2019 और 2020) में मुंबई ने टाइटल जीता है। पिछले कुछ सालों से वह टीम के नेतृत्व समूह का हिस्सा भी रहे हैं। इस साल मुंबई ने 11 में केवल दो ही मैच जीते हैं और ज़ाहिर है फ़ैंस में भी नाराज़गी है। इसके बावजूद पोलार्ड को विश्राम देकर बाक़ी खिलाड़ियों को मौक़ा देने पर पूर्व न्यूज़ीलैंड कप्तान डैनियल वेटोरी भी असहमत हैं।

वेटोरी ने कहा, फ़्रैंचाइज़ एक फ़ैन की तरह भावनात्मक तरीके से नहीं सोच सकते। जैसा कि बिश (बिशप) ने कहा उन्हें पुरानी बातें याद रखनी होगी और साथ में भविष्य पर भी नज़र रखनी होगी। क्या पोलार्ड उस भविष्य का हिस्सा हैं? मेरे हिसाब से तो वह ज़रूर भविष्य का हिस्सा हैं। पहले भी कुछ ऐसे सीज़न रहे हैं जहां उनकी शुरुआत अच्छी नहीं हुई लेकिन उन्होंने ज़बरदस्त वापसी की है। यह बहुत ज़रूरी है कि वह बचे हुए मैच भी अवश्य खेलें क्योंकि वह भविष्य में भी इस फ़्रैंचाइज़ का हिस्सा रहेंगे।

इस साल पोलार्ड की सबसे बड़ी कमज़ोरी रही है स्पिन गेंदबाज़ी। उन्होंने स्पिन के सामने केवल 6.80 की औसत और 82.92 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं और ऐसी स्थिति आ गई है कि उनके आते ही विपक्ष उनके विरुद्ध स्पिनर लगा देते हैं। ख़ुद पोलार्ड को गेंदबाज़ी कर चुके वेटोरी का मानना है कि यह संघर्ष उनके खेल में गिरावट से नहीं बल्कि उनके मानसिक असहजता का फल है।

वेटोरी ने कहा, बतौर स्पिन बोलर वह एक ख़तरनाक बल्लेबाज़ हैं क्योंकि उनकी पहुंच काफ़ी लंबी है और वह पहले या दूसरे गेंद से ही आप पर प्रहार शुरू कर सकते हैं। हम [इस सीज़न] देख रहे हैं कि वह स्पिन को सुरक्षात्मक तरीक़े से खेल रहे हैं। जब आप उन्हें ओवरपिच कर देते हैं तो वह अपने रंग में आते हैं और आपको सीधा छक्के के लिए मार सकते हैं। फ़िलहाल उनकी गेम में एक तनाव साफ़ है और शायद यह टीम के पूरे प्रदर्शन का प्रतिबिंब है। ऐसा हो सकता है वह टीम की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लेना चाहते हैं और बीते सीज़नों की तरह टीम को जीत तक ले जाना चाह तो रहे हैं लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा।

बिशप ने कहा, बतौर गेंदबाज़ अगर आपको पता है कि एक बल्लेबाज़ असहज है तो आप और आत्मविश्वास के साथ अपने प्लान पर टिके रह सकते हैं। मैंने पोलार्ड को अच्छे फ़ॉर्म में देखा है कि वह लेग स्पिनर और बाएं हाथ के स्पिनर के धागे खोल देते हैं। उन्हें बस आत्मविश्वास की ज़रूरत है।

कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में कश्मीर मुद्दे पर वेबिनार, भारतीय छात्रों के विरोध के बाद पीछे हटना पड़ा

नई दिल्ली। अमेरिका में भारतीय छात्र छात्रों के एक वर्ग ने कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में जम्मू और कश्मीर मुद्दे को लेकर डिबेट पर कड़ी आपत्ति जताई। यूसीएसडी में भारतीय छात्रों ने विश्वविद्यालय के कला और मानविकी संस्थान द्वारा आयोजित कश्मीर से फिलिस्तीन तक वैश्विक स्वतंत्रता संघर्ष नामक एक वेबिनार का विरोध किया। भारतीय छात्रों ने कहा कि यह मुद्दा देश का आंतरिक मसला है, इस पर डिबेट करने से भारत के खिलाफ नफरत फैलेगी।

मिली जानकारी के अनुसार, कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में वेबिनार का आयोजन 9 मई को होना था, जिसमें डिबेट का विषय था- कश्मीर में औपनिवेशिक कब्जा। अपने विरोध के दौरान भारतीय छात्रों ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एक आतंकवाद प्रभावित क्षेत्र है जहां भारत दशकों से शांति बाधित करने वाले पाकिस्तान की गुप्त रणनीतियों से निपट रहा है।

एजेंसी के मुताबिक, एक छात्र ने कहा, यह देश का आंतरिक मामला है। विश्वविद्यालय को ऐसे आयोजनों का आधिकारिक मेजबान नहीं बनना चाहिए जहां अलगाववादी एजेंडा रखने वाले वक्ताओं की मेजबानी की जा रही हो। इस डिबेट के विरोध में भारतीय छात्रों द्वारा कैंपस में एक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया और वेबिनार से कश्मीर मुद्दे को बाहर करने की मांग की। अमेरिका में भारतीय दूतावास में भी औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है। विरोध को यूसीएसडी में अंतरराष्ट्रीय छात्र संघ द्वारा समर्थन भी मिला है। आखिरकार यूनिवर्सिटी को अपना फैसला वापस लेना पड़ा।

एक भारतीय छात्र ने कहा, विश्वविद्यालय ने इस वेबिनार की मेजबानी या विस्तार करने से पहले भारतीय आवाजों को ध्यान में नहीं रखा गया। आमंत्रित वक्ताओं में कुछ अलगाववादी और आतंकवादी सोच को समर्थन करने वाले थे। ऐसे वक्ता को एक मंच प्रदान करके आयोजक कश्मीर को लेकर प्रोपेगेंडा फैलाने का प्रयास करना चाहते थे, जो भारतीय छात्रों के लिए किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। यह डिबेट हमारे देश के खिलाफ सिर्फ नफरत फैलाता है। इसलिए हमने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और विश्वविद्यालय के नियमों का सम्मान करते हुए सबसे बेहतर तरीके से इस डिबेट के खिलाफ आवाज उठाई।

विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाले भारतीय छात्रों में से एक ने कहा कि विरोध को विवि ने भी स्वीकार किया और कश्मीर मुद्दे पर आयोजित होने वाले वेबिनार कार्यक्रम को अब विश्वविद्यालय के कार्यक्रम कैलेंडर से हटा दिया गया है।

दुनिया की स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा है रूस : उर्सुला

टोक्यो। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने गुरुवार को कहा कि रूस आज के समय में समूची दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा है। सुश्री उर्सुला ने जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के साथ बातचीत के बाद संवाददाताओं से यह बात कही। सुश्री उर्सुला और श्री मिशेली 28वें यूरोपीय संघ-जापान शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए टोक्यो में हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक सुश्री उर्सुला ने कहा है कि यूक्रेन के खिलाफ बर्बर युद्ध और चीन के साथ नये समझौते तथा बहुत मनमाने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को लेकर रूस आज दुनिया की स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इस मौके पर श्री मिशेल ने कहा कि मिशेल ने कहा कि चीन को बहुपक्षीय व्यवस्था की रक्षा के लिए खड़ा होना चाहिए।

फिनलैंड के नाटो से जुड़ने को लेकर भड़का मॉस्को, बोला- रूस के लिए खतरा

एजेंसी

नई दिल्ली। फिनलैंड के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने एक साझा प्रेस रिलीज में जानकारी दी है कि फिनलैंड को बिना देर किए नाटो सदस्यता के लिए आवेदन करना चाहिए। फिनलैंड के इस बयान के बाद से रूस भड़क गया है। न्यूज एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट क्रेमलिन ने मामले को लेकर कहा है कि फिनलैंड का नाटो में शामिल होना निश्चित तौर पर रूस के लिए खतरे का प्रतिनिधित्व करेगा। वहीं नाटो प्रमुख स्टोल्टेनबर्ग का कहना है कि गठबंधन में फिनलैंड का प्रवेश सुचारू और तेज होगा।

परमाणु हथियार तैनात करेगा रूस?

हाल ही में रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने अमेरिका और यूरोपीय यूनियन को चेतावनी देते हुए कहा था

कि अगर फिनलैंड या स्वीडन नाटो में शामिल होने का फैसला करते हैं तो रूस बाल्टिक देशों और स्कैंडिनेविया के करीब परमाणु हथियार तैनात करेगा। उन्होंने कहा था कि फिनलैंड या स्वीडन के इस कदम से रू क्षेत्र में परमाणु हथियार तैनात करने का हकदार होगा। रूस अपने जमीनी बलों और हवाई सुरक्षा के समूह को गंभीरता से मजबूत करेगा और फिनलैंड की खाड़ी में महत्वपूर्ण नौसैनिक बलों को तैनात करेगा।

फिनलैंड और स्वीडन जल्द लेंगे फैसला

नाटो की सदस्यता पर फिनलैंड और स्वीडन इस हफ्ते अहम फैसला ले सकते हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यूक्रेन पर रूसी हमलों के बाद से दोनों ही देशों को समझ आ गया है कि ताकतवर पड़ोसी देश से टकराव टालने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि वे किसी भी सैन्य संगठन से बाहर रहें। दोनों देशों की सत्ताधारी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी अगर अगले कुछ दिनों के में नाटो में शामिल होने का समर्थन करती है तो नाटो रूस की दहलीज तक पहुंच जाएगा। स्वीडन 200 से अधिक सालों से सैन्य गठजोड़ में शामिल होने से बचता रहा है, तो द्वितीय विश्व युद्ध में रूस के हाथों पराजय के बाद से फिनलैंड ने भी तटस्थ रुख अख्तियार कर रखा है।

श्रीलंका के पूर्व पीएम महिंद्रा राजपक्षे को एक और झटका, कोर्ट ने देश छोड़ने पर लगाई रोक

कोलंबो। सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में हुई हिंसा मामले पर सुनवाई करते हुए श्रीलंका की अदालत ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री महिंद्रा राजपक्षे, उनके बेटे समेत 15 लोगों के देश छोड़कर जाने पर रोक लगा दी है। कोलंबो कोर्ट ने पुलिस को इस बात की भी जांच करने के भी आदेश दिए हैं कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन आखिर हिंसात्मक कैसे हो गया? इस हिंसा में 9 लोगों की मौत हुई थी। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक कोर्ट में पूर्व पीएम महिंद्रा राजपक्षे के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने को लेकर भी याचिका दायर की गई थी जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। कोर्ट के मुताबिक पुलिस के पास ये अधिकार है कि वो किसी भी संदिग्ध को हिरासत में ले सकती है। ऐसे में अगर पुलिस को लगता है कि कोई संदिग्ध है तो उसे पुलिस बिना किसी इजाजत के भी गिरफ्तार कर सकती है। सोमवार को कोर्ट में याचिका दायर कर कहा गया था कि महिंद्रा राजपक्षे के तीन हजार समर्थकों ने कोलंबो में चल रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर हमला कर शहर में हिंसा भड़काने का काम किया। याचिका में कहा गया है सरकार के समर्थकों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठी-डंडों से हमला किया जिसके बाद प्रदर्शन उग्र हो गया। बताया जा रहा है कि सोमवार को हुई हिंसा के बाद 225 लोग अस्पतालों में भर्ती हैं जिनमें बौद्ध संत और पादरी भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि हिंसा के बाद महिंद्रा राजपक्षे और उनके कुछ विश्वास पात्र लोग पीएम आवास को छोड़कर किसी अज्ञात स्थान पर चले गए हैं। दरअसल महिंद्रा राजपक्षे के भाई गोटबाया राजपक्षे ने अपने भाई और प्रधानमंत्री महिंद्रा राजपक्षे से इस्तीफा देने को कहा था।

मनी लांडरिंग मामले में एफआईए नहीं करेगी शहबाज़ और हमज़ा से पूछताछ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी(एफआईए) ने 16 अरब रुपये के मनी लांडरिंग मामले में प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ और पंजाब के मुख्यमंत्री हमज़ा शहबाज़ से पूछताछ नहीं करने का फैसला किया है। समाचार पत्र 'डान'ने गुरुवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। एफआईए के महानिदेशक (डीजी) ने अदालत में पेश लिखित प्रार्थना पत्र में बताया कि इस मामले के आरोपी देश के प्रधानमंत्री और पंजाब के मुख्यमंत्री चुने जाने हैं और ऐसे में संबंधित पक्ष आरोपियों से पूछताछ का इच्छुक नहीं है, अनुरोध है कि इन निर्देशों को अदालत के रिकॉर्ड के हिस्से मे शामिल कर लिया जाए। एफआईए का यह फैसला ऐसे समय मे आया है जब तीन दिन पहले ही लाहौर की विशेश अदालत ने पीएमएल-एन नेताओं के खिलाफ आरोप तय किये जाने हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री और उनके बेटे के खिलाफ जांच शुरू करने वाले एफआईए के पूर्व निदेशक मोहम्म्द रिज़्वान की दिल का दौरा पड़ने के कारण मौत हो गयी थी। एफआईए इन इस मामले में श्री शहबाज, उनके बेटे श्री हमज़ा शरीफ और श्री सुलेमान के खिलाफ नवंबर 2020 मे विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। इस बीच सुलेमान शहबाज गुपचुप तरीके से ब्रिटेन भाग गए जबकि विशेष अदालत ने श्री शरीफ और श्री हमज़ा शरीफ को 27 जनवरी को गिरफ्तारी पूर्व जमानत दे दी।

ब्राजील में विमान दुर्घटना में दो लोगों की मौत, 14 घायल

साओ पाउलो। ब्राजील के बोइतुवा शहर में गुरुवार को एक विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से में कम से कम दो लोगों की मौत हो गयी और अन्य 14 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बोइटुवा में बुधवार को 15 स्काईडाइवर को ले जा रहा एक विमान उडान भरने के बाद लैंडिंग करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बोइटुवा मेयर के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार विमान में एक पायलट और 15 स्काईडाइवर सवार थे। विमान स्काईडाइव-4फन पर्यटन कंपनी का था। बोइटुवा के मेयर एडसन मार्कुसो ने कहा, बोइटुवा में 50 साल से स्काईडाइविंग इतिहास में यह राष्ट्रीय स्काईडाइविंग केंद्र में विमान दुर्घटना की पहली घटना है, जो दुखदपूर्ण है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं ?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं।आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को

दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डयो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं ?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।